Ranchi ● Saturday, 25 October 2025 ● Year : 03 ● Issue : 277 ● Ranchi Edition ● Page : 12 ● Price : ₹3 ● www.thephotonnews.com E-Paper : epaper.thephotonnews.com

Daily
सच के हक में...
THE PHOTON NEWS
द फोटोन न्यूज Published From Ranchi

17 साल बाद एथलेटिक्स की मेजबानी मिलना गर्व का पल : सीएम

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप-2025 का शानदार आगाज हुआ। बिरसा मुंडा स्टेडियम में रंगारंग कार्यक्रम के बीच सीएम हेमंत सोरेन ने चैंपियनशिप का उद्घाटन किया। उन्होंने कहा कि 17 सालों के बाद झारखंड को एथलेटिक्स की मेजबानी का मौका मिला है। यह गर्व का पल है। चौथा सैफ सीनियर एथलेटिक्स का यह शुभारंभ का वक्त है। इस अवसर पर सभी वरीय पदाधिकारी मौजूद हैं। हमारे मंत्री से लेकर विधायक व अधिकारी भी इसके गवाह बने। सीएम ने कहा कि इस प्रतिस्पर्धा को रोचक बनाने के लिए कई देशों- बांग्लादेश, मालदीव, श्रीलंका के खिलाड़ी शामिल हुए हैं। निश्चित रूप से यह गर्व की बात है। झारखंड प्रदेश में युवा खेल के प्रति गंभीर है। यहां नौजवानों का समर्पण देखने को मिल रहा है। चाहे क्रिकेट हो, हॉकी हो या तीरंदाजी का खेल हो, हर जगह युवा अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा रहे है। एथलेटिक्स के क्षेत्र में भी देश का बेहतर प्रदर्शन हो, यहीं शुभकामना है।

साउथ एशियन सीनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप का शानदार आगाज, मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने किया उद्घाटन

एथलेटिक फेडरेशन ने झारखंड सरकार के साथ मिलकर इवेंट का किया आयोजन, स्टेडियम में जुटे हजारों दर्शक

- इस प्रदेश के युवा खेलों के प्रति गंभीर, अपनी प्रतिभा का मनवा रहे लोहा
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों के बाद पार्टिसिपेट करने वाली टीमों ने किया मार्चपास्ट

हर दिन खिलाड़ियों का बढ़ाइए हौसला

मुख्यमंत्री ने कहा कि आज स्टेडियम में हजारों युवा जुटे हैं। उनसे कहना चाहूंगा कि जितने दिन चैंपियनशिप चलेगी हर दिन आकर खिलाड़ियों का हौसला बढ़ाएं। हम प्रयास करेंगे कि आने वाले समय में अपने नौजवानों के लिए और भी खेलों का आयोजन हो। एथलेटिक्स में भी यहां के युवा अपनी पहचान बनाए। एथलेटिक फेडरेशन ने झारखंड सरकार के साथ मिलकर इस इवेंट का आयोजन किया। कम समय में एक बेहतर आयोजन की तैयारी की गई है। मुख्यमंत्री ने पदाधिकारियों से कहा कि आने वाले समय में आधारभूत संरचनाओं का लाभ उठाते हुए यहां और भी खेलों का आयोजन करें। इससे पहले खेल मंत्री सुदिव्य कुमार ने कहा कि हमारे लिए यह गर्व की बात है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में राज्य में खेलों को बढ़ावा देने का काम हम कर रहे है। खिलाड़ियों को हरसंभव मदद की जा रही है। जिससे कि वे राज्य का नाम रौशन करे। वहीं इस चैंपियनशिप की मेजबानी हमारे लिए गर्व की बात है। इससे पहले कई तरह के सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके बाद चैंपियनशिप में पार्टिसिपेट करने वाली टीमों ने मार्च पास्ट किया।

SHARE

सेंसेक्स	:	84,211.88
निफ्टी	:	25,795.15

SARAFA

सोना	:	11,655
चांदी	:	171.00

(नोट : सोना 22 कैरेट प्रति ग्राम)

BRIEF NEWS

नहीं रहे 'अबकी बार मोदी सरकार' लिखने वाले पीयूष

MUMBAI : गुरुवार को एड गुरु पद्मश्री पीयूष पांडे का निधन हो गया। लेकिन जानकारी शुक्रवार को सामने आई है। 70 साल की उम्र में मुंबई में उन्होंने अंतिम सांस ली। पीयूष ने

'अबकी बार मोदी सरकार' नारा लिखा था। इसके अलावा, 'मिले सुर मेरा तुम्हारा' गाना लिखा था। पीयूष पांडे की मौत के कारणों का पता नहीं चल पाया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक वे शरीर में संक्रमण से जूझ रहे थे। अंतिम संस्कार आज मुंबई में किया जाएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने उन्हें श्रद्धांजलि दी। पीएम ने 'एक्स' पर लिखा, पीयूष पांडे क्रिएटिविटी के लिए जाने जाते थे। एडवर्टाइजिंग की दुनिया में उन्होंने शानदार योगदान दिया। मैं उनके साथ हुई बातचीत को सालों तक संजोकर रखूंगा। उनके दुनिया से जाने से बहुत दुखी हूं।

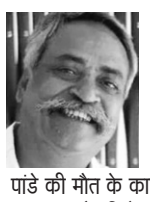

देश भर में नवंबर से शुरू होगा एसआईआर

NEW DELHI : निर्वाचन आयोग ने नवंबर से देशभर में मतदाता सूचियों की गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) की तैयारी पूरी कर ली है। एसआईआर का कार्यक्रम इस तरह से बनाया जाएगा कि अगले साल मई में चुनाव वाले राज्यों में भी यह काम पूरा हो सके। मार्च 2026 तक सभी राज्यों में नई मतदाता सूची तैयार करने की योजना है। सभी राज्यों के चुनाव अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि आधार कार्ड को 12वें दस्तावेज के रूप में स्वीकार किया जाएगा। आयोग का दावा है कि उनका पूरा ध्यान केरल, तमिलनाडु, प. बंगाल, असम और पुडुचेरी पर है, जहां मई 2026 तक चुनाव होने हैं। एसआईआर का उद्देश्य मतदाता सूचियों में दोहरे मतदाताओं को हटाना और यह सुनिश्चित करना है कि मतदाता भारतीय नागरिक है।

बिहार विधानसभा चुनाव : पीएम नरेंद्र मोदी ने चुनावी अभियान का समस्तीपुर से किया आगाज

नई रफ्तार से चलने लगेगा बिहार, जब फिर से आएगी एनडीए की सरकार : प्रधानमंत्री

PATNA @ PTI : शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिहार में अपने चुनावी अभियान का आगाज किया। अपनी पहली जनसभा समस्तीपुर में की। जनसभा से पहले जननायक कपूरी ठाकुर के गांव में जाकर प्रधानमंत्री ने उनकी मूर्ति पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने बेगूसराय में भी एक जनसभा को संबोधित किया। दोनों जनसभाओं में उन्होंने कांग्रेस और राजद पर जोरदार हमला बोला। प्रधानमंत्री ने महागठबंधन को 'महालठबंधन' करार दिया। यह भी कहा कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) पिछले सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ देगा। उन्होंने राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस को निशाने पर लेते हुए कहा कि इन दलों के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं। मोदी ने कहा, बिहार 'जंगलराज' को दूर रखेगा और सुशासन के लिए वोट देगा। नई रफ्तार से चलेगा बिहार, जब फिर आएगी राजग (एनडीए) सरकार। यह आरोप भी लगाया कि 'इंडिया' गठबंधन के दो सबसे बड़े घटक दल राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस के नेता सबसे भ्रष्ट और जमानत पर छूटे हुए लोग हैं।

पीएम ने जोर देकर कहा, नीतीश के नेतृत्व में सभी चुनावी रिकॉर्ड तोड़ेगा राजग

- मोदी ने विपक्षी महागठबंधन को बताया 'महालठबंधन', लोगों से की बचने की अपील
- कांग्रेस-राजद पर झमुमो और वीआईपी को धोखा देने का लगाया आरोप
- जमानत पर छूटे लोगों की बातों और वादों पर भरोसा नहीं करेगी यहां की जनता
- 'जंगलराज' को दूर रखकर सुशासन के लिए वोट करने का किया आह्वान

आधुनिक उपकरण उपलब्ध, 'लालटेन' की क्या जरूरत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, बिहार के लोग उन लोगों पर भरोसा नहीं कर सकते जो जमानत पर छूटे हुए लोग हैं। तेजस्वी का नाम उनके लालू प्रसाद के साथ नौकरी के लिए जमीन घोटाले में आया। मोदी ने दोनों जनसभाओं में मौजूद लोगों से अपने मोबाइल फोन की लाइट जलाने को कहा और फिर राजद पर कटाक्ष करते हुए कहा, जब सभी लोगों के पास ऐसे आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, तो लालटेन की कोई जरूरत नहीं है।

मुख्यमंत्री नीतीश के नेतृत्व की खुलकर प्रशंसा

मोदी ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व की खुलकर प्रशंसा की। कहा कि कुमार पिछले 20 वर्षों से (बीच में कुछ महीने छोड़कर) बिहार के मुख्यमंत्री हैं। नीतीश 2005 में सत्ता में आए, लेकिन उनके कार्यकाल का लगभग एक दशक, केंद्र में कांग्रेस के नेतृत्व वाली संप्रग सरकार के कारण बाधित रहा, जिसे राजद द्वारा लगातार ब्लैकमेल किया गया कि अगर बिहार में राजग सरकार को सहयोग दिया गया तो राजद समर्थन वापस ले लेगा।

सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा

नीतीश चाचा को भाजपा ने हाईजैक कर लिया : तेजस्वी

PATNA : शुक्रवार से नेता प्रतिपक्ष और 'इंडिया' गठबंधन के सीम फेस तेजस्वी यादव ने ताबड़तोड़ चुनाव प्रचार शुरू कर दिया। सबसे पहले वो सहरसा के सिमरी बख्तियारपुर में चुनावी सभा को संबोधित किया। कहा, बिहार सबसे पिछड़ा राज्य है। मेरे दिल में हमेशा ये दर्द रहता है। मेरी उम्र कच्ची है, लेकिन जुबान पक्की। मुझे सिर्फ एक मौका चाहिए। मैंने आपसे जो वादे किए हैं, सब पूरे कर दूंगा। नीतीश चाचा को तो बीजेपी ने हाईजैक कर लिया है। अमित शाह ने कह दिया है कि चुनाव के बाद विधायक लोग मिलकर फैसला लेंगे। उन्होंने कहा कि सरकार को बदलने का समय आ गया है। सभी समाज के लोगों को हमलोग साथ लेकर चलना चाहते हैं।

एक नई सरकार, नया बिहार बनाना हैं। हमारी सरकार बनी तो बिहार देश का पहला राज्य होगा, जहां हर परिवार में सरकारी नौकरी होगी। हम केवल सीएम और सरकार बनाने के लिए नहीं जुटे हैं, बल्कि नया सहरसा, नया बिहार बनाने के लिए जुटे हैं। बिहारी होने के नाते तेजस्वी के दिल में एक दर्द है, हमारा बिहार सबसे पिछड़ा है, गरीब है। यहां पलायन सबसे ज्यादा है, बेरोजगारी चरम पर है। भ्रष्टाचार-अपराध चरम पर है।

दर्दनाक : कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास हुआ हादसा, 39 लोग थे सवार

आंध्र प्रदेश में चलती बस में लगी आग, 20 जिंदा जले

AGENCY KURNOOL : आंध्र प्रदेश के कुर्नूल में चिन्नाटेकुर के पास एक प्राइवेट बस में आग लग गई। हादसे में 20 यात्री जिंदा जल गए। कुर्नूल कलेक्टर के मुताबिक घटना शुक्रवार सुबह लगभग 3:30 बजे हुई। अब तक 11 शवों की पहचान हो गई है, 9 के बारे में पता नहीं चल पाया है। बस हैदराबाद से बेंगलुरु जा रही थी। राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बाइक में टक्कर हुई। बाइक बस के नीचे घुस गई और फ्यूल टैंक से टकरा गई। इससे बस में तुरंत आग लग गई। हादसे में बाइक सवार शिवशंकर की भी मौत हो गई। बस में लगभग 39 यात्री सवार थे। इनमें 4 बच्चे और दो अज्ञात शामिल हैं। 19 ने कूदकर जान बचाई। इमरजेंसी गेट तोड़कर निकले लोग बुरी तरह झुलस गए थे, इन्हें कुर्नूल सरकारी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया।

एनएच-44 में टक्कर के बाद फ्यूल टैंक से टकराई बाइक, इससे भड़की चिंगारी

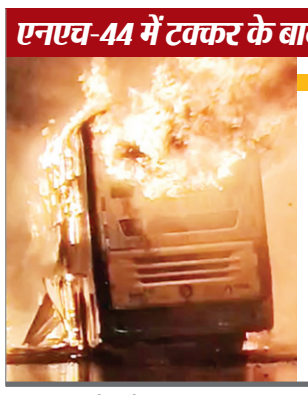

शॉर्ट सर्किट हुआ और नहीं खुला दरवाजा

कुर्नूल रेंज के डीआईजी कोया प्रवीण ने बताया कि बस में सवार 2 बच्चों समेत 21 यात्री बाल-बाल बच गए। ड्राइवर-क्लीनर की कोई जानकारी नहीं मिली है। ज्यादातर लोग 25 से 35 साल के थे। हादसे के वक्त यात्री सो रहे थे, जिससे उन्हें बचने का मौका नहीं मिला। आग लगने के बाद बस में शॉर्ट सर्किट हुआ। इससे बस का दरवाजा भी जाम हो गया। शीशे तोड़ने के लिए कोई सेफ्टी हैमर नहीं थे। पीएम मोदी ने 'एक्स' पर लिखा- कुर्नूल का हादसा दुखद है। मेरी संवेदनाएं मृतकों के परिवार के साथ है। पीएमओ ने मृतकों के परिवार के लिए ₹2 लाख और घायलों को ₹50 हजार दिए जाने का ऐलान किया है। जाएगी। तेलंगाना सरकार ने मारे गए लोगों के परिजन को 5 लाख और घायलों को 2 लाख की वित्तीय सहायता का ऐलान किया है।

तीन समन पर हाजिर नहीं हुई स्निग्धा सिंह अब वारंट लेने की तैयारी में एसीबी

- एंटी करप्शन ब्यूरो की कांड संख्या 11/2025 की नामजद आरोपी हैं स्निग्धा
- विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम है वह भूमि, जिसे लेकर दर्ज की गई है प्राथमिकी

RANCHI : आईएएस विनय चौबे के हजारीबाग डीसी रहने के दौरान वन भूमि की अवैध ढंग से खरीद-बिक्री और नियमविरुद्ध म्यूटेशन से जुड़े मामले की आरोपी स्निग्धा सिंह एंटी करप्शन ब्यूरो (एसीबी) के तीसरे समन पर भी उपस्थित नहीं हुई हैं। एसीबी ने उन्हें इस केस में पूछताछ के लिए तीन बार समन भेजा है। लेकिन, वो अभी तक एजेंसी के समक्ष एक बार भी हाजिर नहीं हुई हैं। इसके बाद अब एसीबी उनके खिलाफ वारंट लेने की तैयारी में है। छठ पूजा के बाद एसीबी कोर्ट में स्निग्धा सिंह के विरुद्ध वारंट जारी करने के लिए आवेदन दे सकती है। स्निग्धा सिंह एसीबी की कांड संख्या 11/2025 की नामजद आरोपी हैं। एसीबी के मुताबिक, जिस भूमि को लेकर प्राथमिकी दर्ज की गई है, वह विनय सिंह और उनकी पत्नी स्निग्धा सिंह के नाम है। यह भूमि हजारीबाग के सदर अंचल के थाना नंबर 252 में स्थित है, जिसका खाता नंबर 95, प्लॉट नंबर 1055, 1060 व 848 और कुल रकबा 28 डिसमिल और खाता नंबर 73, प्लॉट नंबर 812 और रकबा 72 डिसमिल है।

टेंडर घोटाले में पूर्व मंत्री के आप्त सचिव की पत्नी सहित 8 के खिलाफ ईडी ने दाखिल की चार्जशीट

PHOTON NEWS RANCHI : एनफोर्समेंट डायरेक्टरेट यानी प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ग्रामीण विकास विभाग में हुए टेंडर घोटाले में तत्कालीन ग्रामीण विकास मंत्री आलमगीर आलम के आप्त सचिव संजीव लाल की पत्नी रीता लाल सहित आठ के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की है। आरोपित अभियुक्तों में वीरेंद्र राम को घूस और महंगी गाड़ियां देने वाले ठेकेदारों के अलावा वीरेंद्र राम का हिसाब-किताब रखने और घूस की रकम वसूलने वाले ठेकेदार भी शामिल हैं। ग्रामीण विकास विभाग में टेंडर घोटाला और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में ईडी द्वारा दायर किया जाने वाला यह चौथा आरोप (अभियोजन पक्ष की शिकायत) पत्र है। इससे अब इस घोटाले में आरोपित अभियुक्तों की संख्या बढ़कर 22 हो गई है। ईडी ने पीएमएलए के विशेष न्यायाधीश की अदालत में दायर आरोपपत्र में ग्रामीण विकास में टेंडर घोटाले में कमीशन देने वाले ठेकेदारों के अलावा कमीशन की राशि से संपत्ति खरीदने वालों को भी आरोपित किया गया है। ईडी ने चौथे आरोप पत्र में ठेकेदार राजेश कुमार को आरोपित किया है। इसके अलावा उसकी कंपनी मेसर्स राजेश कुमार कंस्ट्रक्शन प्राइवेट लिमिटेड और परमानंद सिंह बिल्डर्स प्राइवेट लिमिटेड को आरोपी बनाया है। विभाग के तत्कालीन मुख्य अभियंता वीरेंद्र राम के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान कुछ महंगी गाड़ियां जब्त की गई थीं।

- ग्रामीण विकास विभाग में स्कैम और मनी लॉन्ड्रिंग के मामले में यह चौथा आरोपपत्र
- इस मामले में अब आरोपी अभियुक्तों की संख्या बढ़कर हो गई 22
- वीरेंद्र राम के ठिकानों पर छापेमारी के दौरान जब्त की गई थीं कुछ महंगी गाड़ियां

बड़ी पहल केंद्र सरकार ने मानक तय करने के लिए बनाई व्यापक रूपरेखा

दिव्यांगों से जुड़े उपकरणों की क्वालिटी से नहीं होगा समझौता

PHOTON NEWS @ RESEARCH DESK : देश में दिव्यांगों की सुविधाओं के साथ-साथ उनके लिए जरूरी उपकरणों की क्वालिटी पर केंद्र सरकार ने विशेष ध्यान दिया है। सरकार ने दिव्यांग व्यक्तियों के लिए सहायक उपकरणों के मानकों और पहुंच को विनियमित करने के लिए मसौदा नियमों के हिस्से के रूप में प्रमाणन, खरीद, ट्रैकिंग, वितरण और शिकायत निगरानी के लिए एक ऑनलाइन सहायक प्रौद्योगिकी पोर्टल स्थापित करने का प्रस्ताव दिया है। सहायक प्रौद्योगिकी नियम 2025 के प्रारूप में वर्गीकरण, प्रमाणन, खरीद, सामर्थ्य, उपयोगकर्ता सुरक्षा और मौजूदा स्वास्थ्य व सामाजिक कल्याण योजनाओं में सहायक प्रौद्योगिकी को शामिल करते हुए एक व्यापक रूपरेखा बनाई गई है। नियमों में सहायक प्रौद्योगिकी को तीन श्रेणियों में बांटा गया है। ये हैं- आवश्यक (जैसे व्हीलचेयर, चश्मा, श्रवण यंत्र), विशिष्ट (जैसे स्क्रीन रीडर, कृत्रिम अंग, कोक्लीयर प्रत्यारोपण) और उभरती हुई (जैसे एआई-सक्षम उपकरण, रोबोटिक्स, मस्तिष्क-कंप्यूटर इंटरफेस सिस्टम)। सभी सहायक उत्पादों को उपयोग के लिए उपलब्ध कराए जाने से पहले भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) या किसी अन्य अधिसूचित प्राधिकरण द्वारा निर्धारित मानकों के अनुरूप होना आवश्यक होगा।

प्रमाणन, खरीद, ट्रैकिंग, वितरण व शिकायत निगरानी के लिए बनेगा ऑनलाइन पोर्टल

स्वास्थ्य व सामाजिक कल्याण योजनाओं में सहायक प्रौद्योगिकी को किया जाएगा शामिल

- उत्पादों का उपयोग के लिए उपलब्ध कराने से पहले मानकों पर खरा उतरना जरूरी
- केंद्र की ओर से नामित सक्षम प्राधिकारी ही कर सकते हैं उपकरण श्रेणियों का प्रमाणन

सहायक उपकरणों के तत्काल प्रतिस्थापन के लिए किए गए विशेष प्रावधान

- निर्माण, आयात, भंडारण और वितरण को अन्य लागू कानूनों का करना होगा पालन
- पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से ही की जाएगी उपकरणों की सरकारी खरीद

चिकित्सा आपूर्ति श्रृंखला के साथ जुड़ाव

प्रमाणन केंद्र द्वारा नामित सक्षम प्राधिकारियों द्वारा किया जाएगा और उपकरण श्रेणियों के आधार पर चरणबद्ध कार्यान्वयन किया जाएगा। निर्माण, आयात, भंडारण और वितरण को अन्य लागू कानूनों का भी पालन करना होगा। मसौदे में स्पष्ट किया गया है कि ऐसे उपकरणों की सरकारी खरीद पारदर्शी निविदा प्रक्रिया के माध्यम से की जाएगी, तथा केवल प्रमाणित निमार्ताओं से ही खरीद की जाएगी। दिशा-निर्देशों में कहा गया है कि आवश्यक उपकरणों के लिए नुस्खे, अनुकूलन या फिटिंग की आवश्यकता हो सकती है।

BRIEF NEWS

झरिया में हिंसक झड़प, पुलिस ने किया लाठीचार्ज

DHANBAD : झरिया स्थित भौंरा ओपी क्षेत्र के परसियाबाद मोड़ पर गुरुवार की देर रात उस समय जबरदस्त हंगामा हो गया जब एक डंपर मालिक और जेएलकेएम नेता के बीच मामूली विवाद ने हिंसक रूप ले लिया। यह विवाद पूर्व वार्ड पार्षद एवं डंपर मालिक शिव कुमार यादव और जेएलकेएम के झरिया प्रखंड अध्यक्ष कार्तिक महतो के समर्थकों के बीच हुआ। हिंसक झड़प के बाद स्थिति इतनी बेकाबू हो गई कि करीब तीन घंटे तक भौंरा मुख्य सड़क जाम रही, जिसके चलते पुलिस को अंततः लाठीचार्ज का सहारा लेना पड़ा। कार्तिक महतो ने आरोप लगाया कि भौंरा क्षेत्र में डंपरों के कारण लगातार प्रदूषण और सड़क पर कीचड़ की समस्या बनी रहती है। गुरुवार को सड़क पर पानी का छिड़काव होने के बाद एक डंपर के तेज गति से गुजरने पर कीचड़ उछलकर राहगीरों पर गिर गया। इस पर कार्तिक महतो ने डंपर चालक को वाहन रोकने को कहा। महतो के अनुसार, चालक ने इसकी सूचना डंपर मालिक शिव कुमार यादव को दी। कुछ देर बाद शिव कुमार यादव अपने सहयोगियों के साथ लाठी-डंडे लेकर पहुंचे और अचानक उन पर हमला कर दिया। इस हमले में कार्तिक महतो का दायां हाथ टूट गया। मारपीट की घटना के बाद मौके पर पहुंची भीड़ के बीच तनाव और बढ़ गया। भीड़ के आक्रोश के बीच एक जेएलकेएम नेता के समर्थक, डिस्को महतो ने आत्मदाह करने का प्रयास किया, लेकिन मौके पर मौजूद पुलिसकर्मियों की तत्परता से एक बड़ा हादसा टल गया। हालांकि, इस घटना से लोगों का गुस्सा और भड़क गया और उन्होंने तुरंत भौंरा मुख्य सड़क को जाम कर दिया। इस जाम के कारण करीब तीन घंटे तक कोयला ट्रांसपोर्टिंग पूरी तरह से ठप रही। घटना को गंभीरता से लेते हुए सिंदरी अनुमंडल के कई थानों की पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित करने का प्रयास किया। जब भीड़ नियंत्रित नहीं हुई, तो पुलिस को भीड़ को तितर-बितर करने के लिए हल्का बल प्रयोग (लाठीचार्ज) भी करना पड़ा। इस लाठीचार्ज में कुछ महिलाओं को भी चोटें आई हैं।

सांसद खेल महोत्सव को लेकर सांसद ने की बैठक

PALAMU : सांसद विष्णु दयाल राम ने सांसद खेल महोत्सव को लेकर शांतिपूरी स्थित आवास पर भाजपा के जिले के वरिष्ठ पदाधिकारी, मंडल अध्यक्ष और सांसद प्रतिनिधियों के साथ शुक्रवार को बैठक की। बैठक का मुख्य उद्देश्य महोत्सव को जन-जन तक पहुंचाना और खिलाड़ियों की अधिकतम भागीदारी सुनिश्चित करना था। बैठक में सांसद ने कहा कि सांसद खेल महोत्सव युवाओं को मंच देने और खेल संस्कृति को बढ़ावा देने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है। उन्होंने आयोजन को और बेहतर बनाने के लिए सभी के बहुमूल्य मंतव्यों को भी गंभीरता से सुना और सभी कार्यकताओं से इस आयोजन को सफल बनाने में अपनी पूरी ऊर्जा लगाने की अपील की। उल्लेखनीय है कि उक्त खेल महोत्सव में विभिन्न खेलों हाफ मैराथन, फुटबॉल, कराटे गतका, बैडमिंटन, कबड्डी, वालीबॉल, खो-खो का आयोजन किया जाना है। इसका शुभारंभ दो नवंबर को शिवाजी मैदान से पुलिस स्टेडियम तक हाफ मैराथन के साथ किया जाना है। महोत्सव का समापन 21 दिसंबर को होगा। सांसद ने बताया कि प्रत्येक खेलों के लिये राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर के खिलाडियों को एंबेसडर बनाया जा रहा है।

ओझा-गुनी के शक में भतीजों ने किया जानलेवा हमला, अस्पताल में इलाजरत

पलामू जिले के तरहसी थाना क्षेत्र स्थित छतरपुर में हुई घटना, पत्नी ने मचाया शोर

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के तरहसी थाना क्षेत्र स्थित छतरपुर में अंधविश्वास और पुरानी रंजिश के चलते एक हृदय विदारक घटना सामने आई है। यहां गोतिया के ही तीन लोगों ने एक वृद्ध व्यक्ति को ओझा-गुनी बताकर गड़ासे से जानलेवा हमला कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए। घायल वृद्ध को बेहतर इलाज के लिए शुक्रवार को मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज अस्पताल (एमएमसीएच) में भर्ती कराया गया है।

अस्पताल में इलाजरत घायल ● फोटोन न्यूज

घायल वृद्ध की पहचान चंद्रदीप भुइयां के रूप में हुई है। इस संबंध में एमएमसीएच चौकी पुलिस ने उसका बयान लेकर तरहसी पुलिस को जानकारी दी है। चंद्रदीप भुइयां की पत्नी अनार देवी ने पुलिस को बताया कि गुरुवार देर रात वह और उसके पति चंद्रदीप भुइयां कमरे में सोए थे। उसी दौरान उन्होंने तेज आवाज सुनी। जब वह जागीं, तो देखा कि अंता भुइयां, जयराम भुइयां और श्रीराम भुइयां उनके पति पर गड़ासे से वार कर रहे हैं। अनार देवी के चीखने-चिल्लाने और बीच-बचाव करने पर उनके पति की जान बच पाई। उन्होंने बताया कि अगर वह थोड़ा भी लेट हो जातीं, तो उनके पति की गर्दन काट दी जाती।

अनार देवी ने बताया कि अंता, जयराम और श्रीराम भुइयां उनके भतीजे लगते हैं और वे गोतिया हैं। आरोप लगाया कि उसके भाई चनेश्वरी भुइयां और उसके परिवार के लोग चंद्रदीप भुइयां को ओझा-गुनी (जादू-टोना करने वाला) मानते हैं। इस अंधविश्वास के कारण पहले भी विवाद हो चुका है और पूर्व में उनकी बहू छवि देवी की पिटाई भी की गई थी।

वृद्ध की पत्नी ने यह भी बताया कि घर पर उस समय केवल वह और उनकी बहू थीं, जो अपने कमरे में थी। हमलावरों ने इसी स्थिति का फायदा उठाकर पुरानी रंजिश के कारण उनके पति की हत्या करने की कोशिश की। महिला ने यह भी स्पष्ट किया कि गोतिया से उनका जमीन विवाद भी चला आ रहा है, लेकिन मुख्य कारण उनके पति को ओझा-गुनी बताकर जान लेने की कोशिश करना ही था। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत

CHAIBASA : पश्चिमी सिंहभूम जिले के सोनुवा थाना अंतर्गत सोनापोस गांव में शुक्रवार की सुबह एक विवाहिता की संदिग्ध परिस्थिति में मौत हो गई। इसके बाद सोनुवा थाना की पुलिस ने शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया। ससुराल वालों के मुताबिक, मृतक रंजीता मुंडा सुबह गांव के चापाकल से घर में पानी लाने के बाद घरेलू कार्य कर रही थी। इस बीच रंजीता मुंडा ने फंदे में फांसी लगा कर आत्महत्या कर ली। वहीं, रंजीता की मौत की खबर पाकर मृतक के जोड़पोखर गांव में रहने वाले मायके वालो ने रंजीत की मौत को ससुराल के लोगों द्वारा हत्या करने का आरोप लगा रहे हैं। वहीं, पुलिस दोनो पक्षों से पूछताछ कर जांच में जुट गई है। जानकारी के अनुसार, जोड़ापोखर गांव की रंजीता मुंडा पिता – लोकनाथ मुंडा व सोनापोस गांव के राजू प्रधान पिता – जगन्नाथ प्रधान से प्रेम विवाह किया था। रंजीत के परिजनों के मुताबिक, रंजीता के प्रेम विवाह के बाद ससुराल वालों द्वारा प्रताड़ित किया जाता था।

धनबाद रेलवे स्टेशन पर ट्रेन में बेहोश मिला युवक यात्रियों की सूझबूझ से बची जान, अस्पताल में भर्ती

गया से सवार हुआ था युवक, शरीर में हरकत नहीं देख यात्रियों ने पुलिस को बताया

PHOTON NEWS DHANBAD : धनबाद रेलवे स्टेशन पर शुक्रवार को यात्रियों की सतर्कता और सूझबूझ से एक गंभीर मामला सामने आया, जिसने स्टेशन परिसर में सनसनी फैला दी। आसनसोल जा रही ईएमयू ट्रेन की एक बोगी में एक युवक कई घंटों से बेहोशी की हालत में पड़ा मिला। सहयात्रियों की त्वरित सूचना पर रेल पुलिस ने युवक को ट्रेन से उतारकर तुरंत इलाज के लिए अस्पताल भेज दिया, जिससे उसकी जान बच सकी। अब तक युवक की पहचान नहीं हो सकी है। उसके पास से न तो किसी प्रकार का पहचान पत्र मिला है और न ही कोई मोबाइल फोन, जिससे उसकी शिनाख्त करना मुश्किल हो रहा है। आरपीएफ और जीआरपी अधिकारियों ने बताया कि युवक के होश में आने के बाद ही इस पूरे मामले और उसकी वास्तविक स्थिति के बारे में जानकारी मिल सकेगी। रेल पुलिस के अनुसार, यह युवक गया स्टेशन से ही ट्रेन में सवार हुआ था, लेकिन सफर के दौरान वह अपनी सीट पर बेसुध पड़ा रहा। शुरूआत में सहयात्रियों ने समझा कि वह गहरी नींद में है। हालांकि, कई घंटों तक उसकी ओर से कोई हरकत नहीं होने पर यात्रियों को शक हुआ। यात्रियों ने उसे आवाज देकर जगाने की कोशिश की और यहां तक कि उसके चेहरे पर पानी के छींटे भी मारे, लेकिन युवक की ओर से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिली। जब युवक बेसुध ही पड़ा रहा, तो ट्रेन सवार यात्रियों ने तुरंत रेलवे हेल्पलाइन नंबर 139 पर फोन कर घटना की सूचना दी।

ट्रेन से बेहोश युवक को उतारते आरपीएफ के जवान ● फोटोन न्यूज

रेल पुलिस ने शुरू की त्वरित कार्रवाई, जांच शुरू : सूचना मिलते ही धनबाद स्टेशन पर आरपीएफ और जीआरपी की टीम पूरी तरह सतर्क हो गई। ट्रेन के प्लेटफॉर्म पर पहुंचते ही रेल पुलिस की टीम ने बिना देर किए युवक को सावधानीपूर्वक ट्रेन से उतारा और तुरंत इलाज के लिए रेलवे अस्पताल भेज दिया। रेल पुलिस ने बताया कि मामले की जानकारी मिलते ही जांच शुरू कर दी गई है।

डीसी-एसपी ने लिया चाईबासा व चक्रधरपुर के छठ घाटों का जायजा

नदी घाट का निरीक्षण करते डीसी चंदन कुमार व एसपी अमित रेणु

CHAIBASA : छठ महापर्व 27 व 28 अक्टूबर को मनाया जाएगा। इसे लेकर उपायुक्त चंदन कुमार व पुलिस अधीक्षक अमित रेणु ने चाईबासा व चक्रधरपुर शहर के छठ घाटों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने करणी मंदिर घाट, गांधी टोला घाट, कुम्हारटोली घाट, थाना घाट एवं सीढ़ी घाट का जायजा लेकर की जा रही व्यवस्थाओं का अवलोकन किया। उन्होंने साफ-सफाई, व्रतियों के लिए बन रहे चेंजिंग रूम, सभी घाटों व मार्गों में रोशनी की व्यवस्था सहित श्रद्धालुओं के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं को देखा। उपायुक्त ने बताया कि संबंधित पदाधिकारियों को साफ-सफाई के अलावा श्रद्धालुओं की सुविधा से जुड़ी सभी व्यवस्था को दुरुस्त रखने का निर्देश दिया गया है। सभी घाटों पर पानी की गहराई के अनुसार सुरक्षित स्थान तक बैरिकेडिंग करने, सभी घाटों और मार्गों में पर्याप्त रोशनी की व्यवस्था कराने के लिए उचित दिशा निर्देश दिया गया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि छठ पर्व के दौरान घाटों पर सुरक्षा व्यवस्था को सुनिश्चित कराने के लिए प्रशासन सक्रिय है, ताकि सभी जिलेवासी हर्षोल्लास व रीति रिवाज के साथ लोक आस्था के पर्व को मना सकें।

ऑपरेशन के दौरान कटी महिला की आंत, मौत

हुसैनाबाद में हंगामा, हॉस्पिटल पर फूटा परिजनों का गुस्सा, टायर जलाकर किया प्रदर्शन

PHOTON NEWS PALAMU : पलामू जिले के हुसैनाबाद स्थित एक निजी अस्पताल में कथित तौर पर हुई घोर लापरवाही ने एक महिला की जान ले ली है। परिजनों का आरोप है कि आर्यन हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान 50 वर्षीय महिला की आंत कट गई, जिससे उसकी स्थिति गंभीर हो गई और अंततः रांची में इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। इस घटना से आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों ने शुक्रवार को सुबह 7 बजे से ही जपला-छतरपुर मार्ग को जाम कर विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया। सिद्धनाथ पेट्रोल पंप के पास सड़क पर गाड़ियों को टेढ़ा लगाकर और टायर जलाकर प्रदर्शन किया गया। इससे दोनों तरफ वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। प्रदर्शनकारी अस्पताल प्रबंधन और प्रशासन से मुआवजे की मांग पर अड़े थे।

टायर जलाकर सड़क जाम करते लोग ● फोटोन न्यूज

मृतका की पहचान कलावती देवी के रूप में हुई है, जो बिहार के रोहतास जिले के इंद्रपुरी के जयनगरा की निवासी थी। उसके पति का नाम रामचंद्र बैठा है। कलावती देवी का ऑपरेशन 14 अक्टूबर को हुसैनाबाद के आर्यन हॉस्पिटल में हुआ था। परिजनों ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन के बाद कलावती देवी की स्थिति लगातार बिगड़ती गई, जिसके बाद उसे आनन-फानन में रांची के एक निजी अस्पताल में रेफर कर दिया गया। परिजनों ने कहस कि महिला के इलाज में काफी पैसा खर्च किया, लेकिन कई दिनों तक जिंदगी और मौत से लड़ने के बाद उनकी मृत्यु हो गई। परिजनों का आरोप है कि यह मौत हॉस्पिटल में ऑपरेशन के दौरान आंत कटने के कारण हुई है, जो सीधे तौर पर चिकित्सकीय लापरवाही का मामला है। घटना की सूचना मिलने के बाद हुसैनाबाद थाना पुलिस मौके पर पहुंची और प्रदर्शनकारियों को शांत कराकर जाम हटाने का प्रयास कर रही थी। इस संबंध में, सामाजिक कार्यकर्ता विक्रम कुमार अंजन ने प्रशासन से संवैधानिक तरीके से मुआवजे की मांग की है। उन्होंने बताया कि मृतका कलावती देवी अपने परिवार की एकमात्र कमाने वाली सदस्य थी। उसके पति रामचंद्र बैठा लकवाग्रस्त होने के कारण चलने-फिरने में असमर्थ हैं। कलावती देवी की दो बेटियां हैं, जो शादी योग्य हैं। विक्रम कुमार अंजन ने तर्क दिया कि यदि प्रशासन और अस्पताल प्रबंधन मुआवजा देता है, तो ही परिवार अपनी बेटियों की शादी और अन्य आवश्यक कार्यों को पूरा कर पाएगा। फिलहाल, पुलिस प्रशासन और स्थानीय नेताओं की मदद से जाम खुलवाने और प्रदर्शनकारियों को समझाने-बुझाने का प्रयास किया गया।

अवैध संबंध के संदेह में भतीजे ने कर दी चाचा की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

KHUNTI : अड़की थाना क्षेत्र के साके गांव में शुक्रवार को एतवा सोय (18) ने अपने चाचा सामू सोय (25) की ईंट से सिर कुचकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपित युवक को कुछ ही घंटों में गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपित एतवा सोय को शक था कि चाचा सामू सोय का उसकी मां के साथ अनैतिक संबंध था। आक्रोश में आकर उसने अपने चाचा की हत्या कर डाली। घटना की सूचना मिलते ही अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी के निर्देशन में पुलिस उपनिरीक्षक कुंदन कुमार सशस्त्र बल के साथ मौके पर पहुंचे और आरोपित भतीजा एतवा सोय को गांव से ही गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने मौके से घटना में प्रयुक्त ईंट, आरोपित का खून से सनी टी-शर्ट तथा खून लगी मिट्टी का नमूना बरामद किया।

हजारीबाग में भारी मात्रा में देसी शराब जब्त, ड्रोन से निगरानी

AGENCY HAZARIBAG : बिहार विधानसभा चुनाव को देखते हुए जिला प्रशासन ने अवैध गतिविधियों पर रोक लगाने के लिए लगातार सख्त कदम उठा रही है। उपायुक्त शशि प्रकाश सिंह के निर्देश पर निर्वाचन आचार संहिता के पालन के लिए उत्पाद विभाग ने सघन छापेमारी अभियान चलाया। इस कार्रवाई के तहत सहायक आयुक्त, उत्पाद विभाग के नेतृत्व में चोरदाहा चेक पोस्ट पर तैनात उत्पाद कर्मियों ने बिहार मद्य निषेध विभाग, गया (बिहार) के सहयोग से चौपारण थाना क्षेत्र के बुकाड जंगल और नदी किनारे सीमावर्ती इलाकों में संयुक्त छापेमारी अभियान चलाया। अभियान के दौरान ड्रोन कैमरे की सहायता से सघन जंगल में सक्रिय जलती भट्टियों की पहचान कर उन्हें नष्ट किया गया। छापेमारी दल ने मौके से 5000 किलोग्राम किन्वित जावा महुआ, शराब बनाने की सामग्री, तथा लगभग 400 लीटर तैयार महुआ चुलाई शराब जब्त किया गया। विभाग के अधिकारी ने बताया कि अवैध शराब निर्माण में संलिप्त व्यक्तियों की पहचान की जा रही है और उनके खिलाफ संबंधित धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज करने की प्रक्रिया जारी है। छापेमारी दल में अवर निरीक्षक उत्पाद सुमितेश कुमार, सहायक अवर निरीक्षक सैयद बशीरुद्दीन, एंटोनी बागे, बिहार मद्य निषेध विभाग गया के सहायक अवर निरीक्षक अभय कुमार, तकनीकी टीम, उत्पाद आरक्षी अनूप कुमार सिंह और सशस्त्र गृह रक्षक बल के जवान शामिल थे। जिला प्रशासन की ओर से बताया गया कि निर्वाचन के दौरान सीमावर्ती क्षेत्रों में अवैध मद्य निर्माण, परिवहन और भंडारण पर विशेष निगरानी रखी जा रही है ताकि किसी भी प्रकार की अवैध गतिविधि को चुनाव प्रक्रिया को प्रभावित करने से रोका जा सके।

शराब भट्ठी में रखा ड्रोन

धर्म-कर्म किन्नर धर्म सम्मेलन में महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने दिया समानता पर जोर

शहर में पहली बार हुआ किन्नरों का जुटान, निकाली गई शोभायात्रा

PHOTON NEWS JSR : शहर में शुक्रवार को एक ऐतिहासिक क्षण दर्ज हुआ जब पहली बार किन्नर अखाड़ा के तत्वावधान में भव्य धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया। यह आयोजन बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन सभागार में हुआ, जहां देशभर से किन्नर समाज के प्रतिनिधियों, प्रबुद्धजनों और श्रद्धालुओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। कार्यक्रम की मुख्य अतिथि किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर डॉ लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी थीं, जिनके आगमन पर सभागार जयघोष से गूंज उठा। कार्यक्रम से पहले महामंडलेश्वर डॉ त्रिपाठी ने बिष्टुपुर स्थित मंदिर में पूजा-अर्चना कर देश और राज्य में सुख-शांति की कामना की। इसके बाद भव्य शोभायात्रा निकाली गई, जो बिष्टुपुर मेन रोड, गोलमुरी, साकची और अन्य प्रमुख मार्गों से गुजरती हुई सभागार तक पहुंची।

बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन ऑडिटोरियम में किन्नर अखाड़ा की महामंडलेश्वर डॉ. लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी

झारखंड में बने अर्धनारीश्वर मंदिर व किन्नर आश्रम : महामंडलेश्वर आचार्य

JAMSHEDPUR : बिष्टुपुर स्थित माइकल जॉन आडिटोरियम में शुक्रवार किन्नरों द्वारा धर्म सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसकी शुरूआत बिष्टुपुर स्थित राम मंदिर में पूजा अर्चना कर शोभायात्रा निकाली गई, जिसमें शिव-पार्वती की झांकी के साथ महामंडलेश्वर आचार्य डॉ. लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी भी विराजमान थीं। शोभायात्रा का समापन माइकल जॉन ऑडिटोरियम में हुआ। धर्म सम्मेलन की अध्यक्षता महामंडलेश्वर अमरजीत नंदगिरी द्वारा की गई, झारखंड प्रदेश के विभिन्न जिलों व समाज के विभिन्न आयामों से लोग आए। अपने संबोधन में महामंडलेश्वर ने कहा कि अगले वार आऊंगी तो मुझे झारखंड में अर्धनारीश्वर भगवान का एक मंदिर होना चाहिए, जिसे हम सबको मिलकर निर्माण करना है। किन्नर समाज के लिए एक आश्रम बनना चाहिए, जहां किन्नरों को एक सम्मानित वातावरण वाला स्थान मिल सके। उन्होंने कहा कि प्रभु श्रीराम ने भी रामायण काल में तृतीय लिंग समुदाय को वरदान दिया था कि उनकी पूजा विशेष होगी, मगर वर्तमान स्थिति में किन्नरों को हीन भावना से देखा जाता है। उन्हें तरह-तरह की यातनाएं सहनी पड़ती हैं। वहीं जमशेदपुर की महामंडलेश्वर अमरजीत जैसी किन्नर भी हैं, जो टाटा स्टील में काम के साथ सनातन धर्म का प्रचार-प्रसार भी दिल लगाकर कर रही हैं। उन्होंने बताया कि कैसे छठ पूजा किन्नरों के लिए खास है।

शोभायात्रा में पारंपरिक संगीत, झांकी और ध्वज यात्रा के साथ किन्नर समाज के सदस्य आकर्षण का केंद्र बने रहे। सभा को संबोधित करते हुए महामंडलेश्वर डॉ लक्ष्मीनारायण त्रिपाठी ने कहा कि इस धर्म सम्मेलन का उद्देश्य समाज में लिंग आधारित भेदभाव को समाप्त करना और सनातन धर्म के मूल भाव प्रेम, समानता और आध्यात्मिकता को लोगों तक पहुंचाना है। उन्होंने कहा कि सनातन संस्कृति की आत्मा उसकी समरसता और विविधता में निहित है। यह धर्म किसी भेदभाव को नहीं, बल्कि हर व्यक्ति को सम्मान देने का संदेश देता है। महामंडलेश्वर ने कहा कि आज आवश्यकता है कि समाज किन्नर समुदाय को केवल एक वर्ग के रूप में नहीं, बल्कि मानवता के अंग के रूप में स्वीकार करे।

कार्यक्रम का संचालन रितिका श्रीवास्तव व मंच संचालन केके ओझा ने किया। वृद्धि श्रेया एवं रुचिका ने गणेश वंदना एवं आचार्य सूरज ओझा द्वारा दीप प्रज्वलन एवं मंत्र उच्चारण के साथ कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। रामायण काल में श्रीराम से किन्नरों को प्राप्त आशीर्वाद पराक्रम एवं भागवतगीता परआधारित किन्नर समाज से संबंधित पराक्रम को गीता थिएटर के युवा कलाकारों द्वारा नाट्य रूपांतरण कर प्रस्तुत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन महामंडलेश्वर अमरजीत नंदगिरी ने किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से जंबो अखाड़ा समिति के अध्यक्ष बंटी सिंह, समाजसेवी विक्की सिंह, शिवशंकर सिंह, अविनाश सिंह राजा, अर्पित पांडे, निरंजन श्रीवास्तव, सुष्मिता सरकार, प्रेम दीक्षित, गीता दीक्षित, हिमांशी प्रधान, विवेक सिंह, संजय चौरसिया, विराट,आनंदी सिंह , एवं किन्नर समाज की गुरु मीरा नायक, गुरु रेखा नायक, गुरु निशा नायक एवं किन्नर समाज एवं विभिन्न संगठनों के पदाधिकारी- सदस्य उपस्थित थे।

वज्रपात पीड़िता ने डीसी से मांगी आर्थिक मदद

LATEHAR : उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में शुक्रवार को उपायुक्त कार्यालय कक्ष में साप्ताहिक जन शिकायत निवारण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें जिले के शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों से आए लोगों ने अपनी अपनी समस्याओं को उपायुक्त के समक्ष रखा। ग्राम मनचोटांग, पंचायत धनकारा की निवासी सीता देवी ने उपायुक्त के समक्ष अपनी व्यथा व्यक्त करते हुए आर्थिक सहायता की मांग की। आवेदिका ने अपने आवेदन में उल्लेख किया कि 20 सितंबर को वज्रपात की चपेट में आने से वह गंभीर रूप से घायल हो गई थीं। सदर अस्पताल में इलाज के बाद भी अब वे पूर्ण रूप से कार्य करने में असमर्थ हैं। उन्होंने बताया कि उनका परिवार पूरी तरह से उन पर ही आश्रित है तथा वे अत्यंत गरीब परिवार से आती हैं। आवेदिका ने उपायुक्त से निवेदन किया कि उनकी आर्थिक

स्थिति को देखते हुए उन्हें आवश्यक आर्थिक सहायता प्रदान की जाए, ताकि वह अपने परिवार का भरण-पोषण कर सके। आवेदन को संज्ञान में लेते हुए उपायुक्त ने संबंधित पदाधिकारी को अग्रसारित कर आवश्यक कार्रवाई का निर्देश दिया। ज्यादातर मामले अवैध रूप से निकासी, अतिक्रमण मुक्त कराने, जमीन अधिग्रहण, रोजगार आदि के आए। सभी समस्या सुनने के पश्चात उपायुक्त ने संबंधित विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का भौतिक सत्यापन करते हुए, समस्याओं का समाधान जल्द से जल्द करें।

महापर्व छठ आज से, रांची सहित सभी जिलों में सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम

PHOTON NEWS RANCHI : आस्था और सूयोर्पासना का चार दिवसीय महापर्व छठ शनिवार से शुरू हो रहा है। इसे पूरे झारखंड में तैयारियां जोरों पर हैं। राजधानी रांची से लेकर हजारीबाग, जमशेदपुर, धनबाद, बोकारो और देवघर तक श्रद्धालु घाटों की सफाई और सजावट में जुटे हुए हैं। अधिकतर जगहों पर घाट लगभग तैयार किया जा चुके हैं। इस बीच, संभावित हादसों और भीड़-भाड़ की स्थिति को देखते हुए राष्ट्रीय आपदा प्रतिक्रिया बल (एनडीआरएफ) और राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने विशेष सतर्कता बरतनी शुरू कर दी है। हम जानते हैं कि लाखों की संख्या में श्रद्धालु नदियों, तालाबों और जलाशयों के किनारे सूर्यदेव को अर्घ्य देने के लिए जुटेंगे। इसी को ध्यान में रखते हुए राज्य प्रशासन ने सुरक्षा, सफाई और आपदा प्रबंधन के लिए व्यापक योजना तैयार की है। एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट विनय कुमार ने बताया कि राज्यभर में सुरक्षा को लेकर सभी जरूरी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। छठ पर्व के दौरान किसी भी आकस्मिक घटना से निपटने के लिए एनडीआरएफ की विशेष टीमें रांची, हजारीबाग और जमशेदपुर समेत प्रमुख जिलों में तैनात की जा रही हैं। टीमों को जलस्तर की निगरानी, डूबने की स्थिति में त्वरित रेस्क्यू और भीड़ नियंत्रण जैसे विशेष कार्यों की जिम्मेदारी दी गई है।

घाटों की सफाई में जुटे श्रद्धालु, अधिकतर जगह तैयार किए जा चुके हैं घाट, स्थिति को देखते हुए एनडीआरएफ की टीमें अलर्ट

राज्य आपदा प्रबंधन विभाग की ओर से भी हर स्तर पर बरती जा रही विशेष सतर्कता, रेस्क्यू उपकरणों की भी हो चुकी जांच

समन्वय बनाकर हो रहे काम

विनय कुमार ने कहा कि हमारी सभी यूनिट्स अलर्ट मोड में हैं। मॉक ड्रिल पूरी कर ली गई है, रेस्क्यू उपकरणों की जांच हो चुकी है और हर टीम को जिम्मेदारी सौंप दी गई है। उन्होंने बताया कि एनडीआरएफ की ओर से जिला प्रशासन, नगर निगम, और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर काम किया जा रहा है। सभी जिलों को आवश्यक उपकरण जैसे लाइफ जैकेट, रस्सी, बोट, फ्लोटर और मेडिकल किट उपलब्ध कराए जा चुके हैं। राज्य आपदा प्रबंधन विभाग ने भी सभी जिलों को हाई अलर्ट पर रहने के निर्देश जारी किए हैं।

रांची के छठ घाटों पर विशेष इंतजाम

राजधानी रांची में हरमू, कांके डैम, हटिया, धुर्वा, रांची लेक और कांड्रा रोड जैसे प्रमुख छठ घाटों पर सुरक्षा और सफाई का कार्य लगभग पूरा कर लिया गया है। जिला प्रशासन ने घाटों की गहराई चिन्हित करते हुए सीमांकन कर दिया है, ताकि श्रद्धालु गलती से गहरे पानी में न जाएं। जलाशयों की सफाई, बैरिकेडिंग, लाइटिंग और पेयजल की व्यवस्था की गई है। नगर निगम की ओर से घाटों पर अतिरिक्त सफाईकर्मी तैनात किए गए हैं। एनडीआरएफ की टीम ने स्थानीय गोताखोरों और वॉलेंटियर ग्रुप्स के साथ मिलकर संयुक्त रिहर्सल की है। इसके तहत हर घाट पर रेस्क्यू ऑपरेशन का अभ्यास किया गया ताकि किसी आपात स्थिति में त्वरित कार्रवाई की जा सके।

महिला श्रद्धालुओं की सुविधा पर खास जोर

इस बार महिला श्रद्धालुओं की सुविधा को लेकर विशेष प्रबंध किए गए हैं। कई घाटों पर महिला चेंजिंग रूम बनाए जा रहे हैं। वहीं, महिला पुलिस बल और एनडीआरएफ की महिला कर्मियों की तैनाती भी की जा रही है। स्वास्थ्य विभाग की ओर से घाटों पर महिला चिकित्सा टीम भी मौजूद रहेगी ताकि किसी असुविधा की स्थिति में तुरंत सहायता मिल सके। रांची के उपयुक्त मंजूनाथ भजंत्री ने बताया कि जिला प्रशासन लगातार घाटों का निरीक्षण कर रहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम, विद्युत विभाग और स्वास्थ्य विभाग के साथ समन्वय बनाकर तैयारियां की जा रही हैं। घाटों पर रोशनी के लिए अस्थायी लाइटें लगाई गई हैं। पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है और भीड़ नियंत्रण के लिए मजिस्ट्रेट रैंक के अधिकारियों को तैनात किया गया है। प्रशासन ने यह भी सुनिश्चित किया है कि जलाशयों में पानी का स्तर सुरक्षित रहे। कांके डैम और धुर्वा डैम में पानी का फ्लो नियंत्रित रखने का निर्देश जल संसाधन विभाग को दिया गया है। एनडीआरएफ के अधिकारी विनय कुमार ने बताया कि छठ सिर्फ एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि अनुशासन और श्रद्धा का प्रतीक है। हमारा प्रयास रहेगा कि कोई भी श्रद्धालु किसी परेशानी में न पड़े।

प्रदेश में उत्साह और श्रद्धा का माहौल

राज्य में छठ पूजा को लेकर लोगों में जबरदस्त उत्साह देखा जा रहा है। बाजारों में पूजन सामग्री, सूप-दउरा और फल-सब्जियों की खरीदारी जोरों पर है। शहर के घाटों को रोशनी और फूलों से सजाने का काम जारी है। प्रशासन का दावा है कि इस बार का छठ पर्व पहले की तुलना में अधिक सुव्यवस्थित और सुरक्षित होगा। झारखंड के मुख्यमंत्री ने भी सभी जिलों के प्रशासन को निर्देश दिया है कि श्रद्धालुओं की सुरक्षा में कोई चूक न हो। उन्होंने कहा कि छठ आस्था और अनुशासन का पर्व है। राज्य सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि हर श्रद्धालु बिना किसी डर के भगवान सूर्य की आराधना कर सके। छठ महापर्व के अवसर पर एनडीआरएफ, राज्य आपदा प्रबंधन विभाग, नगर निगम और पुलिस प्रशासन की संयुक्त मुस्तैदी से उम्मीद है कि यह पर्व शांतिपूर्ण और सुरक्षित माहौल में संपन्न होगा। राजधानी रांची सहित पूरे राज्य में घाटों पर तैयारियां अंतिम चरण में हैं और श्रद्धालु उल्लास, श्रद्धा और विश्वास के साथ महापर्व का इंतजार कर रहे हैं।

BRIEF NEWS

556वें प्रकाश पर्व पर रांची में प्रभातफेरी

RANCHI : शुक्रवार को सिख पंथ के प्रथम गुरु श्री गुरु नानक देव जी महाराज के 556वें प्रकाश पर्व के उपलक्ष्य में गुरुद्वारा श्री गुरु नानक सत्संग सभा, कृष्णा नगर कॉलोनी, रांची में प्रभातफेरियों की शुरुआत हुई। सिख धर्मावलंबी प्रातः 5.30 बजे जो बोले सो निहाल, सत श्री अकाल का उद्घोष करते हुए गुरुद्वारा पहुंचे। दर्शन दिऊड़ी गेट से निकली प्रभात फेरी विभिन्न गलियों से होती हुई गुरुद्वारा के पार्किंग गेट पर समाप्त हुई। इस दौरान कीर्तन मंडली के सुंदर दास मिढा, जसपाल मुंजाल, इंदर मिढा, रमेश पपनेजा, गीता कटारिया, रेशमा गिरधर सहित अन्य ने सुख निदान प्रीतम प्रभ मेरे..., दीन दरद निवार ठाकुर... और नाम अधार जीवन धन नानक...जैसे शबद गायन कर वातावरण को नानकमय बना दिया।

श्री गुरुनानक देव महाराज का प्रकाशोत्सव पांच को

RANCHI : कार्तिक पूर्णिमा के दिन पांच नवंबर को खालसा पंथ के प्रणेता श्री गुरुनानक देव महाराज का प्रकाशोत्सव मनाया जाएगा। श्री गुरु सिंह सभा रांची की ओर से पीपी कंपाउंड स्थित गुरु नानक स्कूल सभागार में विशेष दीवान सजाया जाएगा। मुख्य दीवान सुबह 10.30 बजे से 3 बजे तक चलेगा, जिसमें सिख पंथ के महान रागी जत्थे के भाई सरबजीत सिंह पटनावाले और श्री दरबार साहिब अमृतसर के कथावाचक ज्ञानी बलदेव सिंह उगरा गुरु इतिहास पर प्रकाश डालेंगे।

नगर विकास मंत्री सुदिव्य कुमार ने लिया छठ घाटों का जायजा, बोले-

नगर निगम और जिला प्रशासन ने समय से पहले कर ली तैयारी

PHOTON NEWS RANCHI : छठ महापर्व को लेकर राजधानी रांची सहित विभिन्न छठ घाटों पर तैयारियां जोरों पर हैं। शुक्रवार को नगर विकास मंत्री सुदीव्य कुमार ने रांची के प्रमुख छठ घाटों का निरीक्षण किया। मंत्री ने चडरी तालाब, जेल तालाब, दिव्यायन तालाब, हटनिया तालाब, कांके डैम और धुर्वा डैम पहुंचकर तैयारियों की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आयोजन समितियों से बातचीत की। निरीक्षण के दौरान नगर विकास मंत्री ने कहा कि रांची नगर निगम और जिला प्रशासन द्वारा इस वर्ष छठ महापर्व की तैयारियां समय से पहले कर ली गई है। मंत्री ने कहा कि स्वच्छता पर विशेष ध्यान दिया गया है, ताकि श्रद्धालुओं को साफ-सुथरा और सुरक्षित घाट मिलें। उन्होंने बताया कि राज्य सरकार का उद्देश्य है कि श्रद्धालुओं को स्वच्छ, सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिले। घाटों पर कब्जा या आरक्षण से जुड़ी कुछ शिकायतें मिली थीं, जिन पर रांची नगर निगम प्रशासन ने त्वरित कार्रवाई की है। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिया कि जनता की संपत्ति पर किसी भी प्रकार का कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जाएगा और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होगी। मौके पर मंत्री ने कई निर्देश जारी किए, जिनमें सभी घाटों पर अतिरिक्त लाइट, जेनरेटर, बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने, एनडीआरएफ टीम, गोताखोर, पुलिस बल और निगम कर्मियों की तैनाती करने का निर्देश दिया। साथ ही पेयजल, यातायात, मेडिकल टीम, एम्बुलेंस और कंट्रोल रूम के बीच समन्वय पर जोर दिया।

अतिरिक्त लाइट, जेनरेटर और बैरिकेडिंग की व्यवस्था सुनिश्चित करने का आदेश

- स्वच्छता पर दिया गया है विशेष ध्यान, ताकि श्रद्धालुओं को नहीं हो कोई परेशानी
- घाटों पर कब्जा करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई का दिया निर्देश

ज्यादा गहराई में न जाएं श्रद्धालु, बच्चों को किनारे पर जाने से रोकें

उन्होंने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे केवल सुरक्षित गहराई तक ही जल में प्रवेश करें। बच्चों को घाट किनारे जाने से रोकें। मंत्री ने सभी नागरिकों को छठ महापर्व की शुभकामनाएं दीं और राज्यवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की। इस दौरान मंत्री के साथ रांची नगर निगम के प्रशासक सुशांत गौरव, पुलिस अधीक्षक (नगर), पुलिस अधीक्षक (यातायात), अपर प्रशासक, एसडीओ (सदर), पुलिस उपाधीक्षक, उप प्रशासक, सहायक प्रशासक सहित जिला प्रशासन और नगर निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

NEWS BOX

रांची में रोटरी क्लब ने मानव श्रृंखला और पदयात्रा कर पोलियो जागरूकता का दिया संदेश

RANCHI : विश्व पोलियो दिवस के अवसर पर शुक्रवार को अलबर्ट एक्का चौक पर रोटरी क्लब ऑफ रांची तथा शहर के अन्य रोटरी क्लबों एवं रोट्रेक्ट क्लबों के सदस्यों ने जागरूकता अभियान चलाया। सदस्यों ने सामूहिक रूप से हाथों में प्ले कार्ड लेकर मानव श्रृंखला बनाई एवं पदयात्रा निकाली। इस दौरान आमजन में पोलियो दिवस पर जागरूकता फैलाने के लिए नुक्कड़ नाटक भी प्रस्तुत किया गया। यह दिन विश्व स्तर पर पोलियो वैक्सीन के जनक डॉ. जोनास साल्क के जन्मदिवस 24 अक्तूबर के अवसर पर मनाया जाता है। इस अवसर पर रोटरी रांची के अध्यक्ष अमित अग्रवाल ने कहा कि पिछले 12 वर्षों से भारत में पोलियो का एक भी मामला सामने नहीं आया है। यह हमारे लिए गर्व का क्षण है, परंतु साथ ही यह हमारी जिम्मेदारी भी है कि हम सतर्क रहें। उन्होंने बताया कि अफगानिस्तान और पाकिस्तान जैसे देशों में अब भी पोलियो वायरस सक्रिय है, इसलिए हमें अपने बच्चों को पोलियो की खुराक अवश्य पिलानी होगी। जब तक दुनिया के हर कोने से यह समाप्त नहीं हो जाती, हमारी लड़ाई जारी रहनी चाहिए। क्लब की सचिव भावना तनेजा ने कहा कि रोटरी रांची की ओर से पूरे शहर के प्रमुख चौक-चौराहों, प्रतिष्ठानों और सार्वजनिक स्थलों पर दो बूंद ज़िंदगी की के संदेश के साथ जागरूकता बैनर लगाए गए हैं, जिससे कि अधिक से अधिक लोग इस अभियान से जुड़ सकें।

लालखटंगा में प्रस्तावित मुक्ति महोत्सव पर आपत्ति

RANCHI : नामकुम प्रखंड के ग्राम लालखटंगा में आगामी 3 से 5 नवंबर तक प्रस्तावित मुक्ति महोत्सव को लेकर विवाद गहराता जा रहा है। शुक्रवार को गांव के सैकड़ों ग्रामीणों ने उपायुक्त को एक सामूहिक आवेदन सौंपते हुए इस आयोजन पर तत्काल रोक लगाने की मांग की। ग्रामीणों का आरोप है कि इस प्रकार के चंगाई सभा और प्रार्थना महोत्सवों के माध्यम से भोले-भाले आदिवासियों का योजनाबद्ध तरीके से धर्मांतरण कराया जा रहा है। ग्रामसभा ने 19 अक्टूबर को बैठक कर सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि इस आयोजन को अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। ज्ञापन सौंपने के दौरान गांव के पाहन चरका मुंडा, सरना समिति के अध्यक्ष दीपक मुंडा, प्रकाश मुंडा, राजन मुंडा, सुनील कच्छप, भोला मुंडा, गणेश उरांव, गोसाई मुंडा, बुधवा मुंडा समेत दर्जनों ग्रामीण उपस्थित थे।

टूर्नामेंट के फाइनल में एफसी बंगला टोली टीम विजयी

RANCHI : नामकुम प्रखंड के सोदाग पंचायत अंतर्गत ऐतिहासिक सोहराई जतरा का आयोजन इस वर्ष अत्यंत धूमधाम और सांस्कृतिक गरिमा के साथ संपन्न हुआ। छह दिवसीय उत्सव के अंतिम दिन स्थानीय खेल मैदान में आयोजित फुटबॉल टूर्नामेंट का फाइनल मैच और सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पूरे क्षेत्र को उत्सवमय बना दिया। फुटबॉल टूर्नामेंट के फाइनल मुकाबले में एफसी बंगला टोली ने लिटिल ब्रदर्स को हराकर विजेता का खिताब अपने नाम किया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित खूंटी विधायक रामसूर्य सिंह मुंडा ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर मैच का उद्घाटन किया। जतरा के सांस्कृतिक खंड में पारंपरिक खोडहा नृत्य ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। इसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम का विधिवत उद्घाटन पंचायत के मुखिया श्री पतरस तिर्की ने दीप प्रज्वलन कर किया।

मुख्यमंत्री हेमंत से मिले पंजाब के स्वास्थ्य और आपदा प्रबंधन मंत्री

सिख गुरु तेग बहादुर के 350वें शहीदी दिवस कार्यक्रम में शामिल होने का दिया आमंत्रण

PHOTON NEWS RANCHI : शुक्रवार को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में पंजाब के स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्री डॉ. बलबीर सिंह और राजस्व, पुनर्वास एवं आपदा प्रबंधन मंत्री हरदीप सिंह मुंडियां ने मुलाकात की। इस अवसर पर मुख्यमंत्री को पंजाब सरकार के दोनों मंत्रियों ने 9वें सिख गुरु तेग बहादुर जी के 350वें शहीदी दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित होने वाले विशेष कार्यक्रम में सम्मिलित होने के लिए आमंत्रित किया। मुख्यमंत्री को उन्होंने अवगत कराया कि यह आयोजन गुरु तेग बहादुर के बलिदान, समर्पण, त्याग, आदर्श एवं जनकल्याण के प्रति उनके संदेश को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। इस आयोजन में देशभर के संत महात्माओं सहित विभिन्न राज्यों के गणमान्य नागरिकों को आमंत्रित किया गया है। मुख्यमंत्री सोरेन ने पंजाब सरकार की ओर से मिले आमंत्रण हेतु दोनों मंत्रियों के प्रति धन्यवाद प्रकट किया। साथ ही आयोजन की सफलता के लिए उन्हें अपनी ओर से हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित की।

डीसी को सौंपी गई जिम्मेदारी, आदेश जारी

22 जिलों के आंदोलनकारियों के लिए गृह विभाग ने 6.30 करोड़ रुपये किए आवंटित

PHOTON NEWS RANCHI : झारखंड सरकार के गृह, कारा एवं आपदा प्रबंधन विभाग ने राज्य के 22 जिलों के आंदोलनकारियों के लिए वित्तीय वर्ष 2025-26 में 6.30 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की है। विभाग ने इस संबंध में आदेश जारी कर दिया है। गृह सचिव द्वारा जारी निर्देश में 22 जिलों के जिला उपायुक्तों (डीसी) को जिम्मेदारी सौंपी गई है। संबंधित जिले का डीसी इस राशि की निकासी और व्ययन पदाधिकारी होंगे। राशि की निकासी संबंधित जिला कोषागार से की जाएगी। विभागीय आदेश

के अनुसार, विभिन्न जिलों को अलग-अलग राशि आवंटित की गई है। बोकारो जिले को 47.10 लाख रुपये, चाईबासा को 23.44 लाख रुपये, चतरा को 13.26 लाख रुपये, देवघर को 7.67 लाख रुपये, धनबाद को 56.71 लाख रुपये, दुमका को 46.20 लाख रुपये, गिरिडीह को 34.99 लाख रुपये, गुमला को 13.44 लाख रुपये, हजारीबाग को 73.97 लाख रुपये, जमशेदपुर को 1.38 करोड़ रुपये, जामताड़ा को 18.60 लाख रुपये, लातेहार को 3.21 लाख रुपये, लोहरदगा को 43.85 लाख रुपये, पाकुड़ को 1.87 लाख रुपये, पलामू को 1.47 लाख रुपये, रामगढ़ को 22.16 लाख रुपये, रांची को 61.78 लाख रुपये, साहेबगंज को 1.05 लाख रुपये, सिमडेगा को 9.58 लाख रुपये, खूंटी को 1.26 लाख रुपये और गढ़वा को 21 हजार रुपये की राशि आवंटित की गई है।

पर्व-त्योहार | पूजा सामग्री से लेकर प्रसाद बनाने के सामानों की कीमतों में हुआ इजाफा

महंगाई की मार के बावजूद आस्था पर जरा भी नहीं पड़ा फर्क

PHOTON NEWS RANCHI : यह सही है कि इस साल छठ महापर्व की तैयारी करते हुए लोगों को जेब पर भारी बोझ महसूस हो रहा है। फिर भी लोगों की आस्था पर इसका जरा भी असर नहीं दिख रहा है। बाजार में पूजा सामग्री से लेकर प्रसाद बनाने तक के सामानों की कीमतें आसमान छू रही हैं। सबसे ज्यादा असर गोविंद भोग चावल, नारियल और बांस से बने पारंपरिक सामानों पर पड़ा है। श्रद्धालु बढ़ते दामों की परवाह किए बिना पूरे मनोयोग से छठ माता की पूजा-अर्चना में जुटे हुए हैं। गोविंद भोग चावल, दूध और गुड़ से खरना की खीर बनाई जाती है। इस बार गोविंद भोग चावल के दाम ने सभी रिकॉर्ड तोड़ दिए हैं। पिछले वर्ष जो चावल 80 से 90 रुपये किलो बिक रहा था, वह इस साल 130 से 140 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गया है। व्यापारियों का कहना है कि इस बार फसल कम हुई है, जिससे गोविंद भोग चावल की उपलब्धता घटी है और इसका सीधा असर कीमतों पर पड़ा है। इसके अलावा मांग भी पिछले वर्षों की तुलना में ज्यादा बढ़ी है।

चावल, फल, नारियल और बांस की सामग्री के दाम में देखी जा रही अधिक वृद्धि

केला, सेब, संतरा और गन्ने की कीमतों में भी पिछले साल की तुलना में हुई बढ़ोतरी

घी और रिफाइन के दामों में थोड़ी राहत

प्रसाद और खरना की खीर बनाने में प्रयुक्त होने वाले चना दाल और गुड़ के दाम भी इस बार थोड़ा बढ़े हैं। पिछले साल चना दाल 70 से 75 रुपये किलो मिल रहा था, जबकि इस बार इसका भाव 75 से 80 रुपये किलो हो गया है। गुड़ की कीमत 40 से 45 रुपये किलो के बीच पहुंच गई है। हालांकि व्यापारी इसे सामान्य मौसमी वृद्धि बता रहे हैं। जहां एक ओर चावल, फल और नारियल के दाम बढ़े हैं, वहीं शुद्ध घी के दाम में कुछ राहत जरूर मिली है।

प्रति नारियल की कीमत ₹10 बढ़ी

छठ पूजा में नारियल का महत्व सबसे अधिक होता है। यह हर अर्घ्य और प्रसाद में शामिल रहता है। मगर इस बार नारियल की कीमतों में भारी उछाल देखने को मिला है। पिछले साल जहां नारियल 26 से 27 रुपये प्रति पीस थोक में बिकता था, वहीं अब इसकी कीमत 35 से 38 रुपये प्रति पीस तक पहुंच गई है। नारियल विक्रेताओं क्या कहना है कि अब बाजार में कच्चे नारियल की मांग बढ़ने लगी है, क्योंकि लोग नारियल पानी अधिक पी रहे हैं। इसके चलते पकने से पहले ही नारियल की तुड़ाई हो जा रही है। इसी वजह से परिपक्व नारियल की आपूर्ति घट गई है और दाम बढ़ गए हैं।

बांस से बने पारंपरिक सामानों में भी महंगाई

छठ पूजा में इस्तेमाल होने वाले बांस से बने सूप, डालिया और टोकरी की कीमतों में भी भारी वृद्धि हुई है। पिछले साल जो सूप 60 रुपये में मिल रहे थे, वह इस बार 110 रुपये में बिक रहे हैं। डालिया की कीमत 200 रुपये से बढ़कर 300 रुपये हो गई है, जबकि जोड़ा टोकरी 70 से बढ़कर 100 से 110 रुपये में बिक रही है।

बोकारो सिर्फ झांकी, पूरे झारखंड में फैला डीएमएफटी फंड घोटाला : बाबूलाल मरांडी

PHOTON NEWS RANCHI : नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी ने राज्य में उजागर हो रहे डीएमएफटी फंड घोटाले पर अपनी प्रतिक्रिया दी है। कहा कि मैनें पहले भी कहा था, डीएमएफटी घोटाले में बोकारो सिर्फ एक झांकी है, असल में यह भ्रष्टाचार पूरे झारखंड में फैला हुआ है। अब कोडरमा और धनबाद से भी घोटालों के नए तथ्य सामने आ रहे हैं। आम तौर पर आईएएस अधिकारी एक जिले से दूसरे जिले में अनुभव लेकर जाते हैं, लेकिन इस सरकार में अधिकारी अपने साथ अपने पुराने दलालों और ठेकेदार साझेदारों को भी ले जाते हैं। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि कोडरमा में डीसी रहते हुए आदित्य रंजन ने डीएमएफटी

फंड से 'स्किल डेवलपमेंट' के नाम पर एमइपीएससी और तितली फाउंडेशन के साथ मिलकर जमकर लूट मचाई। अब जब वे धनबाद के डीसी बने हैं, तो वही खेल दोबारा शुरू हो गया है। एमइपीएससी और तितली फाउंडेशन के साथ सांठगांठ कर डीएमएफटी फंड को फिर से लूटा जा रहा है। इस लूट की स्क्रिप्ट इतनी चालाकी से लिखी गई है कि टेंडर की शर्तों में बदलाव कर मनचाही कंपनियों को फायदा पहुंचाया जा रहा है।

सीएम से आग्रह, हो उच्चस्तरीय जांच

नेता प्रतिपक्ष ने सीएम से आग्रह है किया है कि कोडरमा में वर्ष 2022-24 के दौरान डीएमएफटी फंड के उपयोग की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए। साथ ही, आदित्य रंजन और प्रांजल मोदी के बीच के रिश्तों की भी पड़ताल की जाए। धनबाद में डीएमएफटी फंड से जुड़े सभी चल रहे टेंडर प्रक्रियाओं को तत्काल रोककर निष्पक्ष जांच सुनिश्चित की जाए।

समाचार सार

रुंगटा क्रिकेट लीग में गोप एंड सिंह क्लब विजेता

CHAIBASA : धीरज कुमार की घातक गेंदबाजी (24/5) की बदौलत गोप एंड सिंह क्लब बड़ाजामदा ने चक्रधरपुर के लक्ष्मण गिलुआ क्रिकेट

क्लब को एकतरफा मुकाबले में 106 रनों से पराजित कर पूरे चार अंक हासिल किए। चाईबासा के बिरसा मुंडा क्रिकेट स्टेडियम में चल रहे एसआर रुंगटा बी-डिविजन लीग के अंतर्गत शुक्रवार को खेले गए मैच में टॉस लक्ष्मण गिलुआ क्रिकेट क्लब के कप्तान ने जीता तथा विपक्षी टीम को पहले बल्लेबाजी के लिए आमंत्रित किया। उनका यह निर्णय गलत साबित हुआ। गोप एवं सिंह क्लब ने 30 ओवर में 8 विकेट के नुकसान पर 255 रन ठोक डाले। जीत के लिए निर्धारित लक्ष्य का पीछा करने उतरी लक्ष्मण गिलुआ की टीम 24.5 ओवर में 149 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कल नेशनल क्रिकेट क्लब बड़ाजामदा का मुकाबला चाईबासा के फेनेटिक क्लब से होगा।

भागवत कथा महायज्ञ का हुआ भूमिपूजन

CHAIBASA : कार्तिक पूर्णिमा के शुभ अवसर पर 30 अक्टूबर से

चक्रधरपुर के पोड़ाहाट स्टेडियम में श्रीमद भागवत कथा महायज्ञ का आयोजन होगा। इसे लेकर शुक्रवार को भूमिपूजन किया गया। श्रीमद्भागवत कथा महायज्ञ सप्ताह आयोजन समिति, चक्रधरपुर द्वारा आयोजन स्थल मारवाड़ी प्लस टू स्कूल के समीप स्थित स्टेडियम में भव्य पंडाल का निर्माण किया जाएगा। 5 नवंबर तक होने वाले महायज्ञ की शुरूआत कलश यात्रा से होगी, जिसमें शामिल होने के लिए महिलाओं को 40 रुपये का कूपन दिया जाएगा। 30 अक्टूबर की सुबह 8.30 बजे चक्रधरपुर के मुक्तिनाथ घाट से 1008 महिलाएं-युवतियां कलश यात्रा निकालेंगी। भूमिपूजन के दौरान आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रो. नागेश्वर प्रधान, सचिव जयकुमार सिंहदेव, सत्य प्रकाश कर, डॉ. शिवपूजन सिंह, कामाख्या प्रसाद साहु, भवानी शंकर मिश्रा, प्रदीप्त कुमार दाश, सरोज कुमार प्रधान आदि सदस्य भी उपस्थित थे। इसमें प्रख्यात कथावाचक पं. जीतूं दाश महाराज व्याख्यान देंगे।

टेल्को के काली पूजा पंडाल में लगा रक्तदान शिविर

JAMSHEDPUR : टेल्को कॉलोनी के क्रॉस रोड-9 स्थित यंग ब्वॉयज

क्लब द्वारा आयोजित 22 फीट मां काली पूजा की स्वर्ण जयंती पर शुक्रवार को रक्तदान शिविर लगाया गया, जिसमें 101 यूनिट रक्त संग्रह किया गया। समिति के अध्यक्ष पप्पू मिश्रा ने बताया कि सामाजिक सरोकार के इस पहल के साथ पूजा समिति ने मां काली के चरणों में मानवता का संदेश दिया है। उन्होंने बताया कि शनिवार को छठ के अवसर पर लौकी और चावल का प्रसाद वितरित किया जाएगा। समिति 28 अक्टूबर तक प्रतिदिन विविध भोग-प्रसाद वितरण करेगी। इस आयोजन में प्रदीप राजवार, अरुण नाथ, नितिन, रजीत सिंह, विशाल सिंह, नरेंद्र चौधरी, यशराज, मंजीत, रूपेश, सोनाक्षी, मून, गोल्डन, लोकेश प्रसाद, नवीन सोलंकी, टीपू मिश्रा, धीरज मिश्रा, नंदू सरदार, डब्बू, रवि, सुमित जैसवाल आदि सदस्य सक्रिय रहे।

चित्रगुप्त पूजा कमेटियों ने निकाला सामूहिक विसर्जन जुलूस

JAMSHEDPUR : अखिल भारतीय कायस्थ महासभा, जमशेदपुर के बैनर तले शुक्रवार को जमशेदपुर की 18 शाखाओं ने सामूहिक विसर्जन

जुलूस निकाला। इसकी शुरूआत दोपहर 3 बजे साकची थाना के पास हुई, जहां से चार बजे जुलूस के रूप में प्रस्थान किया गया। प्रतिमाओं का विसर्जन साकची के गांधी घाट पर किया गया। इसका नेतृत्व अखिल भारतीय कायस्थ महासभा जमशेदपुर के अध्यक्ष डॉ. मनोज कुमार सिन्हा ने किया। जुलूस में सोनारी, कदमा, बागबेड़ा, मानगो, गोलमुरी, गोविंदपुर, बारीडीह, टेल्को, एग्रिको आदि की कमेटियां शामिल हुईं। जुलूस धूमधाम से साकची कोर्ट होते हुए गांधी घाट की ओर गए। वहां सभी कमेटियों ने अपनी-अपनी प्रतिमा स्वर्णरेखा नदी में विसर्जित की। इस विसर्जन जुलूस में पंकज सिन्हा, एके श्रीवास्तव, अजय श्रीवास्तव, श्याम बिहारी लाल, संजीव सिन्हा, संजीव श्रीवास्तव, आलोक कुमार सिन्हा, संजय वर्मा, ताराचंद श्रीवास्तव, प्रमोद लाल, सुबोध श्रीवास्तव, अजीत अंबष्ट, कल्याणी शरण, मंजू सिन्हा, रचना श्रीवास्तव, प्रीति सिन्हा, अतुल चंद्र, बसंत श्रीवास्तव, शुभम सिंह, विजय माथुर, गायत्री दास, रमेश श्रीवास्तव, नरेंद्र कुमार प्रसाद, राकेश कुमार, रजनीकांत प्रसाद, संतोष कुमार आदि भी शामिल थे।

साकची गुरुद्वारा में 5 नवंबर से कीर्तन दरबार

JAMSHEDPUR : खालसा पंथ के संस्थापक श्री गुरु नानक देव जी के 556वें प्रकाशोत्सव के पावन उपलक्ष्य में साकची गुरुद्वारा साहिब में 5 से 7 नवंबर तक तीन दिवसीय भव्य कीर्तन दरबार का आयोजन किया जाएगा। इस दौरान पूरा गुरुद्वारा परिसर श्रद्धा, भक्ति और सेवा के रंग में सराबोर रहेगा। गुरुद्वारा प्रबंधक कमिटी, साकची के प्रधान सरदार निशान सिंह ने शुक्रवार को पूर्व महसचिव परमजीत सिंह काले, सतपाल सिंह राजू, अजायब सिंह, प्रितपाल सिंह सहित अन्य पदाधिकारियों की उपस्थिति में तीन दिवसीय कीर्तन दरबार के पोस्टर का विमोचन किया।

चोरों ने कई गैरेज के ताले तोड़कर की बाइक की चोरी, जमकर मचाया उत्पात

सिदगोड़ा क्षेत्र के ट्यूब बारीडीह की घटना

PHOTON NEWS JSR : सिदगोड़ा थाना क्षेत्र के ट्यूब बारीडीह स्थित एम टाइप फ्लैट परिसर में गुरुवार की देर रात चोरों ने जमकर उत्पात मचाया। चोरों ने एक साथ कई गैरेजों के ताले तोड़ डाले और एक बाइक चोरी कर ली। वहीं आधा दर्जन से अधिक बाइकों में तोड़फोड़ कर उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल है। यह सारी घटनाएं सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई है। स्थानीय निवासियों के अनुसार, शुक्रवार की सुबह जब लोग अपने गैरेज खोलने पहुंचे तो उन्हें चोरी और तोड़फोड़ की जानकारी मिली। एक गैरेज से बाइक गायब थी, जबकि आसपास खड़ी कई बाइकों की हैंडल, सीट और शीशे टूटे पाए गए। चोरों ने कुछ गैरेजों में रखे उपकरण और बाइक के पार्ट्स भी

सीसीटीवी फुटेज में दिख रहे चोर

उखाड़ लिए। सूचना मिलते ही सिदगोड़ा थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की। पुलिस ने आसपास के लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालनी शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि दो चोर आधी रात के बाद फ्लैट परिसर में दाखिल हुए थे और उन्होंने वारदात को बेहद योजनाबद्ध तरीके से अंजाम दिया। स्थानीय लोगों ने बताया कि बीते कुछ दिनों से इलाके में संदिग्ध व्यक्तियों की आवाजाही देखी जा रही थी, लेकिन किसी ने इस पर ध्यान नहीं दिया। अब लगातार चोरी की घटनाओं से लोगों में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग उठी है। फिलहाल पुलिस ने अज्ञात चोरों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर उनकी पहचान में जुट गई है।

घर से जेवर और नकद लेकर चोर फरार, जांच में जुटी पुलिस

JAMSHEDPUR : परसुडीह थाना क्षेत्र के मखदुमपुर रोड नंबर 2 स्थित रेलवे लाइन किनारे रहने वाले मोहम्मद हलिम खान उर्फ राजू के घर में गुरुवार की रात चोरों ने चोरी की बड़ी वारदात को अंजाम दिया। देर रात चोर खिड़की के रास्ते घर के अंदर घुस आए और अलमारी में रखे बक्से को तोड़कर उसमें रखे कीमती सामान पर हाथ साफ कर दिया। चोरों ने बक्से में रखे सोने-चांदी के जेवर और करीब चार हजार रुपये नगद चोरी कर लिए। शुक्रवार सुबह जब घर के मालिक मोहम्मद राजू नींद से उठे तो उन्होंने देखा कि घर का सामान बिखरा हुआ है। खोजबीन के दौरान घर के सामने रेलवे लाइन किनारे टूटी हुई पेटी पड़ी मिली। पेटी खोलकर देखने पर उनके होश उड़ गए, क्योंकि उसमें रखे सभी जेवर और नकदी गायब थे। घटना की जानकारी मिलते ही पूरे इलाके में सनसनी फैल गई। मोहम्मद राजू ने बताया कि पेटी में रखे गहने और पैसे उनकी कई सालों की मेहनत की कमाई थी, जिन्हें उन्होंने सुरक्षित घर में रखा था। इस घटना से पूरा परिवार गहरे सदमे में है। वहीं, चोरी की इस वारदात से आसपास के लोगों में भय और आक्रोश का माहौल है। लोगों ने रात में पुलिस गश्त बढ़ाने की मांग की है ताकि इस तरह की घटनाओं पर रोक लगाई जा सके। घटना की सूचना मिलते ही परसुडीह थाना पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। हालांकि अभी तक चोरों का कोई सुराग नहीं मिल पाया है। पुलिस इलाके में सीसीटीवी फुटेज खंगालने के साथ संदिग्धों से पूछताछ कर रही है।

बारीडीह में लूट का प्रयास मामले में एक आरोपी धराया

पीड़ित दुकानदार

JAMSHEDPUR : सिदगोड़ा थाना स्थित बारीडीह बाजार में गुरुवार रात लूट के प्रयास में एक व्यक्ति को स्थानीय लोगों ने दबोच लिया और पिटाई कर पुलिस के हवाले कर दिया। बताया गया कि अशोक स्टोर में एक युवक ग्राहक बनकर आया। उसने पहले 2 किलो चीनी और फिर 5 किलो चावल मांगा। जैसे ही दुकानदार चावल लेने गया, युवक ने गल्ला से लगभग छह हजार निकालकर बाहर रख लिया। रिफाइंड तेल की एक पेटी उठाई और भागने लगा। दुकानदार ने चोर कहकर चिल्लाया तो आसपास के लोग आरोपित को पकड़ लिया। इस दौरान चोर के साथी की गाड़ी स्टार्ट थी, लेकिन हड़बड़ी में तेल की पेटी सड़क पर गिर गई और एक युवक पास की महतो दुकान में घुस गया। स्थानीय लोगों ने उसे पकड़कर पुलिस को सौंप दिया। दुकानदार अशोक मंडल ने बताया कि चार लोग नशे की हालत में चोरी की योजना बनाकर आए थे। दो लोग अलग-अलग गाड़ियों में खड़े थे, जबकि दो युवक दुकान के पास पहुंचे। घबराहट में आरोपित गाड़ी छोड़कर भाग गए। पुलिस ने एक आरोपित को गिरफ्तार किया है और बाकी आरोपितों की तलाश जारी है।

हथियार के साथ चार अपराधी गिरफ्तार

गोविंदपुर थाना क्षेत्र से दबोचे गए बदमाश, सभी का आपराधिक रिकॉर्ड

PHOTON NEWS JSR : गोविंदपुर थाना क्षेत्र में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए अपराध की योजना बना रहे चार बदमाशों को हथियार और गोली के साथ गिरफ्तार किया है। मामले का खुलासा सिटी एसपी कुमार शिवाशीष ने शुक्रवार को पुलिस कार्यालय में आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान किया।

उन्होंने बताया कि सभी आरोपितों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है। पूछताछ में यह भी सामने आया कि गिरफ्तार अपराधियों के पास जो हथियार मिले हैं, उन्हें अमरनाथ गैंग के सौरभ शर्मा ने छिपाकर रखने के लिए दिया था। गिरफ्तार युवकों की पहचान बिरसानगर के प्रकाशनगर निवासी रोहित लोह उर्फ गॉड

पत्रकारों को मामले की जानकारी देते सिटी एसपी कुमार शिवाशीष

बाबा, गोविंदपुर घोड़ाबांधा निवासी गौरव गोस्वामी, परसुडीह हलुदबनी शिव मंदिर रोड निवासी सन्नी सिंह उर्फ श्रेष्ठ सिंह और गोविंदपुर जनता फ्लैट निवासी हिमांशु कुमार के रूप में हुई है।

पुलिस के अनुसार, एसएसपी को गुप्त सूचना मिली थी कि गोविंदपुर के नया रोड स्थित एक स्थान पर कुछ युवक किसी बड़ी वारदात की योजना बना रहे हैं। सूचना के आधार पर डीएसपी के नेतृत्व में विशेष टीम गठित की गई और छापेमारी की गई। पुलिस को देखते ही बदमाश भागने लगे, लेकिन टीम ने घेराबंदी कर चार को मौके पर ही दबोच लिया।

पुलिस ने गिरफ्तार युवकों के पास से एक देशी पिस्तौल, 7.65 एमएम की एक गोली, 8 एमएम की एक गोली और एक खोखा बरामद किया है।

अभियान में सिटी डीएसपी सुनील चौधरी, गोविंदपुर थाना प्रभारी पवन कुमार, एसआई चंद्रशेखर पिंगुआ, सर्वजीत कुमार और एएसआई रविशंकर कुमार सहित अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे।

ट्रेन की चपेट में आकर युवक-युवती की मौत

GHATSILA : धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के कोकपाड़ा व धालभूमगढ़ स्टेशन के बीच शुक्रवार की सुबह सांतरागाछी-रानी कमलापति एक्सप्रेस से कटकर एक युवक व एक युवती की तत्काल मौत हो गई। किमी संख्या 199/15-17 पर रेलवे ट्रैक के अंदर दोनों का क्षत-बिक्षत शव पड़ा था। उक्त ट्रेन के चालक ने इस घटना की सूचना स्टेशन मास्टर को दी। इस कारण ट्रेन संख्या 22170 को किमी संख्या 200/15-17 पर 00.36 से 00.46 तक रोका गया। इस संबंध में धालभूमगढ़ के स्टेशन मास्टर ने इसकी जानकारी आरपीएफ को दी गई. सूचना पर पहुंचे आरपीएफ जवान व पदाधिकारी ने शव का पंचनामा कर पोस्टमॉर्टम के लिए घाटशिला अनुमंडल अस्पताल भेज दिया। बताया जाता है कि मृत

पटरी पर पड़ा शव

महिला की पहचान मुसाबनी थाना क्षेत्र के सड़कघुटू गांव की रहने वाली जोबा रानी किस्कू (29) व मृत युवक की पहचान धालभूमगढ़ थाना क्षेत्र के बडेडा गांव निवासी मंगल हांसदा (34) के रूप में हुई है। संदेह व्यक्त किया जा रहा है कि दोनों के बीच प्रेम प्रसंग का मामला होगा। महिला पहले से शादीशुदा थी।

छठ महापर्व पर ट्रैफिक में बदलाव, कल से 28 तक लागू रहेगी नई यातायात व्यवस्था

बसों को छोड़कर सभी तरह के भारी वाहनों पर रहेगा प्रतिबंध

PHOTON NEWS JSR : छठ महापर्व को देखते हुए शहर में बढ़ने वाली भीड़ और संभावित जाम की स्थिति से निपटने के लिए ट्रैफिक विभाग ने विशेष यातायात योजना शुक्रवार को जारी की है। यह आदेश ट्रैफिक डीएसपी, एसएसपी और उपायुक्त के संयुक्त हस्ताक्षर से जारी किया गया है। निर्धारित अवधि में भारी और मालवाहक वाहनों के परिचालन पर रोक या सीमित अनुमति दी गई है, ताकि श्रद्धालु सुरक्षित और सुगमता से घाटों तक पहुंच सकें। नई व्यवस्था के अनुसार, 26 अक्टूबर को सुबह छह बजे से नौ बजे तक सभी प्रकार के भारी वाहनों का परिचालन दोनों दिशाओं में

सामान्य रहेगा। इसके बाद सुबह नौ बजे से रात 11 बजे तक बसों को छोड़कर अन्य सभी मालवाहक वाहनों के आवागमन पर प्रतिबंध रहेगा। 27 अक्टूबर को सुबह छह बजे से सात बजे तक मालवाहक वाहनों को शहर में चलने की अनुमति होगी, लेकिन सुबह 7 बजे से 28 अक्टूबर दोपहर तीन बजे तक सभी भारी वाहनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक रहेगी। वहीं, 28 अक्टूबर को दोपहर तीन बजे से शाम 5 बजे तक केवल शहर से बाहर निकलने वाले भारी वाहनों को चलने की इजाजत दी जाएगी। ट्रैफिक पुलिस ने शहरवासियों और वाहन चालकों से अपील की है कि वे निर्धारित समय और मार्गों का सख्ती से पालन करें, ताकि छठ पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था सुचारू बनी रहे और किसी भी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

महिला की मौत मामले में हिरासत में लिया गया होटल का मालिक

PHOTON NEWS GHATSILA : घाटशिला थाना क्षेत्र के पर्यटन स्थल बुरूडीह डैम के पास गुरुवार की शाम एक महिला का शव संदिग्ध परिस्थिति में मिला था। इस मामले में पुलिस ने बुरुडीह होटल मालिक को हिरासत में लिया है। शुक्रवार को दोपहर में मृतक के चाचा परमेश्वर सिंह ने जानकारी दी कि मृतक 30 वर्षीया विधवा पद्दो सिंह, बासाडेरा की निवासी थी और बुरूडीह के होटल में काम करती थी। उस होटल का मालिक हीरागंज निवासी रंजीत भुइयां है। बताया जा रहा है कि रंजीत भुइयां बुधवार की शाम करीब सात बजे महिला को घर से अपने साथ लेकर गया था। इसके बाद वह घर नहीं लौटी। परमेश्वर ने बताया कि पद्दो के पति का निधन लगभग 6 वर्ष पहले हो गया था। उसके दो बच्चे भी हैं। पति

घाटशिला के पोस्टमॉर्टम हाउस में मृतक के परिजन व अन्य ● फोटोन न्यूज

के निधन के बाद से ही वह बुरुडीह डैम स्थित रंजीत भुइंया के होटल में काम कर रही थी। इसके कारण कभी-कभार घर आती थी। उसका बच्चा भी हमारे पास ही रहता था। उन्होंने बताया कि रंजीत के साथ उसका प्रेम संबंध भी था। उसकी मौत कैसे हुई है, यह रंजीत भुइंया नहीं बता रहा है। पूछने पर बताया कि डैम पहुंचने से पहले वह बोली कि उसे शौच जाना है। वह शौच करने जंगल में चली गई। बाइक का पेट्रोल खत्म हो गया था, तो मैं बगल के गांव से तेल लाने गया था। लौटा तो देखा कि वह वहां नहीं थी। मैं भी वहां से अपने होटल आ गया। परमेश्वर ने बताया कि गांव वालों की मदद से उसे पकड़कर रात भर रखा गया था। शुक्रवार को रंजीत भुइंया को पुलिस के हवाले कर दिया गया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पुलिस जांच करेगी।

घाटशिला विस उपचुनाव निर्भीक होकर अपने मताधिकार का करें प्रयोग, युवा मतदाता बढ़-चढ़कर मतदान प्रक्रिया में हों शामिल : जिला निर्वाचन पदाधिकारी

एक अभ्यर्थी ने वापस लिया नामांकन, मैदान में बच गए 13 उम्मीदवार

PHOTON NEWS JSR : घाटशिला विधानसभा उपचुनाव को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी ने शुक्रवार को समाहरणालय सभागार में प्रेस प्रतिनिधियों को बताया कि नाम वापसी के अंतिम दिन शुक्रवार को निर्दलीय प्रत्याशी विक्रम किस्कू ने अपना नामांकन वापस ले लिया, अब 13 अभ्यर्थी चुनावी मैदान में होंगे। निवार्ची पदाधिकारी द्वारा अब सभी 13 अभ्यर्थियों को सिंबल आवंटित किया जाएगा।

विदित हो कि 11 नवंबर को होने वाले उपचुनाव में कुल 17 अभ्यर्थियों (पुरूष-15, महिला-02) ने नाम निर्देशित किया था, नामांकन संवीक्षा के बाद 3 नामांकन अस्वीकृत किए गए थे। अब 13 उम्मीदवारों में 12 पुरुष व

प्रेसवार्ता को संबोधित करते जिला निर्वाचन पदाधिकारी कर्ण सत्यार्थी

1 महिला अभ्यर्थी चुनावी मैदान में हैं। जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सुगम, स्वतंत्र, निष्पक्ष, पारदर्शी एवं भयमुक्त वातावरण में निर्वाचन प्रक्रिया के सफल संपादन हेतु सभी प्रशासनिक तैयारियों को पूर्ण कर लिया गया है। मतदाता सूची का विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण उपरांत कुल 2,56,352 मतदाता घाटशिला उपचुनाव में अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। होम वोटिंग वाले मतदाता एवं मतदान केंद्रों तक नहीं पहुंच पाने वाले मतदाताओं की चिह्नितीकरण प्रक्रिया में है। स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत मतदाताओं को शिक्षित एवं प्रेरित करते हुए मतदान प्रतिशत को बढ़ाने के लिए विभिन्न गतिविधियां संचालित की जा रही हैं। उन्होंने सभी मतदाताओं से अपील की है कि निर्भीक होकर अपने मताधिकार का प्रयोग करें, विशेषकर युवा मतदाता भी स्वयं मतदान करने बूथों तक आएं एवं अपने परिजनों को भी मतदान के लिए प्रेरित करें।

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने बताया कि सभी मतदान केन्द्रों पर एश्योर्ड मिनिमम फैसिलिटी सुनिश्चित किया गया है। उपचुनाव में होम वोटिंग की सुविधा रहेगी। वैसे दिव्यांग एवं वरिष्ठ मतदाता जो मतदान के लिए मतदान केंद्र जाना चाहते हैं, उनके आवागमन के लिए वाहन, व्हीलचेयर, रैंप, वॉलंटियर की व्यवस्था रहेगी। सोशल मीडिया एवं अन्य मीडिया माध्यमों पर भी कड़ी निगरानी रखते हुए आदर्श आचार संहिता के उल्लंघन के मामलों पर विशेष ध्यान रखा जा रहा है।

अब तक बरामद की गई 2.37 करोड़ की सामग्री

जिला निर्वाचन पदाधिकारी ने कहा कि उपचुनाव के मद्देनजर पूर्वी सिंहभूम जिला में आदर्श आचार संहिता के अलावा सभी तरह की एसओपी का अनुपालन किया जा रहा है। सभी अंतरराज्यीय एवं अंतरजिला चेकनाका की निगरानी सख्ती से की जा रही है, ताकि अवैध मादक पदार्थ, संदिग्ध पैसों का परिवहन, शराब, उपहार, असामाजिक तत्वों पर कड़ाई से निगरानी एवं कार्रवाई की जा सके। अबतक की कार्रवाई में विभिन्न एजेंसियों द्वारा 2,37,73,008 रुपये मूल्य की सामग्री (नकद सहित) जब्त किए गए हैं।

चुनावी मैदान के उम्मीदवार

बाबूलाल सोरेन (भाजपा), सोमेश चंद्र सोरेन (झामुमो), पार्वती हांसदा (पीपुल्स पार्टी ऑफ इंडिया, डेमोक्रेटिक), पंचानन सोरेन (भारत आदिवासी पार्टी), रामदास मुर्मू (जेएलकेएम) और के अलावा निर्दलीय उम्मीदवारों में परमेश्वर टुडू, श्रीलाल किस्कू, मनसा राम हांसदा, नारायण सिंह, विकास हेम्ब्रम, बसंत कुमार टोपनो, मनोज कुमार सिंह व रामकृष्ण कांति माहली शामिल हैं।

मरांडी ने राजस्टेट में आम लोगों से की मुलाकात

GHATSILA : घाटशिला विधानसभा क्षेत्र में उपचुनाव की तिथि जैसे-जैसे नजदीक आ रही है, वैसे-वैसे भाजपा व झामुमो के नेताओं का प्रचार अभियान तेज होता जा रहा है। इसी क्रम में शुक्रवार को शाम लगभग 6 बजे भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी घाटशिला पहुंचे, जहां उन्होंने राजस्टेट में आम लोगों से भी मुलाकात की। इस दौरान भाजपा के मंडल अध्यक्ष कौशिक कुमार के आवास पर स्थानीय लोगों के साथ चाय पर चर्चा की। मरांडी ने कहा कि यह उपचुनाव बदलाव का चुनाव है। झारखंड को बचाने के लिए भाजपा को समर्थन देना होगा, ताकि झारखंड की भ्रष्ट सरकार को जनता सबक सिखा सके। राज्य में भ्रष्टाचार चरम पर है। पूर्व मुख्यमंत्री बाबूलाल मरांडी ने राजस्टेट व चालकडीह सहित अन्य क्षेत्रों का दौरा कर लोगों से संपर्क किया। इस मौके पर राज्य के पूर्व मंत्री भानु प्रताप शाही, दिनेश साव, वीरेंद्र प्रसाद, साकेत अग्रवाल सहित अन्य भाजपा नेता-कार्यकर्ता उपस्थित थे।

सोमेश चंद्र सोरेन को मिल रहा पूर्ण समर्थन : दीपक

GHATSILA : महागठबंधन के विभिन्न दलों के नेताओं के साथ शुक्रवार को राज्य सरकार के मंत्री दीपक बिरुवा ने शुक्रवार को प्रेसवार्ता में कहा कि महागठबंधन एकजुट है। झामुमो के प्रत्याशी सोमन चंद्र सोरेन को भारी मतों से विजयी बनाएंगे। मंत्री ने कहा कि 30 अक्टूबर को चुनावी कार्यालय का उद्घाटन करने के बाद सभी घटक दलों के साथ चुनाव प्रचार शुरू किया जाएगा, जिसमें कांग्रेस व राजद के नेता भी रहेंगे। उन्होंने कहा कि महागठबंधन का प्रत्याशी शिक्षित और मृदुभाषी है. जबकि भाजपा का प्रत्याशी कड़ी सुरक्षा मिलने के बाद भी दो-दो पिस्तौल लेकर घूम रहा है। ऐसे प्रत्याशी को घाटशिला की जनता कैसे चुन सकती है। प्रेस वार्ता में झामुमो के केंद्रीय प्रवक्ता कुणाल षाड़ंगी ने पूर्व मुख्यमंत्री चम्पाई सोरेन पर तीखा प्रहार किया। इस मौके पर सीपीआई के भुवनेश्वर तिवारी, बीएन सिंहदेव, कांग्रेस के सनत काल्टु चक्रवर्ती, सत्यजीत सीट आदि भी उपस्थित थे।

दिवाली के ठीक छह दिन बाद मनाए जाने वाले छठ महापर्व का हिंदू धर्म में विशेष स्थान है। कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी को सूर्य षष्ठी का व्रत करने का विधान है। प्राचीन काल में इसे बिहार और उत्तर प्रदेश में ही मनाया जाता था। लेकिन आज इस प्रान्त के लोग विश्व में जहाँ भी रहते हैं वहाँ इस पर्व को उसी श्रद्धा और भक्ति से मनाते हैं। यह व्रत बडे नियम तथा निष्ठा से किया जाता है। इसमे तीन दिन के कठोर उपवास का विधान है । इस व्रत को करने वाली स्त्रियों को पंचमी को एक बार नमक रहित भोजन करना पडता है। षष्ठी को निर्जल रहकर व्रत करना पडता है । षष्ठी को अस्त होते हुए सूर्य को विधिपूर्वक पूजा करके अर्घ्य देते हैं। सप्तमी के दिन प्रातःकाल नदी या तालाब पर जाकर स्नान करती हैं। सूर्योदय होते ही अर्घ्य देकर जल ग्रहण करके व्रत को खोलती हैं।

सूर्योपासना का पर्व है छठ पूजा

कार्तिक मास की शुक्ल पक्ष की षष्ठी तिथि पर भारत वर्ष में छठ पूजा का पर्व बड़ी धूमधाम से मनाया जाता है। इस दिन सूर्योपासना का विशेष महत्व है, लेकिन इसे छठ पूजा के नाम से ही जाना जाता है। ऐसी मान्यता है कि छठी मैया को प्रसन्न करने के लिए महिलाएं छठ गीतों और भजनों के साथ प्रार्थना करती हैं और संतान सुख की प्राप्ति करती हैं। छठ मैया की आराधना करने से श्रद्धालुओं को निरोग रहने का आशीर्वाद भी प्राप्त होता है।

सभी सुखों और सुविधाओं को प्रदान करने वाले सूर्य देव के कारण ही धरती पर जीवन संभव है और संतति प्रदाता और जीवनदाता सूर्य देव को रिझाने के लिए छठ पूजा को मान्यता मिली हुई है।

'देवी भागवत पुराण' में उल्लेखित एक कथा के अनुसार राजा प्रियव्रत को विवाह के कई वर्ष बीतने के बाद भी संतान सुख प्राप्त नहीं हुआ था। संतान प्राप्त करने के लिए उन्होंने सूर्योपासना की। सूर्योपासना से राजा के घर पुत्र का जन्म तो हुआ, लेकिन कुछ देर बाद ही उसकी मृत्यु हो गई। इससे राजा और उनका पूरा परिवार शोकाकुल हो गया। जब राजा अपने नवजात पुत्र को लेकर श्मशान पहुंचे तो अपने ही हाथों से अपने पुत्र की अंतिम क्रिया करने की विवशता के कारण अत्यंत भावुक हो गए और जीवन के प्रति उनका मोहभंग हो गया।

दुखी राजा जब अपनी देह त्यागने का विचार कर ही रहे थे, उसी दौरान उनके समक्ष एक देवी प्रकट हुईं। राजा ने देवी की आराधना की और अपने बालक को जीवीत करने की प्रार्थना की। राजा प्रियव्रत की भक्ति और पूजा से प्रसन्न होकर देवी माता ने सूर्य देव की कृपा से राजा के पुत्र को पुनर्जीवित कर दिया। राजा ने कहा कि वे ब्रह्माजी की मानस पुत्री देवसेना हैं और कुमार कार्तिकेय उनके पति हैं। मूल प्रकृति के छठवें अंश से उत्पन्न होने के कारण उन्हें षष्ठी माता के नाम से भी संबोधित किया जाता है।

देवी माता ने राजा के पुत्र को जिस तिथि पर पुनर्जीवित किया था वह कार्तिक शुक्ल पक्ष की षष्ठी की तिथि ही थी। देवी मां ने राजा से कहा कि तुम मेरी पूजा करो और अपनी प्रजा से भी मेरी उपासना करने को कहो। इसके बाद राजा प्रियव्रत ने विधिवत और नियमित रूप से माता की पूजा आरंभ कर दी और इस दिन को छठ पर्व के रूप में सभी के साथ मिलकर मनाने लगे। चूंकि, सूर्यदेव की कृपा से माता ने राजा के पुत्र को पुनर्जीवन प्रदान किया, इसलिए इस दिन सूर्य भगवान को अर्घ्य देकर उनकी भी छठी माता के साथ पूजा किए जाने की परंपरा है। एक अन्य कथा के अनुसार शिव-पार्वती के ज्येष्ठ पुत्र कार्तिकेय का जन्म होने के बाद उन्हें असुरों से सुरक्षित रखने के लिए अग्निदेव ने कुमार कार्तिकेय को गंगा की गोद में रख दिया था। गंगा मैया ने कार्तिकेय को सरकंडे के वन में रख दिया। इस वन में छह कृतिकाएं निवास करती थीं। कृतिकाएं कुमार कार्तिकेय को पाकर काफी प्रसन्न हो गईं और कार्तिकेय को पुत्र मानकर उसका लालन-पालन करने लगीं। ऐसी मान्यता है कि ये छह कृतिकाएं ही कालांतर में छठी माता के रूप में पुजन लगी। ऐसा कहा जाता है कि जब तक छोटे बच्चे अपने पैरों के अंगूठों को मुंह में नहीं डालते तब तक छठी माता बच्चों के साथ रहती हैं और खेल-खेल में कभी उन्हें हंसाती हैं और कभी रुलाती हैं।

सूर्य षष्ठी व्रत पूजा

सूर्य षष्ठी व्रत भगवान सूर्य की उपासना का पर्व है. इस पर्व का आयोजन कार्तिक माह के आरंभ के साथ ही शुरू हो जाता है इस पर्व के उपलक्ष में भगवान सूर्य की पूजा का विशेष महत्व होता है. सूर्य षष्ठी व्रत में भगवान सूर्य की पूजा उपासना की जाती है इस दिन व्रती अपने सभी कार्यों को पूर्ण कर भगवान आदित्य का पूजन करता है. उन्हें जल द्वरा अर्घ्य दिया जाता है. पूजा की विधी में फल, विभिन्न प्रकार के पकवान एवं मिष्ठान को शामिल किया जाता है इस दिन सूर्य की किरणों को अवश्य ग्रहण करना चाहिए. पूजन तथा अर्घ्य देने के समय सूर्य की किरणें अवश्य देखनी चाहिए.

सूर्य षष्ठी व्रत महत्व

सूर्य षष्ठी पर्व के अवसर पर परिवार के सभी सदस्य स्वच्छता का विशेष ध्यान रखते हैं. सूर्य षष्ठी पर्व के दिन पूजा का सामान तैयार किया जाता है जिसमें सभी प्रकार के फल, केले की पूरी गौर, नारियल, मूली, सुथनी, अखरोट, बादाम इत्यादि को रखा जाता है. इस व्रत का बहुत महत्व रहा है इसे करने से घर में धन धान्य की वृद्धि होती है. तथा परिवार में सुख समृद्धि का आगमन होता है. इस व्रत को करने से चर्म तथा नेत्र रोगों से मुक्ति मिलती है.

सूर्योपासना का यह पर्व अत्यंत प्राचीन है। महाभारत काल में माता कुंती ने सूर्योपासना के द्वारा अत्यंत तेजस्वी पुत्र कर्ण की प्राप्ति की थी। इससे भी पूर्व इस व्रत को च्यवन मुनि की पत्नी सुकन्या ने अपने जराजीर्ण पति के लिए किया था। स्कन्द पुराण के अनुसार राजा शर्याति की प्रिय कन्या सुकन्या अपने पिता के साथ सैनिकों सहित वन में गई और वहां अपनी सखियों सहित उपवन में क्रीड़ा करते हुए वहां तपस्यारत च्यवन मुनि के दोनों नेत्रों को फोड़ दिया। जिसके फलस्वरूप राजा शर्याति व उनके सैनिकों पर भारी विपत्ति आई। अस्वस्थ हो सभी मरणासन्न की स्थिति को प्राप्त होने लगे। च्यवन मुनि से क्षमा याचना कर उनका अभिप्राय जानकर राजा ने अपनी पुत्री सुकन्या का विवाह उनसे कर दिया। अंधे, अस्वस्थ अपने पति को प्राप्त कर वह अश्विनी कुमारों का आवाहन कीं और उनकी प्रेरणा से 12 वर्ष तक सूर्य षष्ठी व्रत का पालन कीं। इस व्रत के प्रभाव से च्यवन मुनि को नेत्र ज्योति प्राप्त हुई और वे वृद्धावस्था से युवावस्था को प्राप्त हो गए। मान्यता है कि भगवान राम ने अपने राज्याभिषेक के उपरान्त माता सीता सहित इस व्रत को किया था। यदि कोई इस व्रत को नियमपूर्वक 12 वर्ष तक करता है तो वह सौभाग्यशाली हो जाता है।

उदीयमान सूर्य को अर्घ्य के साथ करें छठ पूजा

भगवान सूर्य जिन्हें आदित्य भी कहा जाता है वास्तव एक मात्र प्रत्यक्ष देवता हैं. इनकी रोशनी से ही प्रकृति में जीवन चक्र चलता है. इनकी किरणों से ही धरती में प्राण का संचार होता है और फल, फूल, अनाज, अंड और शुक्र का निर्माण होता है. यही वर्षा का आकर्षण करते हैं और ऋतु चक्र को चलाते हैं. भगवान सूर्य की इस अपार कृपा के लिए श्रद्धा पूर्वक समर्पण और पूजा उनके प्रति कृतज्ञता को दर्शाता है. सूर्य षष्टी या छठ व्रत इन्हीं आदित्य सूर्य भगवान को समर्पित है. इस महापर्व में सूर्य नारायण के साथ देवी षष्टी की पूजा भी होती है. दोनों ही दृष्टि से इस पर्व की अलग अलग कथा एवं महात्मय है. सबसे पहले आप षष्टी देवी की कथा सुनिये.

छठ व्रत कथा

एक थे राजा प्रियव्रत उनकी पत्नी थी मालिनी. राजा रानी निःसंतान होने से बहुत दुःखी थे. उन्होंने महर्षि कश्यप से पुत्रेष्टि यज्ञ करवाया. यज्ञ के प्रभाव से मालिनी गर्भवती हुई परंतु न महीने बाद जब उन्होंने बालक को जन्म दिया तो वह मृत पैदा हुआ. प्रियव्रत इस से अत्यंत दुःखी हुए और आत्म हत्या करने हेतु तत्पर हुए.

प्रियव्रत जैसे ही आत्महत्या करने वाले थे उसी समय एक देवी वहां प्रकट हुई. देवी ने कहा प्रियव्रत मैं षष्टी देवी हूं. मेरी पूजा आराधना से पुत्र की प्राप्ति होती है, मैं सभी प्रकार की मनोकामना पूर्ण करने वाली हूं. अतः तुम मेरी पूजा करो तुम्हे पुत्र रत्न की प्राप्ति होगी. राजा ने देवी की आज्ञा मान कर कार्तिक शुक्ल षष्टी तिथि को देवी षष्टी की पूजा की जिससे उन्हें पुत्र की प्राप्ति हुई. इस दिन से ही छठ व्रत का अनुष्ठान चला आ रहा है.

एक अन्य मान्यता के अनुसार भगवान श्रीरामचन्द्र जी जब अयोध्या लटकर आये तब राजतिलक के पश्चात उन्होंने माता सीता के साथ कार्तिक शुक्ल षष्टी तिथि को सूर्य देवता की व्रतोपासना की और उस दिन से जनसामान्य में यह पर्व मान्य हो गया और दिनानुदिन इस त्यहार की महत्ता बढ़ती गई व पूर्ण आस्था एवं भक्ति के साथ यह त्यहार मनाया जाने लगा.

छठ व्रत विधि

इस त्यहार को बिहार, झारखंड, उत्तरप्रदेश एवं भारत के पड़ोसी देश नेपाल में हर्षोल्लास एवं द्वनयम निष्ठा के साथ मनाया जाता है. इस त्यहार की यहां बड़ी मान्यता है. इस महापर्व में देवी षष्टी माता एवं भगवान सूर्य को प्रसन्न करने के लिए स्त्री और पुरूष दोनों ही व्रत रखते हैं. व्रत चर दिनो का होता है पहले दिन यानी चतुर्थी को आत्म शुद्धि हेतु व्रत करने वाले केवल अरवा खाते हैं यानी शुद्ध आहार लेते हैं. पंचमी के दिन नहा खा होता है यानी स्नान करके पूजा पाठ करके संध्या काल में गुड़ और नये चावल से खीर बनाकर फल और मिष्ठान से छठी माता की पूजा की जाती है फिर व्रत करने वाले कुमारी कन्याओं को एवं ब्रह्मणों को भोजन करवाकर इसी खीर को प्रसाद के तर पर खाते हैं. षष्टी के दिन घर में पवित्रता एवं शुद्धता के साथ उत्तम पकवान बनाये जाते हैं. संध्या के समय पकवानों को बड़े बडे बांस के डालों में भरकर जलाशय के निकट यानी नदी, तालाब, सरोवर पर ले जाया जाता है. इन जलाशयों में ईख का घर बनाकर उनपर दीया जालाया जाता है. व्रत करने वाले जल में स्नान कर इन डालों को उठाकर डूबते सूर्य एवं षष्टी माता को अर्घ्य देते हैं. सूर्यास्त के पश्चात लोग अपने अपने घर वापस आ जाते हैं. रात भर जागरण किया जाता है. सप्तमी के दिन सुबह ब्रह्म मुहूर्त में पुनः संध्या काल की तरह डालों में पकवान, नारियल, केला, मिठाई भर कर नदी तट पर लोग जमा होते हैं. व्रत करने वाले सुबह के समय उगते सूर्य को आर्घ्य देते हैं. अंकुरित चना हाथ में लेकर षष्टी व्रत की कथा कही और सुनी जाती है. कथा के बाद प्रसाद वितरण किया जाता है और फिर सभी अपने अपने घर लट आते हैं. व्रत करने वाले इस दिन परायण करते हैं.

इस पर्व के विषय में मान्यता यह है कि जो भी षष्टी माता और सूर्य देव से इस दिन मांगा जाता है वह मुराद पूरी होती है. इस अवसर पर मुराद पूरी होने पर बहुत से लोग सूर्य देव को दंडवत प्रणाम करते हैं. सूर्य को दंडवत प्रणाम करने का व्रत बहुत ही कठिन होता है, लोग अपने घर में कुल देवी या देवता को प्रणाम कर नदी तट तक दंड देते हुए जाते हैं. दंड की प्रक्रिया इस प्रकार से है पहले सीधे खडे होकर सूर्य देव को प्रणाम किया जाता है फिर पेट की ओर से ज़मीन पर लेटकर दाहिने हाथ से ज़मीन पर एक रेखा खींची जाती है. यही प्रक्रिया नदी तट तक पहुंचने तक बार बार दुहरायी जाती है.

क्यूं मनाते हैं छठ महापर्व

भारत की विविध संस्कृति का एक अहम अंग यहां के पर्व हैं. भारत में ऐसे कई पर्व हैं जो बेहद कठिन माने जाते हैं और इन्हीं पर्वों में से एक है छठ पर्व. छठ को सिर्फ पर्व नहीं महापर्व कहा जाता है. चार दिनों तक चलने वाले इस पर्व में व्रती को लगभग तीन दिन का व्रत रखना होता है जिसमें से दो दिन तो निर्जली व्रत रखा जाता है. आइए आज के इस अंक में जानें छठ के बारे में कुछ विशेष बातें.

क्या है छठ- छठ पर्व छठ और षष्ठी का अपभ्रंश है. कार्तिक मास की अमावस्या को दीवाली मनाने के तुरंत बाद मनाए जाने वाले इस चार दिवसीय व्रत की सबसे कठिन है और महत्वपूर्ण रात्रि कार्तिक शुक्ल षष्ठी की होती है. इसी कारण इस व्रत का नामकरण छठ व्रत हो गया. यह पर्व वर्ष में दो बार मनाया जाता है. पहली बार चैत्र में और दूसरी बार कार्तिक में. चैत्र शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले छठ पर्व को चैती छठ व कार्तिक शुक्लपक्ष षष्ठी पर मनाए जाने वाले पर्व को कार्तिकी छठ कहा जाता है.

मार्कण्डेय पुराण में इस बात का उल्लेख मिलता है कि सृष्टि की अधिष्ठात्री प्रकृति देवी ने अपने आप को छह भागों में विभाजित किया है और इनके छठे अंश को सर्वश्रेष्ठ मातृ देवी के रूप में जाना जाता है, जो ब्रह्मा की मानस पुत्री और बच्चों की रक्षा करने वाली देवी हैं. कार्तिक मास के शुक्ल पक्ष की षष्ठी को इन्हीं देवी की पूजा की जाती है. शिशु के जन्म के छह दिनों के बाद भी इन्हीं देवी की पूजा करके बच्चे के स्वस्थ, सफल और दीर्घ आयु की प्रार्थना की जाती है. पुराणों में इन्हीं देवी का नाम कात्यायनी मिलता है, जिनकी नवरात्र की षष्ठी तिथि को पूजा की जाती है. छठ व्रत की परंपरा सदियों से चली आ रही है. यह परंपरा कैसे शुरू हुई, इस संदर्भ में एक कथा का उल्लेख पुराणों में मिलता है. इसके अनुसार प्रियव्रत नामक एक राजा की कोई संतान नहीं थी. संतान प्राप्ति के लिए महर्षि कश्यप ने उन्हे पुत्रयेष्टि यज्ञ करने का परामर्श दिया. यज्ञ के फलस्वरूप महारानी ने एक पुत्र को जन्म दिया, किंतु वह शिशु मृत था. इस समाचार से पूरे नगर में शोक व्याप्त हो गया. तभी एक आश्चर्यजनक घटना घटी. आकाश से एक ज्योतिर्मय विमान धरती पर उतरा और उसमें बैठी देवी ने कहा, 'मैं षष्ठी देवी और विश्व के समस्त बालकों की रक्षिका हूं.' इतना कहकर देवी ने शिशु के मृत शरीर का स्पर्श किया, जिससे वह बालक जीवित हो उठा. इसके बाद से ही राजा ने अपने राज्य में यह त्योहार मनाने की घोषणा कर दी.

गौहत्या पर लगाया जाना चाहिए प्रतिबंध

हजारों वर्षों के प्रलेखित इतिहास के साथ देसी गाय भारतीय संस्कृति में महत्वपूर्ण योगदान रखती है। भगवान शिव के वाहन, नंदी बैल की मूर्ति, भारतीय मंदिरों और सामाजिक-सांस्कृतिक केंद्रों में प्रमुखता से प्रदर्शित की जाती है। प्राचीन काल में गायों का दैनिक जीवन में व्यापक रूप से उपयोग किया जाता था। गाय के कम वसा वाले दूध को मां के दूध का एक अच्छा विकल्प माना जाता था। इसके अतिरिक्त, खाना पकाने का घी, डेयरी उत्पाद और मिठाइयां गाय के दूध से बनाई जाती थीं। यह ध्यान रखना दिलचस्प है कि गायों के अतिरिक्त उपयोग भी थे। समृद्ध जैविक खाद, जैसे कि गाय का गोबर, खेत की खाद और फर्श की प्लास्टरिंग दोनों के लिए उपयोग किया जाता था। इसका उपयोग गोबर के उपले के रूप में ईंधन के रूप में भी किया जाता था। इसके अतिरिक्त, गोमूत्र को चिकित्सीय और कीटनाशक गुणों वाला माना जाता था। इसके अतिरिक्त, गायों की प्रजनन और संतानों के लिए आवश्यकता थी। फिर, बैल जैसे भार ढोने वाले जानवर परिवहन और खेत की जुताई दोनों के लिए सहायक थे। इसलिए वैज्ञानिक, सांस्कृतिक और आर्थिक कारणों से गाय समाज और लोगों दोनों के लिए एक मूल्यवान और प्रिय संपत्ति बन गई। वास्तव में कौटिल्य के अर्थशास्त्र के दो अध्याय गायों को समर्पित हैं। इन सामाजिक-आर्थिक लाभों के कारण सदियों तक गोहत्या पर प्रतिबंध लगा दिया गया था। वृहद आर्थिक स्तर पर, देशी गायें रोजगार पैदा करती हैं और दूध, चारा और चराई के लिए आवश्यक श्रम की आपूर्ति श्रृंखला के लिए आय उत्पन्न करती हैं। भारत जैसे उभरते राष्ट्र में जहां दो-तिहाई आबादी अभी भी जीविका के लिए कृषि पर निर्भर है, देशी गाय ग्रामीण अर्थव्यवस्था का एक महत्वपूर्ण हिस्सा बनी हुई है, खासकर छोटे और सीमांत किसानों के लिए, हालांकि इसे आज वैसी मान्यता नहीं मिली है। कुछ इतिहासकारों के अनुसार, मोहनजोदड़ो के पुरातात्विक स्थल के हर स्तर पर कूबड़ वाले बैल के अवशेषों की प्रचुरता इस बात का संकेत है कि ₹सिंधु घाटी मवेशियों की उत्तम नस्लों से विशेष रूप से समृद्ध रही होगी।₹ चाहे इसकी उत्पत्ति कुछ भी हो, गाय सदियों से भारतीय कृषि की आधारशिला रही है, जो दूध और दुग्ध उत्पादों के माध्यम से किसान परिवारों को पोषण प्रदान करती है, साथ ही कृषि कार्यों जैसे कि जमीन की जुताई और माल के परिवहन के लिए भारवाहक पशु शक्ति भी प्रदान करती है। गाय जीवन की लगभग सभी आवश्यक आवश्यकताओं को पूरा करती थी, जिसमें खेती और खाद, भोजन और जीविका, परिवहन और ईंधन शामिल हैं। जब हम प्राचीन भारत से लेकर वर्तमान तक गाय के इतिहास पर नजर डालते हैं, तो भारतीय देशी गायों को प्राचीन काल से ही विभिन्न वैज्ञानिक कारणों से पूजा जाता रहा है। कृषि भारत की प्राथमिक आर्थिक शक्ति थी, और व्यावहारिक रूप से हर प्रमुख भारतीय त्योहार किसी न किसी कृषि गतिविधि के इर्द-गिर्द घूमता था। भारत के लोगों के लिए, देसी गाय धन का प्रतीक है। भारतीय किसान गाय के गोबर का उपयोग ईंधन और उर्वरक के स्त्रोत के रूप में करते रहे हैं। यह पूरी तरह से जैविक था और उच्च उपज वाली फसलें पैदा करता था। गायें पर्यावरण के लिए लाभकारी प्रथाओं के साथ स्थायी कृषि का एकमात्र स्त्रोत थीं। वास्तव में, उस समय गायों का मूल्य सोने से भी अधिक था। गायों को परिवार का सदस्य माना जाता था। 1580 में भारत आने वाले एक शुरूआती अंग्रेज आगंतुक, राल्फ फिच ने अपने घर भेजे पत्र में लिखा, उनका एक अजीबोगरीब समुदाय है- वे गाय की पूजा करते हैं और अपने घरों की दीवारों को रंगने के लिए गाय के गोबर का उपयोग करते हैं। वे मांस नहीं खाते और कंद-मूल, अनाज और दूध पर जीवित रहते हैं। जब अंग्रेज भारत पहुँचे और पूरे उपमहाद्वीप का अध्ययन किया, तो उन्हें पता चला कि वे सीधे तौर पर इस देश पर शासन नहीं कर सकते। भारतीय अर्थव्यवस्था देसी गाय और जैविक कृषि पर बहुत अधिक निर्भर थी और भारतीय शिक्षा प्रणाली पूरी तरह से नैतिकता, विज्ञान और गुरुकुल प्रणाली पर आधारित थी, जो संस्कृति में गहराई से समाहित थी। ब्रिटिश भारत के गवर्नर रॉबर्ट क्लाइव ने इस क्षेत्र में कृषि पर व्यापक अध्ययन किया। रॉबर्ट क्लाइव ने पाया कि गायें भारतीय कृषि के लिए आवश्यक हैं और उनके बिना कृषि संभव नहीं है। इस नींव को तोड़ने के लिए गायों का उन्मूलन आवश्यक था। इसलिए भारत में पहला बूचड़खाना 1760 में कोलकाता में स्थापित किया गया, जहां प्रतिदिन 30 हजार से अधिक देसी गायों का वध किया जाता था, जिसके परिणामस्वरूप एक वर्ष में कम से कम एक करोड़ गायों का वध किया जाता था। ब्रिटिश सैनिक इसका उपयोग पोषण के लिए करते थे या इसे इंग्लैंड को बेचते थे। भारत में अंग्रेजों के लिए गोमांस मुख्य आहार बन गया। जब भारतीय कृषि को झटका लगा, तो अंग्रेजों ने व्यावसायिक खेती विकसित की, जो रसायनों और उर्वरकों पर भारी थी और इसे एक अलग वाणिज्य उद्योग में बदल दिया। उन्होंने अपने कुकर्मो से भारत की पूरी आर्थिक व्यवस्था को बर्बाद कर दिया। देसी गायों के विस्तार को पूरी तरह से रोकने के लिए, उन्होंने जर्सी आयात की और उसे देसी नस्ल की गायों के साथ संकरित किया। गोहत्या के लिए पश्चिम के औचित्य अब निर्विवाद नहीं हैं। मांस से बेहतर प्रोटीन स्त्रोत हैं। किसी भी आहार विशेषज्ञ का चार्ट बताएगा कि 22% प्रोटीन वाला गोमांस, सोयाबीन (43%), मूंगफली (31%) और दालों (24%) से कम स्कोर करता है। एक किलोग्राम गोमांस बनाने के लिए सात किलोग्राम फसलों और 7000 किलोग्राम पानी की आवश्यकता होती है।

भारत ने चीन को दिया करारा जवाब

ANALYSIS

✍ डॉ. मयंक चतुर्वेदी

अच्छी बात है कि यही दृष्टिकोण आज भारतीय नीति निमार्ताओं द्वारा अपनाया जाना सामने आ रहा है। चीन की ओर से तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (स्थानीय नाम यारलुंग जांगबो) के ऊपरी हिस्से में बड़े बांध विकसित किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से भारत के लिए जल प्रवाह में कमी, बाढ़ नियंत्रण में मुश्किलें और संभावित सामरिक खतरे पैदा हो सकते हैं। जल बम के रूप में इनका इस्तेमाल युद्ध की स्थिति में संभव है। इन सभी खतरों को ध्यान में रखते हुए, भारत ने ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन पर लगभग 76 गीगावाट की जलविद्युत क्षमता विकसित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपये की योजना तैयार की है। यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है; यह राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय विकास और रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की रिपोर्ट के अनुसार, यह योजना 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाओं का निर्माण करेगी। इन परियोजनाओं में कुल मिलाकर 64.9 गीगावाट विद्युत उत्पादन और 11.1 गीगावाट पंप भंडारण क्षमता शामिल है। पंप भंडारण क्षमता का महत्व इसलिए है क्योंकि यह ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में असंतुलन को संतुलित करने में सहायक होती है। पूर्वोत्तर राज्यों में ब्रह्मपुत्र बेसिन की भौगोलिक स्थिति इस योजना को और अधिक रणनीतिक बनाती है।

वैश्विक राजनीतिक और रणनीतिक परिदृश्य लगातार बदल रहा है। सीमाएं सिर्फ भौगोलिक दृष्टि से ही नहीं, वे ऊर्जा, जल और सुरक्षा की दृष्टि से भी अहमियत रखती हैं। ऐसे समय में, जब कोई पड़ोसी देश भारत के लिए दबाव या चुनौती उत्पन्न करता है, जैसे कि चीन द्वारा ब्रह्मपुत्र नदी के ऊपरी हिस्से पर बड़े बांध बनाने का कार्य हो, तब प्रतिक्रिया केवल कूटनीतिक बयानबाजी या आलोचना तक सीमित नहीं होनी चाहिए। वास्तविक रणनीति वह है जो दीर्घकालिक, ठोस और आत्मनिर्भर हो। अच्छी बात है कि यही दृष्टिकोण आज भारतीय नीति निमार्ताओं द्वारा अपनाया जाना सामने आ रहा है। चीन की ओर से तिब्बत क्षेत्र में ब्रह्मपुत्र नदी (स्थानीय नाम यारलुंग जांगबो) के ऊपरी हिस्से में बड़े बांध विकसित किए जा रहे हैं। इन परियोजनाओं से भारत के लिए जल प्रवाह में कमी, बाढ़ नियंत्रण में मुश्किलें और संभावित सामरिक खतरे पैदा हो सकते हैं। जल बम के रूप में इनका इस्तेमाल युद्ध की स्थिति में संभव है। इन सभी खतरों को ध्यान में रखते हुए, भारत ने ब्रह्मपुत्र नदी बेसिन पर लगभग 76 गीगावाट की जलविद्युत क्षमता विकसित करने के लिए 6.4 ट्रिलियन रुपये की योजना तैयार की है। यह परियोजना केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है; यह राष्ट्रीय सुरक्षा, क्षेत्रीय विकास और रणनीतिक संतुलन के लिए भी महत्वपूर्ण है। केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) की रिपोर्ट के अनुसार, यह योजना 12 उप-बेसिनों में 208 बड़ी पनबिजली परियोजनाओं का निर्माण करेगी। इन परियोजनाओं में कुल मिलाकर 64.9 गीगावाट विद्युत उत्पादन और 11.1 गीगावाट पंप भंडारण क्षमता शामिल है। पंप भंडारण क्षमता का महत्व इसलिए है क्योंकि यह ऊर्जा की मांग और आपूर्ति में असंतुलन को संतुलित करने में सहायक होती है। पूर्वोत्तर राज्यों में ब्रह्मपुत्र बेसिन की भौगोलिक स्थिति इस योजना को और अधिक रणनीतिक बनाती है। अरुणाचल प्रदेश, असम, सिक्किम, मिजोरम, मेघालय, मणिपुर, नागालैंड और पश्चिम बंगाल के हिस्सों में फैला यह बेसिन ऊर्जा उत्पादन के लिए अपार संभावनाएँ रखता है। विशेष रूप से अरुणाचल प्रदेश में उपलब्ध अप्रयुक्त पनबिजली क्षमता लगभग 52 प्रतिशत है। इसका अर्थ यह है कि यदि इस योजना को सफलतापूर्वक लागू किया जाता है, तो भारत अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए काफी हद तक आत्मनिर्भर बन सकता है। तकनीकी दृष्टि से परियोजना में जल प्रवाह का नियंत्रण, पंप भंडारण और सतत विद्युत उत्पादन पर विशेष ध्यान दिया गया है। चीन के बांधों द्वारा पानी की आपूर्ति पर संभावित प्रभाव को ध्यान में रखते हुए, भारत की योजना उच्च क्षमता वाले पनबिजली संयंत्रों और स्मार्ट ग्रिड नेटवर्क के माध्यम से स्थिर ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित करेगी। इससे पूर्वोत्तर में न केवल ऊर्जा संकट कम होगा, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। आर्थिक दृष्टि से इस परियोजना का पहला चरण 2035 तक पूरा होगा, जिसमें लगभग 1.91 ट्रिलियन रुपये का निवेश होगा। दूसरा चरण 4.52 ट्रिलियन रुपये की लागत से पूरा किया जाएगा। यह निवेश केवल ऊर्जा उत्पादन तक सीमित नहीं है। इससे पूर्वोत्तर राज्यों में रोजगार सृजन, बुनियादी ढांचे का विकास, और स्थानीय आर्थिक समृद्धि को भी बढ़ावा मिलेगा। एनएचपीसी, नीपको और एसजेवीएन जैसी केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनियां इस परियोजना में शामिल हैं, जो इसे सफलतापूर्वक क्रियान्वित करने में सक्षम हैं। परियोजना का एक और महत्वपूर्ण पहलू यह भी है कि ये भारत के पर्यावरणीय और ऊर्जा लक्ष्य से मेल खाती है। भारत ने 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ऊर्जा उत्पादन और 2070 तक शुद्ध शून्य उत्सर्जन का लक्ष्य निर्धारित किया है। ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट इन लक्ष्यों की दिशा में केंद्रीय भूमिका निभा सकता है। पनबिजली परियोजनाओं के माध्यम से जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम होगी और सतत ऊर्जा उत्पादन सुनिश्चित होगा। रणनीतिक दृष्टि से यह परियोजना यह संदेश देती है कि भारत किसी भी बाहरी दबाव या चुनौती के सामने कमजोर नहीं है। चीन के बांधों से उत्पन्न संभावित खतरों का उत्तर केवल विरोध या कूटनीतिक कदम से नहीं, ठोस, दीर्घकालिक और तकनीकी रूप से सक्षम योजना के माध्यम से दिया जा रहा है। यह दृष्टिकोण किसी भी वैश्विक शक्ति संतुलन के परिदृश्य में भारत की स्थिति को मजबूत करता है। इतिहास में इस तरह के अनेक उदाहरण मौजूद हैं, जब किसी देश ने प्रतिकूल परिस्थितियों या दबाव के सामने ठोस रणनीति अपनाई और दीर्घकालिक रूप से लाभ प्राप्त किया। भारत की यह योजना उसी सिद्धांत को स्पष्ट रूप से दशार्ती है कि किसी भी चुनौती या खतरे के उत्तर में दीर्घकालिक योजना, आत्मनिर्भरता और ठोस क्रियान्वयन ही वास्तविक समाधान हैं। पूर्वोत्तर राज्यों में बिजली की बढ़ती मांग और स्थानीय विकास की आवश्यकता इस परियोजना को और भी महत्वपूर्ण बनाती है। उच्च क्षमता वाली पनबिजली परियोजनाओं और पंप भंडारण संयंत्रों के निर्माण से न केवल स्थिर ऊर्जा सुनिश्चित होगी, बल्कि ग्रामीण और आदिवासी इलाकों में बुनियादी ढांचे का विकास भी होगा। इसके अलावा, जल संसाधनों का सतत और प्रभावी उपयोग सुनिश्चित किया जाएगा। सामरिक दृष्टि से, ब्रह्मपुत्र हाइड्रो प्रोजेक्ट यह स्पष्ट संदेश देता है कि भारत किसी भी बाहरी शक्ति द्वारा उत्पन्न संकट का सामना करने में सक्षम है। यह केवल ऊर्जा उत्पादन की दिशा में कदम नहीं है, राष्ट्रीय संकल्प और रणनीतिक स्थिरता का प्रतीक भी है। किसी भी दबाव या धमकी के उत्तर में सिर्फ विरोध करना पर्याप्त नहीं; वास्तविक प्रभावी प्रतिक्रिया वह है जो दीर्घकालिक, रणनीतिक और ठोस हो। अंततः, ब्रह्मपुत्र हाइड्रो योजना यह प्रमाणित करती है कि किसी भी बाहरी दबाव या खतरे के सामने देश की प्रतिक्रिया केवल संवेगात्मक या तत्कालीन नहीं होनी चाहिए। यह दीर्घकालिक योजना आत्मनिर्भरता और तकनीकी दक्षता के माध्यम से स्थिति को अपने पक्ष में मोड़ने का उदाहरण है। कहना होगा कि भारत का यह कदम ऊर्जा उत्पादन, बल्कि सामरिक संतुलन, पूर्वोत्तर राज्यों के विकास और जल संसाधनों के सतत उपयोग के दृष्टिकोण से बहुत महत्वपूर्ण है। निश्?चित ही इस परियोजना के माध्यम से यह संदेश स्पष्ट है कि किसी भी चुनौती या खतरे के समय वास्तविक शक्ति केवल शब्दों में नहीं, बल्कि ठोस योजनाओं, दीर्घकालिक निवेश और रणनीतिक क्रियान्वयन में होती है। चीन जैसे पड़ोसी द्वारा उत्पन्न दबाव के बावजूद भारत ने स्पष्ट रूप से यह दिखाया है कि वह अपनी राष्ट्रीय सुरक्षा, ऊर्जा आवश्यकताओं और सामरिक हितों के लिए सक्षम और आत्मनिर्भर है।

मारिया मचाडो और लोकतंत्र की लौ

वर्ष 2025 का नोबेल शांति पुरस्कार वेनेजुएला की विपक्षी नेता मारिया कोरीना मचाडो को मिला है। यह पुरस्कार न केवल एक व्यक्ति का सम्मान है, बल्कि उस विचार का भी जो यह मानता है कि लोकतंत्र केवल संस्थागत ढांचे से नहीं, बल्कि व्यक्तिगत साहस, नैतिक प्रतिबद्धता और जनता के विश्वास से जीवित रहता है। संघर्षग्रस्त समाजों में जहां भय, हिंसा और सेंसरशिप का वातावरण हो, वहां व्यक्ति का नैतिक साहस ही लोकतंत्र की पहली लौ बनता है। लोकतंत्र का अर्थ केवल चुनाव, संसद या संविधान तक सीमित नहीं है, यह एक नैतिक संस्कृति है, जहां नागरिकों को अपनी बात कहने, असहमति जताने और न्याय पाने का अधिकार होता है। परंतु जब सत्ता निरंकुश हो जाती है, जब प्रेस पर अंकुश लगाया जाता है, जब विरोध को देशद्रोह कहा जाता है। ऐसे में लोकतंत्र की आत्मा घायल होती है। ऐसे समय में कोई भी आंदोलन, चाहे वह राजनीतिक हो या सामाजिक, तभी टिक पाता है, जब उसमें व्यक्तिगत नेतृत्व का साहस और नैतिकता की दृढ़ता हो। तानाशाही शासन के खिलाफ सबसे पहली दीवार वही व्यक्ति खड़ी करता है जो भय के आगे झुकता नहीं। व्यक्तिगत साहस का अर्थ है- अन्याय के विरुद्ध सत्य कहना, चाहे परिणाम कितना भी कठोर क्यों न हो। मारिया कोरीना मचाडो ने यही किया। उन्होंने गिरफ्तारी, प्रतिबंध और धमकियों के बावजूद वेनेजुएला में शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक परिवर्तन की आवाज बुलंद रखी। इतिहास साक्षी है कि प्रत्येक युग में जब लोकतंत्र संकट में पड़ा, तो एक व्यक्ति के नैतिक साहस ने ही समाज को दिशा दी। महात्मा गांधी ने भारत में अहिंसक प्रतिरोध की परंपरा गढ़ी, मार्टिन लूथर किंग जूनियर ने अमेरिकी नागरिक अधिकार आंदोलन में रंगभेद के विरुद्ध आवाज उठाई और आंग सान सू की ने म्यांमार में दशकों तक सैन्य शासन के खिलाफ लोकतांत्रिक संघर्ष का नेतृत्व किया। इन सबने यह सिद्ध किया कि साहस सत्ता का विरोध नहीं, सत्य की सेवा है। जब लोग अत्याचार से थक कर मौन हो जाते हैं, तब एक व्यक्ति का साहस सामूहिक चेतना को जगाता है। ऐसे साहसी लोग न केवल प्रतिरोध करते हैं, बल्कि जनता में नैतिक आशा भी जगाते हैं कि परिवर्तन संभव है। मारिया मचाडो का नेतृत्व इसी प्रकार जनता को अहिंसक संगठित प्रतिरोध के लिए प्रेरित करता रहा। वेनेजुएला की जनता में लोकतांत्रिक उम्मीदें जिंदा रखना ही उनका सबसे बड़ा योगदान है। तानाशाही शासन हमेशा सूचना और विचार की स्वतंत्रता से डरता है। ऐसे माहौल में जो व्यक्ति सत्य बोलता है, वह स्वयं एक संस्था बन जाता है। महात्मा गांधी का सत्याग्रह इसका श्रेष्ठ उदाहरण है- जहां सत्य को हथियार बनाया गया और हिंसा को त्यागा गया। इसी प्रकार नेल्सन मंडेला ने वर्षों की कैद के बावजूद प्रतिशोध नहीं, बल्कि क्षमा और मेल-मिलाप का रास्ता चुना। उनका साहस केवल राजनीतिक नहीं, बल्कि नैतिक और मानवतावादी था। इतिहास बताता है कि जब भी महिलाओं ने नेतृत्व संभाला, उन्होंने संघर्ष को संवाद, संवेदना और समावेशिता में बदला। मारिया मचाडो, एलेन जॉनसन सर्लीफ, मलाला यूसुफजई या कोरियाई मानवाधिकार कार्यकर्ता यो ह्योन-ही, सभी ने यह दिखाया कि शांति और लोकतंत्र की राह हिंसा नहीं, संवेदना से बनती है। महिला नेतृत्व समाज में एक नैतिक संतुलन लाता है, जहां संघर्ष का उद्देश्य केवल सत्ता परिवर्तन नहीं, बल्कि मानव गरिमा की पुनर्स्थापना होता है। नैतिक नेतृत्व केवल राजनीतिक कौशल नहीं होता, वह समाज के भीतर विश्वास का पुनर्निर्माण करता है। ऐसा नेतृत्व विरोध के साथ-साथ समाधान की राह भी दिखाता है। उसकी दृष्टि अल्पकालिक लाभों पर नहीं, बल्कि दीर्घकालिक न्याय और समानता पर होती है। जब संस्थाएं विफल होती हैं, तब एक नेता का चरित्र ही उसकी शक्ति बनता है। पोलैंड के नेता लेच वालेसा का सॉलिडेरिटी आंदोलन इसी का उदाहरण है, जहां मजदूरों के हक की लड़ाई ने पूरे राष्ट्र को लोकतंत्र की ओर मोड़ दिया। नेल्सन मंडेला का ट्रुथ एंड रिकॉन्सिलिएशन कमीशन इस बात का प्रतीक है कि सत्य और क्षमा साथ चल सकते हैं। लोकतांत्रिक नेतृत्व केवल घरेलू संघर्ष तक सीमित नहीं रहता, वह घरेलू पीड़ा को वैश्विक विमर्श में बदल देता है। मारिया मचाडो ने मानवाधिकार मंचों पर जाकर वेनेजुएला के संघर्ष को विश्व की चेतना से जोड़ा, जिससे अंतरराष्ट्रीय दबाव बना। यही कारण है कि आज वेनेजुएला की कहानी केवल एक देश की नहीं, बल्कि दुनिया के हर संघर्षग्रस्त समाज की कहानी बन गई है। तानाशाही का सबसे बड़ा हथियार भय होता है। नैतिक नेता उस भय को तोड़ते हैं और जनता को विश्वास दिलाते हैं कि सत्ता सीमित है, पर जनता असीम है। लोकतंत्र का अस्तित्व इसी विश्वास पर टिका है कि हर नागरिक की आवाज मायने रखती है। भय को खत्म कर जब नागरिक बोलना शुरू करते हैं, तभी लोकतंत्र सांस ले पाता है। भारत के स्वतंत्रता संग्राम में भी व्यक्तिगत साहस और नैतिक नेतृत्व का अद्भुत उदाहरण देखने को मिला। भगत सिंह, सुभाषचंद्र बोस, राममनोहर लोहिया, जयप्रकाश नारायण जैसे नेताओं ने यह दिखाया कि लोकतंत्र का जन्म संघर्ष से होता है और उसका पालन-पोषण नैतिक साहस से। आज भी भारत जैसे विविधतापूर्ण देश में नागरिक अधिकारों की रक्षा तभी संभव है जब समाज में ऐसे नेतृत्व की भावना जीवित रहे। लोकतंत्र केवल संस्थाओं से नहीं चलता, बल्कि उस भावना से जो नागरिकों के भीतर होती है। यदि समाज में भय, लालच या नफरत हावी हो जाए तो लोकतंत्र का स्वरूप कमजोर हो जाता है। ऐसे समय में नेता का काम केवल नीतियाँ बनाना नहीं, बल्कि नैतिक आदर्श प्रस्तुत करना होता है, जो जनता को यह सिखाए कि स्वतंत्रता का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि कर्तव्य और अनुशासन भी है। आज दुनिया के अनेक हिस्सों में लोकतंत्र खतरे में है- रूस, ईरान, म्यांमार, अफगानिस्तान, बेलारूस, सूडान, यहाँ तक कि कुछ विकसित लोकतंत्रों में भी सत्ता केंद्रीकरण और सूचना नियंत्रण की प्रवृत्ति बढ़ रही है।

Social Media Corner

सच के हक में...

आंध्र प्रदेश के कुरनूल में बस में आग लगने की दुखद घटना में हुई जान-माल की हानि अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। मैं शोक संतप्त परिजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करतीं हूं और घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करतीं हूं।

(राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु का 'एक्स' पर पोस्ट)

प्रकृति और संस्कृति को समर्पित महापर्व छठ आने वाला है। बिहार सहित देशभर में इसकी तैयारियों में श्रद्धालु पूरे भक्ति-भाव से जुट चुके हैं। छठी मइया के गीत इस पावन अवसर की भव्यता और दिव्यता को और बढ़ाने वाले होते हैं। आपसे आग्रह है कि आप भी छठ पूजा से जुड़े गीत मेरे साथ शेयर करें। मैं अगले कुछ दिनों तक इन्हें सभी देशवासियों के साथ साझा करूंगा।

(प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 'एक्स' पर पोस्ट)

रांची के लोअर बाजार स्थित मुस्लिम बहुल इलाके में एक हिंदू परिवार का घर आधी रात में बुलडोजर से तोड़ दिया गया। मौके पर मौजूद होने के बाद भी पुलिस ने न तो आरोपियों को घर तोड़ने से रोका, न ही उन्हें गिरफ़्तार किया, क्योंकि सारे आरोपी मुस्लिम समुदाय के हैं। इस घटना के बाद अब पीड़ित हिंदू परिवार डर के साए में जी रहा है और आत्मदाह की धमकी तक दे चुका है। हेमंत सरकार में तुष्टिकरण चरम पर पहुंच चुका है। समुदाय विशेष के लोगों को अपराध करने की छूट मिली हुई है। हिंदू आदिवासियों पर लगातार अत्याचार किया जा रहा है। लेकिन इसे अब और बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। हेमंत सोरेन जी, तत्काल आरोपियों की गिरफ्तारी करें एवं पीड़ित हिंदू परिवार तथा उनके घर की सुरक्षा का प्रबंध सुनिश्चित करें, अन्यथा उसी लोअर बाजार में भाजपा इतना जोरदार आंदोलन करेगी कि आपकी तुष्टिकरण वाली सरकार के पांव उखड़ जाएंगे।

(बाबूलाल मरांडी का 'एक्स' पर पोस्ट)

नए युग में भारत और अफगानिस्तान संबंध

अंतरराष्ट्रीय संबंधों में कोई स्थायी मित्र या शत्रु नहीं होता, सभी राष्ट्र समय और परिस्थितियों के अनुसार पारस्परिक व्यवहार करते हैं। इस समय भारत के लिए सामरिक दृष्टि से महत्वपूर्ण अफगानिस्तान में तालिबान का शासन है। तालिबान की पहचान आतंकी संगठन की है, किंतु अफगानिस्तान की तालिबान सरकार अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त करने के लिए वैश्विक जगत से संवाद स्थापित कर रही है। अभी तक तालिबान सरकार को केवल रूस ने ही मान्यता दी है। इस बीच अफगानिस्तान के तालिबान विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी सात दिन की भारत यात्रा पर हैं यद्यपि भारत ने अभी तक तालिबान सरकार को मान्यता नहीं दी है और वह काफी फूंक-फूंक कर कदम रख रहा है। भारत में मुत्ताकी के अनेक कार्यक्रम हो रहे हैं। वह उप्र में मुसलमानों की संस्था दारुल उलूम देवबंद गए, उनकी दो पत्रकार वाताएं भी हो चुकी हैं, जिसमें पहली पत्रकार वार्ता में महिला पत्रकारों को प्रवेश न मिलने के कारण विवादों आ गई जिससे अफगानी विदेश मंत्री को दूसरी पत्रकार बुलानी पड़ी, जिसमें महिला पत्रकार भी आमंत्रित थीं। अफगान विदेश मंत्री की इस यात्रा से भारत ने दक्षिण एशिया में पाकिस्तान के विरुद्ध अपना एक नया समर्थक बनाया है। मुत्ताकी की भारत यात्रा से भारत ने एक कूटनीतिक बढ़त यह प्राप्त कर ली है। संयुक्त बयान में अफगानिस्तान ने अप्रैल में जम्मू -कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकी हमले की कड़ी निंदा करते हुए भारत की जनता व सरकार के प्रति संवेदना व एकजुटता व्यक्त की है। भारत और अफगानिस्तान के बयान में दोनों पक्षों ने क्षेत्रीय देशों से उत्पन्न सभी आतंकवादी कृत्यों की स्पष्ट रूप से निंदा की और क्षेत्र में शांति स्थिरता एवं आपसी विश्वास को बढ़ावा देने के महत्व पर बल दिया है। अफगान विदेश मंत्री ने जम्मू-कश्मीर को भारत का अभिन्न अंग बताया, जिससे पाकिस्तान को इतनी चोट पहुंची कि उसने अफगानिस्तान पर हमला कर दिया। फिर अफगानिस्तान ने पलटवार करते हुए पाकिस्तान के 58 सैनिकों को मारने का दावा किया और उनकी कई चौकियों पर कब्जा कर लिया। विदेश मंत्री एस. जयशंकर और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी की मुलाकात के बाद बयान जारी किया गया कि भारत और अफगानिस्तान के रिश्ते सदियों पुराने हैं तथा इन संबंधों को और मजबूत किया जाएगा। भारत ने काबुल स्थित दूतावास फिर से खोलने का ऐतिहासिक निर्णय लिया है। यह वही तालिबान सरकार है, जिस पर कभी कोई भरोसा नहीं कर रहा था। जब अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन ने अफगानिस्तान से अपनी सेनाओं को वापस बुलाने और अफगानिस्तान की सत्ता तालिबान को हस्तांतरित करने का निर्णय लिया था, उस समय दक्षिण एशिया में भय, आतंक, चिंता व निराशा का वातावरण उत्पन्न हो गया था कि अब क्या होगा। अफगानिस्तान में तालिबान की वापसी पर चीन और पाकिस्तान बहुत खुश थे। दोनों देशों को लगा कि अब अफगान सरकार उसके कहने पर चलेगी। पाकिस्तान ने सोचा कि वह तालिबान की मदद से जम्मू-कश्मीर को हथिया कर वहां शरिया कानून लागू करा देंगे, किंतु समय बदलने के साथ पाकिस्तान की यह योजना पूरी तरह से धराशायी गयी। आज भारत के तालिबान से सम्बन्ध बेहतर हैं, क्योंकि भारत केवल राष्ट्र प्रथम को ध्यान में रख कर चल रहा। सामारिक, आर्थिक, राजनैतिक व मानवीय दृष्टिकोण से भारत का अफगानिस्तान के साथ रिश्ते सुधारना राष्ट्रहित में है। वहां से हिंदू व सिख समाज के लोग अपना कारोबार, संपत्ति और जायदाद आदि छोड़ कर आए हैं। अफगानी विदेश मंत्री मुत्ताकी से भारत ने यह कहलवा लिया है कि अब कोई भी ताकत अफगान की धरती का उपयोग भारत के खिलाफ नहीं कर सकेगी। इसका स्पष्ट इशारा पाक की खुफिया एजेंसी आईएसआई की ओर था। तालिबान विदेश मंत्री मुत्ताकी की भारत यात्रा के लिए काफी समय से होमवर्क किया जा रहा था। जनवरी में ही तालिबान शासन और भारत के विदेश सचिव विक्रम मिसरी के साथ कई दौर की वार्ता हो चुकी थी, जिसके बाद मुत्ताकी ने भारत को अहम क्षेत्रीय और आर्थिक शक्ति बताया था।

जबरदस्त आक्रामकता

संयुक्त राज्य अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक निःसंकोच स्वीकारोक्ति में वेनेजुएला में निकोलस मादुरो की सरकार को निशाना बनाकर किए जाने वाले सीआईए के गुप्त अभियानों को अधिकृत करने की पुष्टि की है। यह उफान कैरेबियाई जलक्षेत्र में नौकाओं पर कई सप्ताह तक हुए घातक हमलों के बाद आया है। इससे अंतरराष्ट्रीय कानून के मूलभूत सिद्धांतों का उल्लंघन करके इस क्षेत्र में अस्थिरता पैदा किए जाने का खतरा पैदा हो गया है। आशंकित कार्रवाइयां अतीत में सीआईए द्वारा की गई कार्रवाइयों के एक गंभीर ऐतिहासिक पैटर्न ग्वाटेमाला में 1954 का तख्तापलट, क्यूबा में बे ऑफ पिग्स आपदा, चिली में 1973 के तख्तापलट की योजना, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्रपति साल्वाडोर अलेंदे की मौत हो गई और 1980 के दशक में निकारागुआ में कोंट्रा युद्ध के अनुरूप लगती हैं। इस किस्म के हस्तक्षेपों के परिणामस्वरूप दशकों तक अस्थिरता, लोकतांत्रिक पतन और तानाशाही शासन जैसे विनाशकारी नतीजे सामने आए हैं, जिससे लैटिन अमेरिका में गहरे जख्म बने हैं। वर्ष 2024 में मादुरो की विवादित चुनावी जीत ने उनके शासन के आर्थिक कुप्रबंधन को और बढ़ा दिया है। इस कुप्रबंधन ने प्रतिबंधों के साथ मिलकर वेनेजुएला की अर्थव्यवस्था को तबाह कर दिया है। हाल के सालों में लाखों वेनेजुएलावासियों को संकट की वजह से पलायन करने के लिए मजबूर होना पड़ा है। इनमें से कई लोगों को संयुक्त राज्य अमेरिका पहुंचने के लिए कोलंबिया, खतरनाक डेरियन गैप और मैक्सिको के रास्ते खतरनाक यात्राएं करनी पड़ी हैं। शरणार्थियों की आमद ने ट्रंप प्रशासन को चाविस्टों (जैसा कि पूर्व राष्ट्रपति ह्यूगो चावेज के अनुयायियों को कहा जाता है) के खिलाफ दबाव बढ़ाने के वास्ते आव्रजन संबंधी मुद्दे को हथियार बनाने तथा वेनेजुएला में मादक पदार्थों की तस्करी के बारे में दावे करने का मौका प्रदान कर दिया है।

Printed and Published by Fahim Akhtar on behalf of MAA MEDIA VENTURE and Printed at SHIVA SAI PUBLICATION PVT.LTD, Ratu, Kathitand, Near Tender Bagicha, H.P. Petrol Pump P.O.+P.S.- Ratu, Dist.-Ranchi, 835222, Jharkhand And Published at Roshpa Tower, 5th Floor, Main Road, Ranchi, Jharkhand-834001. R.N.I Number - JHABIL/2022/85899, Editor- Fahim Akhtar. Mob - 9431311669, E-mail : thephotonnewsjharkhand@gmail.com

Deepfakes, doxxing and digital abuse

Technology is a double-edged sword in the context of violence against women and girls (VAWG). The National Cybercrime Reporting Portal (NCRP) reported a 118.4 percent rise in online crimes between 2020 and 2024 against women under four major categories: online child sexual abuse and exploitation, gang rape and sexual abuse online content, sexually explicit acts, and sexually obscene material. The National Crime Records Bureau says 14,409 cases were registered in 2022, only a fraction of the true scale of such crimes in India. At the same time, technology-driven tools like NCRP have improved the collection of data and reporting of crimes, while the Sahyog Portal, with anonymous reporting, enables law enforcement to receive information from intermediaries.iven the rapid transformation of technology facilitating new forms of VAWG—from virtual rape and AI-enabled deep fakes to dark web transactions—the key question emerges: Are India's existing laws and institutions responsive and robust enough to address these evolving threats effectively?

In the Indian context, the Bharatiya Nyaya Sanhita 2024, the IT Act 2008, and the POCSO Act 2012 have provisions for offences like online sexual harassment, stalking, voyeurism, transmitting sexually explicit material, etc. The IT Rules, 2021, mandate the intermediaries to take down non-consensual images within 24 hours of a complaint being raised.

India has central and state mechanisms to address online VAWG, such as I4C, the 1930 helpline, cyberforensic labs, capacity-building MOOC platforms, and cyber cells. States employ different models, such as Kerala's CyberDome and Telangana's Women Safety Wing with Cyber Module. However, effective use and innovation vary widely across states.

Turning to practices in other countries, in the US, 48 states have Revenge Porn laws providing civil and criminal remedies—enabling victims to seek damages and prosecution. Cyberstalking is explicitly recognized under 18 U.S.C. § 2261A, which grants the FBI cross-state jurisdiction. Some states allow protective orders specifically for cyber harassment. While the Communications Decency Act (1996) grants digital intermediaries safe harbour, the FOSTA-SESTA legislation (2018) made exceptions for platforms knowingly hosting sex-trafficking content, permitting victims to sue website owners.

Institutionally, the US mirrors India with mechanisms such as the FBI's Internet Crime Complaint Centre (IC3), Internet Crimes Against Children (ICAC) Task Forces, and state CyberCrime Units. Federal grants support these through VAWA (Violence Against Women Act) and OVM (Office on Violence Against Women). Civil society partners with the government to further strengthen online victim support and helpline infrastructure.Notably, the US leverages public-private partnerships (PPPs) to strengthen its justice delivery system. Advanced tech support from start-up companies and universities, especially those developing deepfake detection tools, has been instrumental. For instance, the National Institute of Justice funds such research. Broader efforts, like youth programs under the Department of Justice, include cyberbullying prevention, educational grants, and girl empowerment. The Office for Victims of Crime (OVC) funds pilot projects that support cybercrime victims, including developing resources for advocates handling image-based abuse.

Waste land: A nation of landfills

A growing India means growing solid waste, especially in its cities. But we seem to have no plan for it except to transfer it from one place to another. Why not use technology to recycle and generate power from waste, as other nations are doing?

Some years ago, I was editing a newspaper in Mumbai and we ran a report on the city's eternal garbage problem. The report mentioned a prime spot in the suburbs where a mountainous garbage landfill was posing a danger because vultures were wheeling over it, getting in the way of air traffic. The report did not go down well, as the proprietor of the newspaper happened to own the landfill. This column is not about my adventures as a journalist, but about India's garbage problem. Unlike the West, where the age of chips has followed a certain social and cultural stage that necessitated garbage collection in the cause of health and aesthetics, India seems to have skipped that stage. As a result, we might have to drive through rotting waste while heading to a robotics factory.

Mumbai, Bengaluru, Delhi, Chennai—the waste piles high everywhere. In the capital, the waste is dumped 65 metres high at one landfill. It's not taller only because the Municipal Corporation of Delhi is not great at collecting waste. This mountain, like many in other Indian cities, symbolises the country's struggle with solid waste and will soon ascend new heights.Garbage output is expected to reach 62 million tonnes this year and could soar to 436 million tonnes by 2050. A developing India means more waste, but we have no idea what to do with it except, at best, transfer it from one spot to another and hope the dogs and vultures will do a good job.e have some 2,500 official landfills. And millions of unofficial dumpsites in our backyards, gutters, footpaths, and rivers. All of India is potentially a landfill. Nearly 80 percent of the waste that finds its way to these is unprocessed. Organic waste mostly rots, but plastic is more or less eternal. Organic waste emits methane. But it is more fashionable— and profitable—to focus on carbon emission, possibly because there are more fellowships, seminars, and grants available to study it. Western nations have adopted more effective waste management strategies. In the US, 51 percent of waste goes to landfills, a practice supported by recycling efforts like composting. A couple of months ago, I was in Minnesota and Washington, and could not find a scrap of waste on footpaths. The waste is well collected and recycled. We don't collect too good and we litter. But how much do we recycle? There is no clear data on this. In Europe, there is a hierarchy of waste management that prioritises prevention, reuse, recycling, and recovery, achieving a municipal recycling rate of 49 percent. The Nordic countries exemplify the best practices. In Sweden, 65 percent of municipal solid waste is incinerated, generating energy for a significant portion of Stockholm's homes, while recycling rates remain high at 49 percent. Finland mirrors this success, with landfilling dropping below 1 percent since 2020.

In these countries, waste is almost lovingly sorted and managed, transforming what was once discarded material into energy or reusable resources. We are an energy-deficient country. When was the last time you heard someone raise a question in parliament or a state assembly on recycling waste into power? Or indeed, waste into anything? Kerala, where I come from, wastes no opportunity to pat its back while dumping trash into fields and canals. Kochi, Kozhikode, and Thrissur are mosquito breeding centres. Waste mismanagement in the state is probably one reason it holds records in disease outbreaks. The Swachh Bharat Mission, initiated in 2014, aimed to tackle the waste crisis with significant funding—with over ?1.5 lakh crore allocated since its inception. The budget for 2025 remains robust at ?12,192 crore, encompassing urban and rural initiatives. Why is it then that many areas in cities like Gurgaon and Bengaluru are facing a trash crisis? The mission's problems include the fact that it is not audited. Our 'model villages', a typical Indianism, are often models because bureaucrats are more into meeting numbers—a newfound Stalinist passion for statistics, to be precise. Add to it the all-too-human need to protect one's career, felt by everyone from judges to sweepers. I suppose a poor country will instinctively get its individual priorities right. To be fair, environmentalists often focus on carbon emissions because they recognise that addressing climate change can have far-reaching impacts on public health, ecosystems, and future generations. While solid waste management is essential, the urgency surrounding carbon emissions stems from their immediate and long-term effects on global warming and environmental degradation. However, there are some signs of change. Small signs, though. Involvement of corporate giants like Reliance indicates a shift in how waste is being viewed in India. Mukesh Ambani's company is investing heavily in biogas facilities and chemical recycling initiatives that convert single-use plastics into reusable materials. Companies like Attero Recycling are using AI to streamline processes, while others are transforming agricultural waste into marketable products.India's waste management crisis is not insurmountable, given the availability of technology. By learning from the effective strategies employed in other countries, India can reduce its rubbish mounds. What stands in the way is as much incompetence as our cultural practice of mere transference of waste from one spot to another.

Mind the gap between royalists & republicans

The century has seen the house of Windsor embroiled in controversies, the latest being Prince Andrew's sexual abuse allegations

The British royalty's modern history is a meandering march of scandals. The century since Elizabeth's birth has seen the house of Windsor embroiled in an abdication, a series of extramarital affairs, several instances of casual racism, bribery charges, and 'the battle of the Waleses' that ended in a fatal car crash. The latest to join the family's hall of infamy is the third of her four children, Andrew. Days before the posthumous publication of a memoir by Virginia Giuffre, who had accused the prince of sexual abuse, the 65-year-old father of two gave up his royal titles and honours last week. That it took more than a decade of her initial accusation, six years since his mother stripped him of public duties, and three years since he settled Giuffre's case out of court is testament to the royal obsession with optics over propriety.

Evidently, the Firm—as Elizabeth's father first called the business of monarchy—has been unable to shake off Andrew's links to Jeffrey Epstein, the convicted child trafficker who died behind bars, and his close associate, Ghislaine Maxwell, the imprisoned daughter of a British newspaper magnate. The publication of Andrew Lownie's unflattering book two months ago did not help. However, what made Andrew's clumsy attempts to distance himself from Epstein altogether impossible is the release of the American financier's private jet's flight logs that showed several trips together.Royalists questioned whether the prince could maintain the Royal Lodge, a 30-room mansion southwest of Heathrow leased to him by the Crown Estate, after paying Giuffre an estimated $12 million to settle the case. Documents made public recently show how little Andrew is required to pay through most of the 75-year-old lease after a substantial sum was paid upfront in the 2000s. It's clear that though British MPs are piling pressure on their government to formally strip Andrew of all royal titles, there is little appetite to see the monarchy go. They would do well to keep an eye on the massive 'No kings' protests happening across the US— aimed at Trump's tyranny, but termed to reinforce republicanism. They would also do well to read Giuffre's memoir, Nobody's Girl, that's out on stands Tuesday. Maybe there will be more gritted teeth behind stiff upper lips.

Warp and weft of peacemaking amid violence

The Nobel Prize encourages us to think of peace in a broader context. In this imagination, there cannot be a chasm between the regional and the national or international

The politics of awarding Nobel prizes is sometimes as murky as war itself. This year, the Nobel Peace Prize Committee provided interim relief. It did not award Donald Trump the prize. Instead, it went to the Venezuelan opposition leader María Corina Machado, a person whose slow politics has, in a way, helped birth an organic sense of peace for Venezuela. The prize to Machado actually raises the question of the creativity of peace in India today. It's in this context that one must raise the issue that discussions about peace and about Gandhian thought have been impoverished for the last three decades.There have been two exceptions to this mode of thinking. The first has been the thinker Ela Bhatt.Bhatt has often been seen as the founder of the Self Employed Women's Association and nothing more.

But in later years, she was in many senses deeply involved in peace and peacemaking with the likes of Jimmy Carter. She pointed out that peace cannot be worked out of a handbook. It is not a technology. Peace, she said, has to emerge as a metaphysic, out of the local languages, out of indigenous modes of thought. In this context, she emphasised that Gandhi gave currency to the words satyagraha, swadeshi and swaraj.She also pointed out that peace has to be a form of storytelling. Without myths, stories, and inspiration of struggles, peace does not acquire the everyday clarity, resonance and poetics it desperately needs.She said that one of the things to emphasise is the importance of the role of women in peace. She cited the examples of Manipur and Kashmir, where war was a known act, a ritual of waiting. She emphasised that when war becomes waiting, women seem to wait not only for peace, but for their husbands and children to come back every day. The final point that she emphasised—and I think it was very crucial—was that peace can't be a contract. Peace, she said, in a deep and fundamental way, has to be part of a dialogue or conversation. It has to be built like a weave.And in this sense, a sense of peace was very close to what C V Seshadri, the second intellectual thinker about Gandhism and peace, brought forth.

Seshadri was an extraordinary scientist, a chemist who built a laboratory in a slum that became one of the most famous research institutes of the country.

Seshadri regarded Gandhi as another scientist. Gandhi, in fact, was a senior 'scientist' whose innovative work he felt needed to be emulated. Gandhian innovation was a crucial part of scientific innovation. Seshadri emphasised that in a deep and fundamental way, Gandhian thought in peace required as much innovation as science. In fact, peace operated with less certainty than science.

He also emphasised two other things. Peace is not impersonal. It becomes autobiographical, and it's the autobiography as experiments that often constitute the making of a movement, providing a deep sense of the values that go into the making of peace.He differentiated between disciples and exemplars in any ethic. Disciples tend to follow the leader; disciples often mimic the leader. But an exemplar, in a deep and fundamental sense, is an innovator. S/he tends to go beyond the leader. In that sense, the exemplar is an original.These thinkers pointed out that peace cannot emerge merely from instant contracts. Neither can it emerge from instant diktats of the kind Trump today provides. Peace is something that has to be worked and reworked on as a wheel. And the wheel

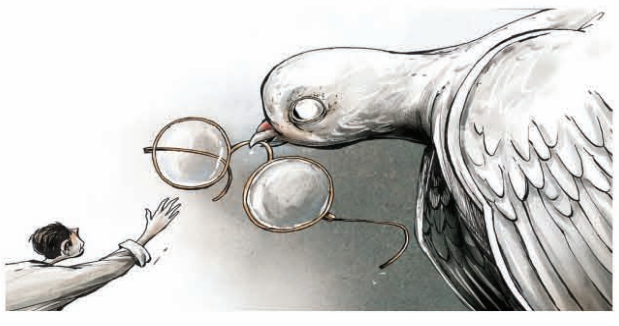

is one of the most beautiful metaphors for peacemaking. One has to emphasise the importance of Seshadri and Bhatt today because there's a paucity of thinking about war and peace.

Peace can never be just local. Peace, in a deep and fundamental sense, has to be both local and cosmopolitan, international. It's in this sense that today if we think of peace, we think of the Gaza Strip.Gandhi would have pointed out that there is a Gaza Strip in each mode of governance. One has to examine the Gaza Strip locally and internationally. In this context, we have to think simultaneously of what happened in Manipur and is happening in Kashmir.Simultaneously, we have to provide a certain sense of peace, belonging, and kinship to what's happening in the Gaza Strip, to Palestinians.

Both Seshadri and Bhatt differentiated between swadeshi and swaraj, explaining that these are not dualistic concepts. Rather, they merge into each other as part of a complex weave of microcosm and macrocosm. Swadeshi can never be purely local and swaraj cannot be merely holistic. Instead, swaraj must weave in the parts, because the parts make the whole.The second point that Seshadri emphasised was the distinction between autobiography and choreography. He said that autobiography is the experiment of the self, and this self-experimentation is the beginning of peace. Choreography, then, is the collective attempt of the self to create holistic group peace, which demands a certain notion of memory.

Seshadri further emphasised that structures of violence are often more innovative than peace. Within this context, he pointed out that peace requires a richer, more fluid notion of goodness to capture the essence of what is happening today.The final point he made was that peace is plural; it cannot be a monologue.It must include several voices—the marginal, the migrant, and the normal. It cannot be achieved without incorporating a sense of marginality. We need to make a new connection between region, nation and the Anthropocene. We have to make sure that diversity, dialogue and plurality sustain both parts and the whole.t is time we dream of the Anthropocene differently. We need to create a new sense of man with a new sense of nature more symbiotic than contractual. We need to create an ecology.

ZKTOR: India's Silent Assertion of Trust in the Age of Data Uncertainty

New Delhi.(Agency)

In an era defined by data leaks, surveillance anxieties, and vanishing privacy, a quiet development in India's technology sector has drawn attention for the right reasons.

A new entrant, ZKTOR, has begun operating as one of the most secured social-mediaplatforms built, encrypted, and hosted entirely within the country. Its arrival, unaccompanied by publicity, represents a subtle but profound shift, a nation's statement that trust can still be engineered.ZKTOR is developed by Softa Technologies Ltd., a company known for deep encryption research and cloud architecture built on Indian soil. The platform combines communication,content sharing, and community interaction in a single encrypted grid while ensuring that every byte of user data remains on servers located in India.In an age when information often travels through foreign clouds before returning to its owner,this simple fact has become a matter of national significance.Early users describe the interface as restrained and precise, no algorithmic noise, no intrusiveads, no manipulative feeds.The system prohibits link-based media downloads, closing

off a major route for contentextraction and shadow tracking. Each function operates within a closed-loop design thatprioritises user safety over reach, signalling that privacy has moved from promise to practice.

The quiet rollout is being viewed by analysts as a reflection of confidence rather than secrecy.

Instead of a marketing campaign, ZKTOR has chosen the slower path of credibility, letting itsdesign philosophy speak for itself. At its core lies the principle that social connection need notcome at the cost of personal data, and that a nation's digital sovereignty is built not bydeclarations but by systems that protect citizens by default.

The platform's foundation is deeply local. It supports regional languages, neighbourhood-levelnetworks, and verified community spaces designed to reduce misinformation and increase authenticity.District-aware feeds allow users to access local information, events, and enterpriseswithin a verified ecosystem, forming what developers describe as "hyperlocal trust architecture."

The approach turns connectivity into participation, an idea rooted in the country's diversityrather than its demographic scale.

Policy experts see ZKTOR's architecture aligning with India's larger movement from Make inIndia to Secure in India. The same momentum that produced UPI in payments and Aadhaar inidentity is now expanding into the social-communication layer.

If earlier milestones gave India speed and scale, this one gives it integrity, the assurance that itscitizens' conversations, memories, and communities exist within its own jurisdiction.

For a generation that has grown up sharing life online, the emergence of a home-built, fullyencrypted platform carries symbolic weight. It demonstrates that innovation in India no longer imitates; it initiates.

The engineers behind such projects belong to a cohort that measures success through stabilityand ethical design, not just downloads or valuations. Their quiet work reflects a national mood:self-reliant, serious, and globally aware.

ZKTOR's launch also arrives at a time when the global conversation around social media hasturned sceptical. From breaches to algorithmic bias, the trust deficit between users and platformshas widened. By contrast, ZKTOR positions itself as a next-generation network ofaccountability, one that begins not with expansion plans, but with an internal promise: everyconversation remains private, every server remains domestic.

There has been no official statement from Softa Technologies, and none may be needed.The absence of publicity appears consistent with the platform's intent to act, not announce.In the subdued glow of its silent presence, a larger message is visible, one that extends beyond technology itself. Through this quiet creation, the engineers behind ZKTOR seem to have told the world that India has moved past the era of being a global integrator and is fast emerging as a global creator. The platform's design, built entirely on Indian expertise and infrastructure, becomes not just a product but a signal, that the nation is ready to build not only software for the world, but standards for a safer digital civilisation.

The country's journey from outsourcing code to owning its digital narrative has entered a newphase. ZKTOR stands as the quiet milestone of that passage, a silent announcement of trust, adeclaration that India's next revolution will be encrypted, inclusive, and entirely its own.

Error in your ITR filing? Here's how to correct it with an updated return

New Delhi.(Agency)

:If you missed something while filing your income tax return (ITR) for the Assessment Year (AY) 2025–26, don't worry — you still have a chance to correct it. The Income Tax Department allows taxpayers to file an updated return if they realise an error or omission later.

WHAT IS AN UPDATED RETURN?

An updated return is a special provision that gives taxpayers extra time to declare any missed income or correct mistakes made in their original filing. It aims to encourage voluntary compliance by allowing people to come clean without facing harsh penalties.Taxpayers can file an updated return within 48 months (four years) from the end of the financial year. This means that for AY 2025–26, the deadline to file an updated return is March 31, 2030.Even if you have already filed an original, belated, or revised return, you can still file an updated one — unless certain conditions apply.WHEN YOU CANNOT FILE AN UPDATED RETURN

An updated return cannot be filed in all situations. For instance, if your total income shows a loss or the updated filing reduces your tax liability compared to the earlier return, you are not allowed to file one.

It also cannot be filed in cases where a search or survey has been initiated under section 132 of the Income Tax Act during the relevant year. Moreover, once filed, an updated return cannot be revised — it can only be filed once for each assessment year.

ADDITIONAL TAX ON UPDATED RETURNS

Filing an updated return comes with an additional cost. If the updated return is filed within 12 months from the end of the assessment year, an extra 25% of the total tax and interest payable must be paid.

If filed between 12 and 24 months, this increases to 50%. Between 24 and 36 months, the additional tax rises to 60%, and between 36 and 48 months, it goes up to 70%.This additional tax serves as a penalty for late disclosure but still provides a legal route for taxpayers to rectify their mistakes and stay compliant.

Banks to allow up to 4 nominees per account from November 1. Here's how it helps you

New Delhi.(Agency)

\Managing your bank account just got a lot simpler. Soon, you won't have to rely on a single nominee; you can now name up to four people to receive your money or valuables. This change is designed to make claim settlements faster, smoother, and less confusing for families.The decision aims to make the claim settlement process smoother, more transparent, and uniform across all banks in thecountry.The change will come into effect under the Banking Laws (Amendment) Act, 2025, which was notified on April 15, 2025. The Act includes 19 amendments across five key legislations—the Reserve Bank of India Act, 1934; Banking Regulation Act, 1949; State Bank of India Act, 1955; and the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Acts of 1970 and 1980.WHAT THE NEW RULE ALLOWS

Under the new amendments, customers can now name up to four nominees for their bank accounts, either simultaneously or successively. This provision is expected to simplify and speed up claim settlements for depositors and their families.For deposit accounts, depositors can choose between simultaneous or successive nominations. In simultaneous nominations, a depositor can name multiple nominees and specify the percentage of the total entitlement for each. The total share must add up to 100%.In successive nominations, the next nominee's right becomes active only after the death of the nominee placed higher.For articles kept in safe custody or lockers, only successive nominations will be allowed. This means that in the case of the first nominee's death, the rights will automatically pass to the next nominee in the sequence.

Tata Sons IPO: Could the debate around SP Group scuttle the issue

Kolkata.(Agency)

An IPO of the Tata Sons could be the stuff of the dreams of many investors. The holding company of the Tatas is one of the most prestigious companies in the entire country. However, reports indicate that there are differences inn the Tata Group around the Shapporji Pallonji group and this could be an impediment.While an IPO from Tata Sons was being discussed in different circles for quite a long time, recent controversy within the group have gone to an extent when it seems that the public issue has been jeopardised. According to media reports, the Tata trusts who play a major role in the group's affairs, have veered around to the view that a public issue is best not pursued right now since brining in investors from outside will not be in the best interest of the Tata group and such investors can weaken the control of the group..Shapoorji Pallonji Group pressureThe Shapoorji Pallonji (SP) Group has been a major shareholder of Tata Sons and controls about 18% of the holding company of the Tata. They have been pushing for a public issue. The Shapoorji Pallonji group wants to sell its stake and earn a handsome amount. According to reports, while Tata Sons could be valued at Rs 11 lakh crore, the stake of Shapoorji Pallonji could run up to about Rs 2 lakh crore. Thus, Shapoorji Pallonji can earn a handsome amount by selling off its stake in Tata Sons.Reports said that in a recent meeting Noel Tata raised questions about the finances of the Shapoorji Pallonji group. "Why did the SP (Shapoorji Pallonji) Group take a loan of Rs 50,000 crore and where did the money go?" Tata reportedly asked. This question has raised doubts that there was no role of family ties in this decision. The indication is clear: the Tatas are in no mood to bail out the Shapoorji Pallonji group through the public issue that will allow the latter to earn a huge amount through an OFS issue.

Remembering Piyush Pandey: The ad legend who made

New Delhi.(Agency)

The Indian advertising industry lost its most celebrated voice on Thursday as Piyush Pandey, the creative genius who transformed how brands communicated with the nation, died at 70.For over four decades, the Jaipur-born storyteller reshaped Indian advertising, turning simple commercials into cultural phenomena and making brands like Fevicol, Cadbury, and Asian Paints inseparable from the Indian consciousness.

When Piyush Pandey joined Ogilvy in 1982 at age 27, Indian advertising was dominated by Westernised sensibilities, polished English, and foreign aesthetics.What he brought

instead was the color, chaos, and character of real India. Campaigns that spoke like everyday conversations rather than corporate marketing.THE BOY FROM JAIPUR WHO BREATHED ADVERTISING

Born in Jaipur in 1955 to a government bank employee and a homemaker, Pandey grew up as one of nine siblings in a creative household that included filmmaker Prasoon Pandey and singer Ila Arun.After studying history at St. Stephen's College, Delhi, and playing cricket at the Ranji Trophy level, he explored various professions before finding his calling in advertising at age 27.He often said that brands are built with magic and not just logic. This philosophy became the cornerstone of his creative approach, prioritising emotional connection over mere product features.

FEVICOL'S INNOVOTIVE ADS

Perhaps no campaign better exemplifies Pandey's genius than his work for Pidilite's Fevicol adhesive. The iconic

Target announces 1,800 job cuts in a decade amid falling sales

NEW YORK. (Agency)

Target has announced its first major round of job cuts in ten years, with plans to lay off about 1,800 corporate employees as part of a major restructuring effort. The move comes as the US retailer struggles with stagnant sales and growing competition.

INCOMING CEO EXPLAINS THE DECISION

The decision was revealed by Michael Fiddelke, Target's incoming CEO, in an internal memo to employees. He said around 1,000 corporate staff will be let go, while 800 open positions will be closed, together accounting for about 8% of the company's global corporate workforce.EMPLOYEES ASKED TO WORK FROM HOME

All corporate employees in the US have been asked to work from home next week as the company finalises its restructuring process. Those affected by the layoffs are expected to be notified on Tuesday.The decision comes at a crucial time, just weeks before the holiday shopping season, when retailers typically hire more workers, not fewer. According to reports, the move is aimed at streamlining operations rather than cutting costs.

Sensex, Nifty open flat as FMCG stocks offset metal gains

New Delhi.(Agency)

Benchmark stock market indices opened flat on Friday as optimism from a possible India-US trade deal seems to have fizzled out of the market.The S&P BSE Sensex lost 96.63 points to 84,459.77, while the NSE Nifty50 was down by 24.20 points to 25,866.45 as of 9:28 am.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Limited, said that the market rally which began strongly yesterday on news of an imminent trade deal between India and US lost steam midway and completely fizzled out during the last hour.

"The positive news regarding the trade deal was not confirmed by the Indian side. This dampened the spirits of the bulls who couldn't force further short covering. But it is important to note that the commerce minister did say that " we hope to work towards a fair and equitable agreement with the US" and, therefore, the ongoing rally is likely to remain in tact," he added.

Among the top gainers in early trade were Tata Steel, which rose 1.15%, followed by ICICI Bank up 0.88%,

Bharat Electronics Ltd (BEL) up 0.79%, Mahindra & Mahindra up 0.59%, and Bharti Airtel gaining 0.44%.However, the broader sentiment looked weak as several heavyweights dragged the Sensex lower. Hindustan Unilever was the worst performer, falling 3.72%, followed by Kotak Mahindra Bank down 2.02%, Adani Ports slipping 0.83%, Axis Bank down 0.75%, and Titan dropping 0.73%."A US- China trade deal also is likely in the coming summit between the top leaders from both sides. US doesn't have a strong bargaining power with China which has huge leverage in rare earth minerals and magnets. This will force the US to climb down from its unrealistic tough tariff stance. The shorts in the system has come down and, therefore, a strong short-covering rally, which can take the market up significantly is unlikely," said Vijaykumar.

India's private sector expansion eases as flash PMI slips to 59.9 in October

The moderation was led by a slowdown in the services sector.

New Delhi.(Agency)

India's business activity continued to expand strongly in October, but the pace of growth moderated slightly. The HSBC Flash India Composite Purchasing Managers' Index (PMI) eased to 59.9 in October from 61.0 in September, indicating that while overall output remains robust, the momentum seen in recent months has softened.

The moderation was led by a slowdown in the services sector, with the services business activity index falling to 58.8 from 60.9 in September. In contrast, manufacturing showed a mild improvement, rising to 58.4 from 57.7, suggesting that factories are still performing well despite external challenges.New orders continued to rise, though at the slowest pace since May, as demand growth lost some traction. Export

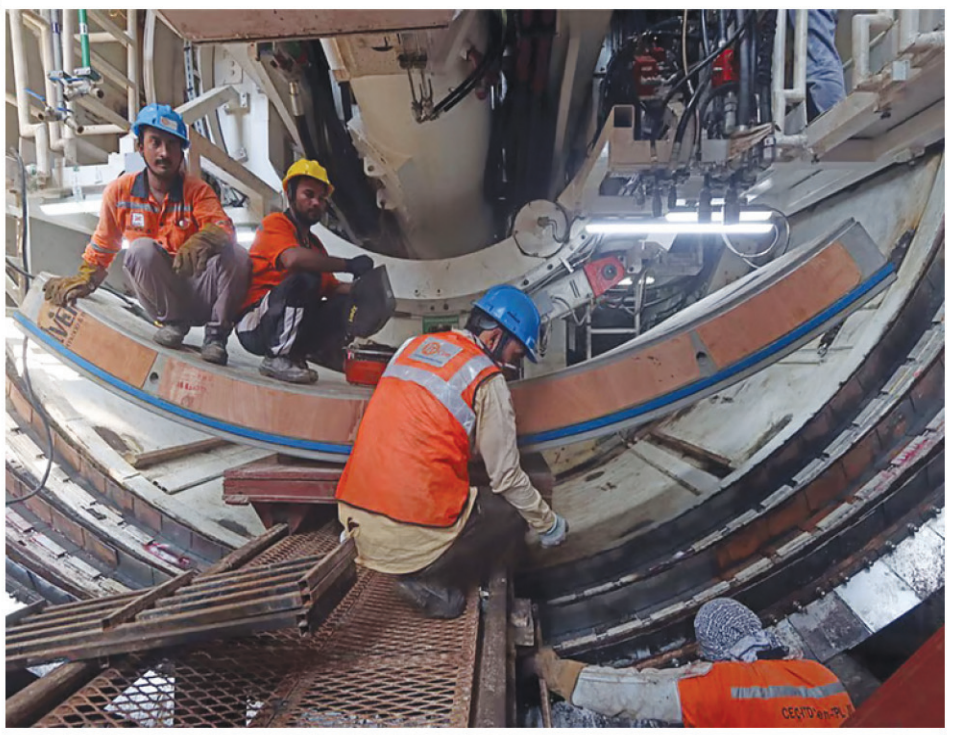

orders weakened to a seven-month low amid softer global conditions. Input cost pressures also eased slightly, but many firms continued to raise selling prices to protect margins, pointing to lingering inflationary tendencies.

Business confidence slipped from recent highs, with several firms citing competitive pressures and concerns about future demand. Although the composite PMI remains well above the 50-mark that separates expansion from contraction, the latest figures suggest that India's private sector is entering a phase of steadier, more moderate growth.

Economists note that the October reading still reflects a healthy level of activity, consistent with strong output and hiring trends. However, the cooling services momentum could temper domestic demand and job creation if it persists.

On the external front, weaker export demand could weigh on manufacturing growth in the months ahead. The moderation in input cost inflation offers some relief for the Reserve Bank of India, though continued price hikes by firms could keep overall inflation sticky.

Overall, the latest flash PMI suggests that India's economy remains resilient but is beginning to settle into a more measured pace of expansion as global and domestic headwinds gradually build.

Mahua Moitra trolled for backing 'brain dead' Diwali post, clarifies later

The BJP's West Bengal unit was quick to criticise Mahua Moitra, stating that she "believes Bangladesh is better than India and has compromised national security in exchange for luxury handbags."

Agency New Delhi.

Trinamool Congress MP Mahua Moitra has issued a clarification after facing widespread criticism for backing a Canadian vlogger's social media post that mocked Diwali and called Indians "brain dead." Moitra said she had mistakenly endorsed the offensive video while travelling, clarifying that she had intended to agree with a different post.

The incident drew sharp condemnation from the BJP, which accused her of displaying "anti-India and anti-Hindu sentiment."On Thursday, Nate, the vlogger with the X handle CelticAshes, posted a video showing garbage scattered on the streets during Diwali celebrations, with police officers urging people to stop littering.

The BJP's West Bengal unit was quick to criticise Moitra, stating that she "believes Bangladesh is better than India and has compromised national security in exchange for luxury handbags."The party alleged that Trinamool MPs view Kashmir as "Azad Kashmir" and mischaracterise terrorists as "tourists."

The BJP further accused the Trinamool-led government in Bengal of committing atrocities against women and children who dare to burst firecrackers during Diwali, and claimed that Kali temples have been attacked simply for hosting Kali Puja celebrations.The statement also referenced Moitra's past remark, in which she described Goddess Kali as a deity who accepts meat and alcohol.

In the wake of the political backlash, Moitra issued a clarification, saying she had accidentally reposted the offensive content while travelling and had not checked her feed carefully. The MP added that she had intended to endorse a different video."Just clarifying my twitter feed was showing a lot of videos and I meant to say 'I agree' to a video just below the racist one by some Nate. My mistake. Travelling and didn't check till now... But (it) was a genuine mistake. Sorry trolls," she posted on X on Friday.

Social media users, however, were less than impressed by Moitra's clarification, with many suggesting she could at least come up with more creative excuses."'My account has hacked' or 'my intern had control of my account' would've been better excuses," one user posted on X.Another said, "Should've gone with 'someone hacked my account' or 'intern had control and posted that tweet'. Would've sold much better as a justification, just saying."

Delhi police bust ISIS-inspired module, foil suicide attack; 2 arrested

Delhi Police Special Cell arrested two ISIS-inspired terror operatives planning a suicide attack in the national capital.

Agency New Delhi.

The Delhi Police Special Cell has busted an ISIS-inspired terror module and arrested two operatives who were allegedly planning a suicide attack in the national capital.The arrests were made following coordinated raids in Delhi and Madhya Pradesh. One of the suspects was arrested from South Delhi, while the second was arrested in Madhya Pradesh.

Preliminary investigations reveal that they were in advanced stages of preparing for an improvised explosive device (IED) blast. The duo had been undergoing training for a suicide mission and were allegedly in contact with handlers linked to the banned terrorist organization ISIS.

Multiple intelligence and security agencies are now jointly interrogating the suspects to trace other members of the module and uncover the full extent of the network's operations.

Maharashtra doctor dies by suicide, writes note on hand accusing cops of rape

Agency New Delhi.

A woman doctor who worked at a government-run hospital in Maharashtra's Satara district was found dead in a hotel room after reportedly dying by suicide. The victim reportedly left a suicide note written on her hand, in which she accused two police officers of raping and sexually assaulting her over a period of five months.On her suicide note, she wrote that PSI Gopal Badane raped her multiple times over five months, as well as sexual harassment, while police officer Prashant Bankar mentally harassed her.

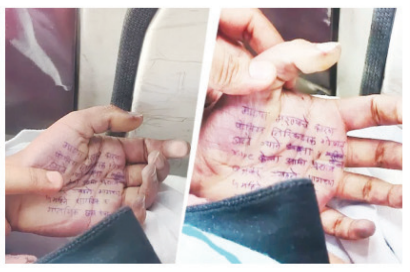

After the incident came to light, the police sent the body for post-mortem examination and began forensic analysis of the suicide note written on the doctor's hand.Authorities have initiated forensic testing of the suicide note to verify its authenticity and to ensure all legal protocols are followed.

The ongoing investigation aims to establish the sequence of events and the extent of any criminal conduct. The post-mortem and forensic findings are expected to play a key role in the legal process moving forward.No official statement has yet been released by the police officers named in the note, nor has there been a formal response from the department regarding the specific allegations.

Chhath Puja 2025 To Generate Rs 38,000 Crore Trade: Traders' Body

Agency New Delhi.

The grand festival of Chhath Puja, dedicated to worshipping the Sun God, is set to give a major boost to the Indian economy, with trade worth around Rs 38,000 crore expected across the country, according to the Confederation of All India Traders (CAIT) on Friday.

This marks a sharp rise of 22.58 per cent from last year's Rs 31,000 crore and Rs 27,000 crore in 2023 -- reflecting the festival's growing cultural and economic significance.

The four-day festival, celebrated with devotion and grandeur, has not only become a symbol of faith and purity but also a driver of local trade and Swadeshi products.CAIT said that around 150 million people are participating in Chhath Puja rituals this year, which include fasting, bathing, and offering prayers to both the setting and rising sun.

Once celebrated mainly in Bihar, the festival has now become a pan-Indian event, symbolising purity, discipline, and the deep connection between nature and humanity.In Delhi alone, Chhath-related trade is expected to cross Rs 6,000 crore this year. The city, which has a large Purvanchali population, has made elaborate arrangements for devotees, setting up around 1,500 ghats for rituals.

Major ghats such as Yamuna Ghat, Kalindi Kunj, Wazirabad, and Geeta Colony have been beautifully decorated to welcome lakhs of worshippers.The festival is celebrated with equal fervour in Bihar, Jharkhand, Uttar Pradesh, West Bengal, Chhattisgarh, Uttarakhand, Haryana, Maharashtra, Madhya Pradesh, and other states.Across India, markets are witnessing massive footfall as devotees purchase traditional Chhath essentials such as bamboo baskets (sup, daura, dalia), earthen lamps, sugarcane, fruits, sweets, sarees, utensils, and puja materials.CAIT Secretary General and MP from Chandni Chowk, Praveen Khandelwal, said Chhath Puja is not just a religious festival but also a reflection of India's social harmony and cultural unity.

Communal Clash Erupts In UP's Kasganj After Dispute Over Car Parking

Agency New Delhi.

A minor argument over car parking turned violent in Uttar Pradesh's Kasganj district on Thursday evening, triggering a clash between two communities that led to firing and stone throwing in the Soron town. The communal clash left at least one injured and led to prompt police deployment in the area. The police have arrested three people in connection with the clash and recovered some weapons.

The confrontation began with a person objecting to a car being parked on the roadside. Claiming that the car blocked his way, he asked the car's owner, Riyaz Ahmed, to move it. The argument quickly escalated, and in a fit of anger, he allegedly kicked the vehicle. Within moments, members from both sides gathered, and the situation turned volatile.

Sources said that some people later approached the local police station and lodged a complaint. While returning, they were allegedly confronted again by some men from the other side. This reignited the confrontation, leading to stone throwing and gunfire that caused panic among the locals.

Police responded immediately after receiving distress calls and deployed additional police forces across sensitive areas to prevent any further flare-up.Riyaz Ahmed, who was injured in the clash, was taken to a local hospital and later referred to Aligarh Medical College for further treatment.

Kasganj Additional Superintendent of Police, Sushil Kumar, who visited the area to assess the situation, said police presence has been intensified, though the situation remains under control. "We conducted late-night raids at multiple locations, arrested three suspects, and recovered some weapons," he added.

Government backs women for night shifts, issues guidelines for employers

Agency New Delhi.

Weeks after announcing amendments to ensure all safeguards under the Delhi Shops and Establishment Act and issuing suitable notifications under the Factories Act, the Delhi government has formally allowed the engagement of women workers in night shifts at shops and commercial establishments.

The notification, issued on Thursday, follows a high-level meeting chaired by Delhi Lieutenant Governor Vinai Kumar Saxena and Chief Minister Rekha Gupta in July, where it was decided that women employees could work night shifts in the national capital with their written consent, as part of efforts to ensure 'ease of doing business' and promote 'maximum governance-minimum government.'

Delhi, being the national capital, should have set an example for other states, but restrictive and outdated laws had long discouraged businesses and economic activity, the L-G said.

The notification further states that every employee will be entitled to double pay for overtime and a maximum of 48 working hours per week, in accordance with the Delhi Shops and Establishment Act. Internal Complaints Committees will also have to be constituted at workplaces.

The government's labour department, through this notification, added new provisions regarding the employment of women and the conditions of their work. It mandates that written consent from women employees is compulsory for night duties. No employee shall work for more than nine hours a day (including meal and rest time) or 48 hours a week, and not more than five hours at a stretch. Employers must make adequate arrangements for safety, security, and transportation for employees working overtime or night shifts. Overtime wages will be paid at double the normal rate as provided under Section 8 of the Delhi Shops and Establishment Act, 1954. Shift schedules must ensure that no employee is forced to work night shifts exclusively," the notification added.

Goverment to make all streetlights smart by October end

Agency New Delhi.

The Public Works Department (PWD) will float a comprehensive tender to replace all the existing 92,163 streetlights with smart LED streetlights across the city by this month, the officials said.According to the officials, while some roads have LED lights, a large number of old HSPV (sodium) streetlights need to be replaced.

While tenders for the replacement of streetlights were floated earlier by each division of PWD separately, it was later decided that a comprehensive tender will be floated for the entire city," a senior government official said. Chief Minister Rekha Gupta had announced last month that the government will replace all the streetlights with modern technology.

Earlier this month a review meeting was held under the chairmanship of PWD Minister Parvesh Verma, where the project was discussed."Directions were given to finalise the project by October and convert all the streetlights into smart streetlights with an automatic switch-off and on system and online monitoring," the official said. Currently, of the nearly 92,163 streetlights managed by the PWD, 45,000 still run on conventional HPSV (sodium) fittings, while the existing LED lights will be converted into smart LED lights to ensure better illumination, reduced electricity consumption, and longer lifespan.

By making this switch, the Delhi government expects to save around Rs 31.53 crore annually in electricity and maintenance costs, officials said. For real-time monitoring and fixing defects in a time-bound manner, each smart light will be connected to a mobile-based application, they added.

Piyush Pandey, legendary adman known for Fevicol, Vodafone pug campaigns, dies at 70

From Cadbury's 'Kuch Khaas Hai' and Asian Paints' 'Har Khushi Mein Rang Laye' to Vodafone's iconic pug ad, Piyush Pandey's ideas became ingrained in Indian pop culture. His slogan "Ab ki baar, Modi sarkar," created for Prime Minister Narendra Modi's 2014 election campaign, also went on to become a widely recognised political catchphrase.

Agency New Delhi.

Advertising legend Piyush Pandey, known for iconic campaigns for Fevicol and the Vodafone ad featuring the pug, died on Friday at the age of 70. Regarded as a pioneer in India's advertising industry, he leaves behind a legacy of memorable campaigns.From Cadbury's 'Kuch Khaas Hai' and Asian Paints' 'Har Khushi Mein Rang Laye' to Vodafone's iconic pug ad, Pandey's ideas became ingrained in Indian pop culture.His slogan "Ab ki baar, Modi sarkar," created for Prime Minister Narendra Modi's 2014 election campaign, also went on to become a widely recognised political catchphrase.

Condoling the veteran adman's death, Prime Minister Narendra Modi said he would "cherish our interactions over the years"."He made a monumental contribution to the world of advertising and communications. I will fondly cherish our interactions over the years. Saddened by his passing away. My thoughts are with his family and admirers," he tweeted.

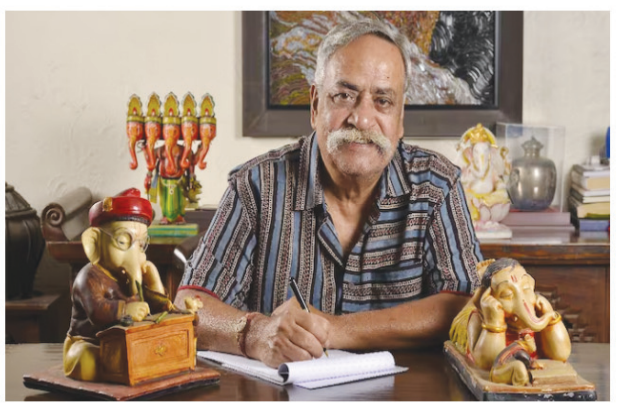

"His creative genius redefined storytelling, giving us unforgettable and timeless narratives. To me, he was a friend whose brilliance shone through his authenticity, warmth, and wit. I will always cherish our engaging interactions. He leaves behind a deep void that will be hard to fill. My deepest condolences to his family, friends, and admirers," he posted on X.

Close friend Suhel Seth posted on X: "Deeply, deeply saddened and devastated at the loss of the genius that my dearest friend Piyush Pandey was. India has not just lost a great advertising mind but a true patriot and a fine, fine gentleman. Now the heavens will dance to Mile Sur Mera Tumhara."

Seth was referring to the patriotic song "Mile Sur Mera Tumhara" created for the National Integration campaign in 1988 and sung by Pandey.

A distinguished advertising professional, Pandey served as Ogilvy's Chief Creative Officer Worldwide (2019) and Executive Chairman India. He was the recipient of the LIA Legend Award in 2024 and the Padma Shri in 2016.The Sunlight Detergent print ad was the first advertisement he ever wrote.Pandey's iconic work spans a wide range of campaigns. His memorable commercial work includes the Polio awareness campaign with Amitabh Bachchan, Fevikwik's "Todo Nahin, Jodo", Ponds' Googly Woogly Woosh, Vodafone's ZooZoo campaigns, and campaigns for Gujarat Tourism, anti-smoking initiatives for the Cancer Patients Association, among others.

NEWS BOX

Elon Musk's "If She's A 10" Remark On "Silicon Valley Sex Warfare" Report

WASHINGTON . (Agency)

The world's richest man, Elon Musk, has reacted to a report claiming Chinese and Russian operatives are targeting the American tech industry through deception and seduction. Sharing a screenshot of The Times (UK) report, headlined "Female spies are waging 'sex warfare' to steal Silicon Valley secrets," the SpaceX CEO referred to the latest meme and wrote, "If she's a 10, you're an asset."Silicon Valley is a global hub for major tech companies, including Facebook, Apple, and Google.The report alleged that China and Russia are sending attractive women to seduce tech workers - even marrying and having children with their targets. "It's the Wild West out there," the report mentioned.James Mulvenon, who works as the chief intelligence officer at Pamir Consulting (a company that helps American businesses understand risks when dealing with China), said that he was recently targeted by women working as spies, according to The Times. These women tried to use romantic or sexual tricks to get access to secret information about US technology, he alleged.According to the report, China is also organising startup competition inside the US to allegedly steal business ideas. Some even claim that it's been trying to damage the US tech ecosystem.Back in February, a US House committee warned that China's Communist Party had been involved in more than 60 spying cases in the US over the last four years. A former intelligence officer said that number was probably much higher.

"China is targeting our strtups, our academic institutions, our innovators, our DoD-funded research projects. But there's not enough oversight and action," said Jeff Stoff, a security academic and former China and national security analyst for the US government.

India-US Scholar Ashley Tellis Denies China Link In Espionage Case, Gets Pre-Trial Release

world.(Agency)

A US court has granted pre-trial release to Indian-American scholar Ashley Tellis in a purported espionage case. Attorneys of Tellis, who is accused of keeping more than 1,000 pages of classified records in his basement, have pledged full cooperation with authorities, citing the 64-year-old scholar's "lifelong commitment to American national security".A prominent expert on Indian and South Asian affairs, Tellis has worked in Washington think tanks and diplomatic circles for more than 20 years. He was arrested last week after the FBI searched his Vienna, Virginia, residence and found more than 1,000 pages of top-secret or secret documents in a basement home office area.

He was later charged by criminal complaint with the unlawful retention of national defence information and faces up to 10 years in prison.

Arguments In Court

During a preliminary appearance before a Virginia district court judge, Tellis's attorneys said he had been cooperating with investigators since his arrest and was released from jail to home confinement on Tuesday.A respected voice in Washington's foreign policy establishment, Tellis is currently a senior fellow at the Carnegie Endowment for International Peace, specialising in international security, defence, and Asian strategic issues. He held senior positions under former President George W Bush and remained an unpaid advisor to the State Department. During the hearing, Tellis's attorneys pushed back on the Justice Department's legal filing that suggested Tellis may have leaked classified US defence records to China. The defence argued that the Justice Department overreached against a supposed US patriot whose "scholarly curiosity", and not malice, led to the benign hoarding of classified documents found in his home.

Alaska Airlines Grounds Its Aircraft Due To Technology Outage

Seattle .(Agency) :

An information technology outage has prompted Alaska Airlines to ground its planes, the airline said Thursday.The company said in a post on the social platform X that it imposed a “temporary ground stop.” It recommended that passengers check their flight status before heading to the airport.We apologise for the inconvenience,” the post said.

The airline didn't immediately respond to an email requesting more information. The grounding was affecting Alaska Air and Horizon Air flights.

READ: Alaska Airlines Flight Makes Emergency

Landing After Passenger Attacks Cabin Crew Mid-AirHawaiian Airlines, which was bought by Alaska Air Group last year, said its flights are operating as scheduled.In July, Alaska grounded all of its flights for about three hours after the failure of a critical piece of hardware at a data center.There has been a history of computer problems disrupting flights in the industry, though most of the time the disruptions are only temporary.

New Japan PM vows to take US ties to 'new heights' with Trump

Japan's first woman prime minister also has a host of other complex issues to tackle in the coming months, including a flatlining economy and a declining population.

TOKYO . (Agency)

Japan's new Prime Minister Sanae Takaichi said Friday she will bring US ties to "new heights" in talks with President Donald Trump, while taking a swipe at China and vowing a stricter stance on foreigners.

In her first policy speech, Takaichi also told a rowdy parliament that the target of spending two percent of gross domestic product on defence will be brought forward by two years.Trump, who wants Tokyo and other allies to boost their military spending, is due to visit Japan next week -- just days after Takaichi took office.Tokyo's previous target was to spend two percent of GDP on defence in the 2027-28 fiscal year but Takaichi wants this achieved in the current tax year.Takaichi said she would build "a relationship of trust" during Trump's visit, "elevating the Japan-US relationship to new heights".

During her maiden speech, China hawk Takaichi also warned that "the military activities of neighbouring countries -- China, North Korea and Russia -- have become a grave concern.""The free, open and stable international order we have grown accustomed to is being profoundly shaken by historic shifts in the balance of power and intensifying geopolitical competition," she said.

Takaichi has previously said that "Japan is completely looked down on by China", and that Tokyo must "address the security threat" posed by Beijing, while calling for more security cooperation with Taiwan.

But Japan's first woman prime minister also has a host of other complex issues to tackle in the coming months, including a flatlining economy and a declining population.On Friday she said the country needed foreign workers to address labour shortages, but alluded to growing anxiety over foreigners in Japan, a country with historically low levels of immigration.

"Some illegal activities and breaches of rules by certain foreigners have created situations where members of the public feel uneasy and perceive unfairness," Takaichi

said."While we draw a clear line from xenophobia, the government will respond resolutely to such acts," she added, saying they will enforce compliance with existing rules and examine sensitive issues such as land acquisition.The populist Sanseito party, which calls immigration a "silent invasion", has been making gains in recent elections.Rising inflationA new poll published Thursday by the Yomiuri Shimbun daily put support for Takaichi at 71 percent, the fifth-highest for a new cabinet since 1978.Ahead of her parliament address, Takaichi had promised to ease pressure on households, saying the cost-of-living squeeze was a priority and telling her cabinet to draw up measures to address it.However, there was little further detail Friday on the promised economic package.Takaichi's predecessor Shigeru Ishiba survived barely a year in office, with voters hammering the ruling party in elections partly because of rising prices.Official data Friday showed inflation accelerated last month, with the consumer price index jumping to 2.9 percent in September from 2.7 percent the previous month.But without volatile fresh fruit and energy prices, the reading eased to 3.0 percent from 3.3 percent.A particular cause of voter anger over the past year has been skyrocketing prices for rice.This was linked to a very hot summer in 2023 and panic-buying after a "megaquake" warning last year, amongst other factors.

South Korea says 'considerable' chance Kim, Trump will meet next week

While no official announcements of the duo's meeting have been made, South Korea and the United Nations Command halted tours of the JSA from late October to early November.

SEOUL. (Agency)

South Korea's unification minister said Friday he believed there was a "considerable" chance that US President Donald Trump will meet North Korean leader Kim Jong Un during a visit to the peninsula next week.Trump is expected in South Korea on Wednesday for the Asia-Pacific Economic Cooperation (APEC) Forum.US media have reported officials from his administration have privately discussed setting up a meeting between Trump and North Korean leader Kim, with whom he last held talks in 2019.North Korea appears "to be paying attention to the United States and various signs... suggest a considerable possibility of a meeting," unification minister Chung Dong-young told reporters.Trump has said he hopes to meet Kim again -- possibly this year.Kim said last month he had

"fond memories" of Trump and was open to talks if the United States dropped its "delusional" demand that Pyongyang give up its nuclear weapons.Seoul on Friday urged the two leaders not to let the chance "slip away"."I don't want to miss even a one percent chance," the unification minister said.

"They need to make a decision," Chung, whose ministry handles fraught relations with the North, added.

Kim and Trump last met in 2019 at Panmunjom in the Joint Security Area in the Demilitarised Zone (DMZ) separating the two Koreas -- the only place where soldiers from both sides face each other on a regular basis.

While no official announcements of the duo's meeting have been made, South Korea and the United Nations Command halted tours of the JSA from late October to early November.Minister Chung said North Koreans have been spotted "sprucing up" areas near the JSA for the first time this year -- cleaning, pulling weeds, tidying flower beds and taking photos around Panmunjom.

China, US 'can find ways to resolve concerns': Commerce Minister Wang Wentao

BEIJING. (Agency)

Beijing and Washington "can totally find ways to resolve each other's concerns", the Chinese commerce minister said Friday, as officials from both sides were to meet in Malaysia for trade talks.

The world's two biggest economies have spent a large part of this year locked in a tit-for-tat trade row, though they currently appear to be seeking to avoid further escalation.Chinese vice premier He Lifeng is leading a delegation to meet US counterparts in Malaysia from October 24 to 27, Beijing said Thursday, the latest of several such roundsof negotiations.

On Friday, Commerce Minister Wang Wentao said the previous meetings had shown "China and the United States can totally find ways to resolve each other's concerns".The two can "find correct ways to coexist, and promote the healthy, stable and sustainable development of China-US economic ties through mutual respect and equal consultation", he told a news conference marking the end of a key political meeting in Beijing.US President Donald Trump will meet his

Chinese counterpart Xi Jinping in South Korea next Thursday, the White House said, having previously threatened to cancel.Beijing ths month announced sweeping controls on the critical rare earths industry, prompting Trump to threaten 100 percent tariffs on imports from China in retaliation.The two countries also began applying arrival fees against each other's ships, sparked by a US "Section 301" investigation that found Beijing's dominance in the industry was unreasonable.

What to know about Argentina's midterm vote, a pivotal test for Trump ally President Milei

BUENOS AIRES..(Agency)

Anyone who watched U.S. President Donald Trump vow to condition financial aid to cash-strapped Argentina on the outcome of a "very big" and "very important" vote in the South American country would be forgiven for thinking that his close ideological ally, Argentine President Javier Milei, was up for reelection.

But no. The vote that Trump was talking about earlier this month is, in fact, a midterm election for less than half of the Argentine Congress.Now the explosive comments, combined with a dizzying series of scandals and setbacks for Milei, have cranked up the pressure on Argentina's libertarian president and transformed Sunday's limited vote into a major political test that could help determine the fate of Milei's free-market experiment.

"We've made it to the elections on our feet, and on Sunday Argentina will really change," Milei said in a fiery final campaign speech late Thursday from the port city of Rosario.

A rapid change in fortunes

At the start of the year, pollsters and pundits were predicting a smashing success for Milei in the midterms.

His huge cuts to state spending delivered Argentina's first fiscal surplus in nearly 15 years and pulled down monthly inflation from 25.5% to 2%. Argentines celebrated relief from ever-rising prices and took comfort in a strong peso that made it cheaper for them to snap up imported goods and vacation abroad.With his approval ratings high, Milei took victory laps through Europe, Latin America and, most frequently, Trump's Mar-a-Lago club, railing against the evils of socialism and the corruption of the political elite. He pushed key deregulation laws through an opposition-dominated Congress, allying with the right-wing PRO party of former President Mauricio Macri and striking deals with moderate governors.

How quickly the mood turned.

Milei's aura of infallibility first began to crack in February, when he promoted a dodgy memecoin on his social media account that quickly collapsed, leading to $250 million in losses for investors. Then in August, Milei's powerful sister was accused of taking bribes from a government medicine supplier. She denies wrongdoing.The latest blow came earlier this month, when Milei's leading candidate in Buenos Aires province, José Luis Espert, dropped out of the midterm race after admitting he received $200,000 from a businessman indicted in the U.S. for drug trafficking. He says it was for consulting services.The controversies have hurt Milei's reputation as a straight-talking outsider determined to tear down the corrupt establishment, experts say, particularly at this time of harsh austerity."It was the first wake-up call when people started to ask, maybe (Milei and Karina) are asking us to make sacrifices that they're not making themselves," said Eugenia Mitchelstein, the chair of the social sciences department at Buenos Aires' San Andrés University.

India 'scaling back' Russian oil imports at Trump's request, claims White House

The US president and his administration have been claiming for the past few days that India has assured that it will significantly reduce its oil imports from Russia.

world . (Agency)

.The White House has claimed that India has begun "scaling back" its oil purchases from Russia at the "request" of US President Donald Trump.Addressing a press briefing on Thursday, White House Press Secretary Karoline Leavitt said, "If you see and read the sanctions on Russia, they are pretty hefty."Leavitt was referring to the US sanctions on Russia's two largest oil companies, Rosneft and Lukoil, on Wednesday, as part of its efforts to choke off key revenue streams for Moscow amid

the Russia-Ukraine war.

"I saw some international news that suggests China is scaling back oil purchases from Russia; we know that India has done the same at the request of the President," she claimed.Leavitt said Washington has also urged its European allies to cut their Russian oil imports as part of what she called a "full-court press" against Moscow's war-financing channels.

The US president and his administration have been claiming for the past few days that India has assured that it will significantly reduce its oil imports from Russia. Trump had further warned that New Delhi would face “massive” tariffs if it failed to do so. However, India has been maintaining that its energy policy is guided by its own national interest, especially ensuring affordable and secure supplies for its consumers.According to theUS, India is helping Russian President Vladimir Putin to finance the Ukraine war through its purchase of crude oil from Moscow.Relations between New Delhi and Washington have been under severe stress after Trump doubled tariffs on Indian goods to a whopping 50%, including a 25% additional duty for India's purchase of Russian crude. India described the US action as "unfair, unjustified and unreasonable."Leavitt said Trump had long signalled that he would act against Russia "when he felt it was appropriate and necessary, and yesterday was that day." She said Trump has "long expressed his frustration" with Putin for showing "not enough interest or action" in moving toward a peace settlement.

Trump and Putin were expected to meet later this year in Hungary, but the meeting has now been postponed indefinitely. However, Leavitt said a meeting between the two leaders "is not completely off the table" and "can happen again one day.”

NEWS BOX

Calmness and clarity: What makes Smriti Mandhana, Pratika Rawal combination click

New Delhi. (Agency)

India's current opening pair of Smriti Mandhana and Pratika Rawal so effective. The duo played a starring role in India's recent win over New Zealand during the Women's World Cup league stages, a victory that secured India's place in the semifinals of the ICC showpiece event.Speaking on Star Sports, Chopra highlighted how the pair complement each other perfectly, emphasising that they have a clear understanding of their respective roles. Since forming the opening partnership, Mandhana has typically taken on the role of the aggressor, playing attacking strokes and putting pressure on the opposition. In contrast, Rawal adopts a more measured approach, pacing her innings carefully while keeping the scoreboard ticking. This balance of aggression and composure, Chopra explained, makes them a well-rounded and reliable opening combination."What makes Smriti and

Pratika's partnership special is their calmness and clarity," Chopra said. "They understand their roles perfectly. Smriti even mentioned after winning Player of the Match that they focus on playing their individual games and trust that the partnership will deliver results. For any opening pair, understanding each other's strengths and complementing them is crucial."Chopra also praised Rawal's remarkable evolution as a cricketer. Despite not being part of the Women's Premier League (WPL), Rawal has made a name for herself at the international level. Since her debut, she has accumulated over 1,000 runs in ODIs in just 23 innings — a remarkable feat that speaks volumes about her consistency and temperament.

Aaj farewell match tha: Rohit Sharma reacts to Gambhir's joke after Adelaide 73

New Delhi. (Agency)

VWhile India opener Rohit Sharma silenced his critics with a gritty 73 in the Adelaide ODI against Australia, head coach Gautam Gambhir seized the moment to make a light-hearted joke about the retirement buzz surrounding the star batter.In a video that quickly went viral, Gambhir is seen joking with Rohit on their way to the team hotel, teasing him about a possible farewell match and asking him to pose for a photo.The clip shows Gambhir saying, "Rohit, sabko lag raha tha ki aaj farewell match tha, ek photo to lagaa do." Fans loved the light-hearted moment, especially after Rohit's impressive 73 in Adelaide that dialled down the increased retirement speculations after his eight-run outing in the Perth ODI.Rohit, however, responded to the pressure with

patience and determination at the Adelaide Oval. Facing a pitch offering movement and bounce for the Australian pacers, he anchored the innings, scoring 73 runs off 97 balls, reaching his fifty in 74 deliveries—his slowest ODI fifty since 2015. He gave himself time to read the conditions, contrasting sharply with his tentative return in Perth, and combined with vice-captain Shreyas Iyer for a crucial 118-run partnership, finding boundaries when needed.His innings ended in the 30th over when a short delivery from Mitchell Starc forced him into a mistimed shot. Despite Rohit and Iyer's resilient stand, India could not prevent Australia from chasing the 265 target, as a strong partnership between Matthew Short and Cooper Connolly secured a two-wicket win, handing the series to the hosts.

After Asia Cup hockey, Pakistan pull out of junior World Cup in India

Pakistan have pulled out of the upcoming junior Hockey World Cup in India. The International Hockey Federation has revealed that they would announce the replacement soon.

New Delhi. (Agency)

Months after deciding not to travel to India for the Asia Cup in hockey, Pakistan has now withdrawn from the Junior Hockey World Cup, scheduled to be held in Chennai and Madurai from 28 November to 28 December. The International Hockey Federation (FIH) confirmed the development on Friday, 24 October, stating that a replacement team for Pakistan would be announced shortly.Pakistan was drawn into a group alongside India, Chile, and Switzerland in the 24-team Junior Hockey World Cup. Earlier, Bangladesh had replaced Pakistan in the Asia Cup, which took place in Rajgir, Bihar, after the former Asian champions withdrew from the tournament.Reports suggest that Pakistan's withdrawal from both events stems from security concerns amid strained bilateral ties between the two nations. The Pahalgam terror attack in April claimed multiple civilian lives, and India's subsequent retaliation through Operation Sindoor has heightened tensions and affected sporting relations. Pakistan Hockey Federation president Rana Mujahid reportedly cited incidents during the Asia Cup (cricket), including moments when Indian players refused to shake hands with their Pakistani counterparts, as evidence of ongoing challenges in bilateral sports diplomacy.The FIH confirmed that a replacement team for the Junior Hockey World Cup would be announced soon, ensuring that the tournament proceeds with a full roster of qualified teams. While Pakistan's absence is significant, the focus now shifts to the other participants, who are preparing for a high-stakes tournament featuring some of the most promising young hockey talent from around the world.

The Indian government had recently formalised a policy restricting bilateral sporting ties with Pakistan, but clarified that Indian teams would still participate in multinational events where Pakistan is present. Despite these tensions, organisers are committed to ensuring that the Junior Hockey World Cup runs smoothly from 28 November to 28 December across Chennai and Madurai.With Pakistan's withdrawal, teams in their group, including India, will face a revised competition schedule, while fans will be watching closely to see how the tournament unfolds. The Men's Junior Hockey World Cup remains a key platform for emerging stars, offering a chance to gain international exposure and showcase talent on one of hockey's biggest stages.

Dad saw the spark at 3, Pratika Rawal lights up the World Cup 22 years later

New Delhi. (Agency)

As Pratika Rawal removed her helmet to celebrate her maiden Women's World Cup century against New Zealand at the Dr DY Patil Stadium in Navi Mumbai, the crowd erupted in delight. The 25-year-old raised her bat to acknowledge the roaring support as chants of "Pratika! Pratika!" echoed throughout the stadium.Among the 25,166 spectators cheering for India's rising star was a familiar face – one who had dreamt of this moment all his life and was overwhelmed to see it unfold before his eyes. Pratika's father, Pradeep Rawal, was in attendance to witness his daughter announce herself on the grand stage of the World Cup.Watching her realise a dream he had nurtured for years, Pradeep was both elated and emotional – his decision to train Pratika, a student of psychology, from the tender age of three now vindicated in the most spectacular fashion.

STORIES YOU MAY LIKE

Woman steals spotlight with impromptu Diwali dance at office, video wows 12 million13-year-old crushed by Thar in broad daylight — Driver released on bail

Maharashtra doctor dies by suicide, writes note on hand accusing cops of rape

Coming into the match amid murmurs about her strike rate, Pratika began her innings in her typically composed manner before pacing it beautifully to produce the finest knock of her career so far. A sublime innings of 122 off 134 balls, laced with 13

fours and two sixes, helped India post a commanding total of 340 for 3 in 49 overs.She was involved in a monumental 212-run opening partnership with Smriti Mandhana, who herself struck a scintillating 109 off 95 balls, showcasing her trademark strokeplay with elegance and authority.As Pratika soaked in the rapturous applause from the crowd for her stellar performance, Pradeep watched on from a distance, savouring every second of a moment he had long envisioned — his daughter shining on the world stage.

'Pratika! Pratika! chants made me emotional'

"I was inside the stadium, and whenever the crowd roared 'Pratika Rawal! Pratika Rawal!', I got goosebumps. I felt an immense sense of pride, seeing my child playing for India. The one we trained and watched grow up is now representing the country, playing in a World Cup, and that too, in such a crucial match. It was a real do-or-die game today, and she scored a hundred — her first in a World Cup. That makes me extremely proud," Pradeep told IndiaToday.in.Pradeep has played a pivotal role in shaping his daughter's career, beginning her training at the tender age of three. A medium pacer and hard-hitting batter during his university days, he adopted a contrasting approach while coaching his daughter, urging her to play along the ground – a trait that laid the foundation for her elegant batting style. He also credited Railways coach Deepti Dhyani for transforming Pratika's game after taking her under her wing in 2017.

AUS vs IND: Glenn Maxwell returns from injury as Australia revise T20I squad

New Delhi. (Agency)

Australia have made sweeping changes to their T20I squad, which will face Suryakumar Yadav-led India in a five-match series from 29 October to 8 November. All-rounder Glenn Maxwell will return to competitive action for the first time since September 2024, having fully recovered from a fractured wrist. The World Cup winner, who retired from one-day internationals earlier this year, is set to feature in the last three matches of the series.

Maxwell sustained the wrist fracture while bowling in the nets ahead of Australia's three-match T20I series in New Zealand in September. His inclusion is a significant boost for the Australian team as they ramp up

preparations for next year's T20 World Cup, which will be held in India and Sri Lanka from February to March.Fast bowlers Josh Hazlewood and Sean Abbott will not feature for the entire duration of the T20I series. Hazlewood is set to be released after two matches, while Abbott will exit the squad following three matches. Both pacers are expected to begin preparations for red-ball cricket ahead of the highly anticipated Ashes series against England, which starts on 21 November.Australia have also added 20-year-old fast bowler Mahli Beardman for the last three matches. Beardman impressed in the U19 World Cup, taking 10 wickets in six matches with explosive spells. He is likely to make his debut during the T20I series, filling the void left by Hazlewood and Abbott.In addition, wicketkeeper Josh Philippe has been added to the squad for all five matches, and fast bowler Ben Dwarshuis for the last three matches. Josh Inglis will take primary responsibility for wicketkeeping during the series, with Philippe acting as his back-up.

Mbappe's Real Madrid aiming to end Barca Clasico dominance

BARCELONA. . (Agency)

Last season Barcelona romped to four Clasico victories over Real Madrid but led by in-form striker Kylian Mbappe, Los Blancos are aiming to redress the balance on Sunday in La Liga.Hansi Flick's side won a domestic treble, beating Madrid twice in La Liga and in the Copa del Rey and Spanish Super Cup finals, precipitating the end of Carlo Ancelotti's reign.

The Italian's replacement Xabi Alonso has started well, with Madrid leading Barcelona by two points at the top of the table going into the clash at the Santiago Bernabeu.

Madrid have some doubts around them regarding their performance in big matches, having lost against Paris Saint-Germain in the Club World Cup semi-finals this summer and then suffering a 5-2 thrashing by Atletico Madrid in a derby in September.

A victory in the Clasico would open up a five-point gap on their rivals and ease those concerns, while Flick's Barca are yet to reach the same level they managed last season.Madrid striker Mbappe, however, has hit new heights in the current campaign after finishing the previous campaign strongly.Mbappe scored in his 11 previous

consecutive matches for club and country before Wednesday's Champions League win over Juventus, in whih Jude Bellingham netted the only goal.

The 26-year-old has scored 10 of Madrid's 20 La Liga goals, leading Spain's scoring charts, and has 15 for his club across all competitions, totalling 54 percent of their goals."We're not dependent on him," said Madrid coach Alonso last week, although the statisics hint otherwise."We are very happy with his performance, he's being decisive."Mbappe struggled for confidence and form in his early days at Madrid, with his first Clasico a huge disappointment.

Exactly a year before this weekend's Clasico, Barcelona visited the Bernabeu and came away with a 4-0 victory, a match notable for the French superstar's struggle to beat the Catalans' high defensive line in his first outing against them for Madrid.

Mbappe had one goal disallowed for offside and was caught offside eight times in total. The forward was "shrunken and without venom", wrote Spanish newspaper AS.

"It's time to change my situation and show who I am as a player," pledged Mbappe a few weeks later as Madrid continued to slump.By the time Mbappe faced Barcelona next, in the Spanish Super Cup final in January, he had clicked into a higher gear.

Kuldeep Yadav a must for 3rd ODI vs AUS, can't keep adding batters: Parthiv Patel

Former India batter Parthiv Patel urges inclusion of Kuldeep Yadav in Sydney ODI. He says India must balance batting with spin options to take crucial wickets and strengthen their middle overs against

New Delhi. (Agency)

Former India batter Parthiv Patel believes India should include wrist-spinner Kuldeep Yadav in the third ODI against Australia in Sydney, a match that could be crucial for salvaging some pride after the series defeat. Patel stressed that India cannot rely solely on batting depth and that Kuldeep's wicket-taking ability and spin skills are needed to pose a stronger challenge after losses in Perth and Adelaide.

Kuldeep Yadav is yet to feature in the ongoing ODI series against Australia, having been left out of both the Perth and Adelaide matches. His exclusion sparked criticism from fans directed at India head coach Gautam Gambhir and captain Shubman Gill, with many expecting changes, particularly in the bowling department, after India's pacers struggled to make an impact against an Australian batting lineup still in transition.India's playing XI in both ODIs has relied heavily on batting, with five specialist batters and three bowling all-rounders, stretching the lineup down to number eight. Speaking after the Adelaide ODI, Parthiv Patel highlighted the need for balance and the importance of including a player like Kuldeep, who can break crucial partnerships and strengthen India's bowling in the middle overs."We will definitely see Kuldeep Yadav playing in the third ODI. As far as the combination is

concerned, India will have to trust their top order, whether it's about performance or runs and stick with the right balance. There's no need for an extra cushion in batting," Parthiv Patel told Star Sports."Kuldeep Yadav can provide those crucial wickets in the middle overs that India has been missing. If your top-order batters get out early, that's part of the game. You can't keep adding more batters to cover for that. The focus should be on playing the best combination to win," he added.

India went unchanged for the Adelaide ODI, continuing with a three-pacer setup featuring Harshit Rana, Arshdeep Singh, and Mohammed Siraj. Spin-bowling all-rounders Axar Patel and Washington Sundar remained in the side, while Nitish Kumar Reddy provided an extra seam option in the lower order.Defending 265 runs, Arshdeep took 2 wickets for 41 runs, Siraj claimed one while conceding almost the same number of runs, and Harshit Rana gave away 59 runs despite taking 2 wickets. Even the spinners, Washington and Axar, could not make a significant impact against Australian batters Matthew Short and Cooper Connolly.

Tejasswi Prakash

Gets Papped Exiting A Salon, Flaunts Her Flawless Makeup

Diwali bashes seem to be never-ending in the film and television industry. Tejasswi Prakash was spotted exiting a salon after getting ready, reportedly to attend yet another star-studded party in town. It was her camaraderie with the paparazzi that captured our attention.In a video posted on Instagram, Tejasswi Prakash was seen exiting one of the hugely popular salons in Mumbai. Despite being mobbed by the shutterbugs, she walked straight towards her car. Initially, she was seen waving towards them, but soon after, she began smiling with a bit of shyness.

Decoding Tejasswi Prakash's Breathtaking Look

Decked up in a shimmery pre-draped saree, the actress looked every bit stunning. She teamed the six yards of elegance with a shimmery sleeveless blouse adorned with tassel detailing near the hemline.Tejasswi opted for glam makeup, which included a dollop of blush on her cheeks, glossy lipstick and thin strokes of eyeliner. Her overall charm was accentuated by her wavy, open tresses flawlessly touching her shoulders. A matching lavender-coloured bag, a chic diamond necklace, and a pair of white heels finished off her look for the night.

Tejasswi Prakash's Fans Are In Love With Her Flawless Beauty

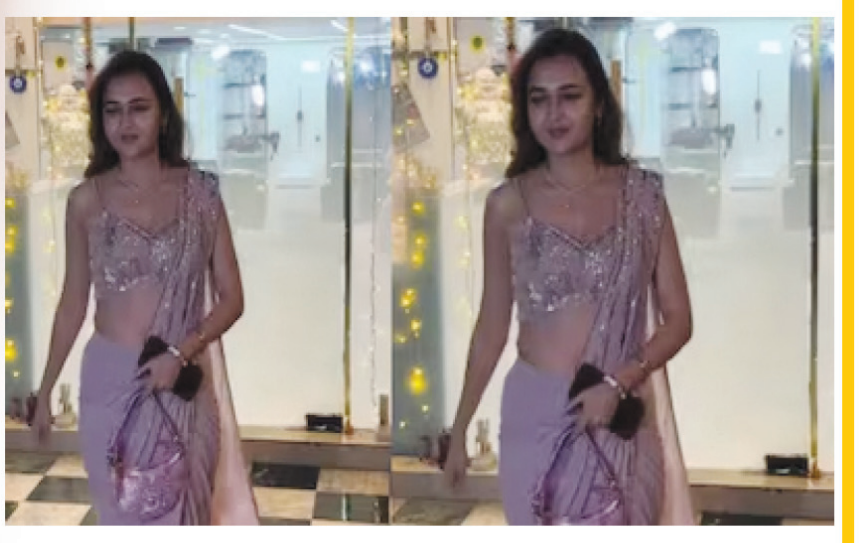

The video captioned as "Tejasswi Prakash snapped coming out of a Beauty Salon," soon began winning hearts. A user said, "Looking so beautiful." Another person added, "Keep shining always." Someone mentioned, "Epitome of beauty and grace." "How can someone be so cute?" gushed yet another fan. Many others complemented her looks by calling her "Beautiful", "Cutie pie", "Hottie", "Angelic beauty", "So gorgeous", "Pretty pretty Teju", and more.

Tejasswi Prakash's Recent And Upcoming Works

In 2025, she contested in the reality show, Celebrity MasterChef India, and emerged as the 2nd Runner-Up. Besides this, she was seen in Celebrity Masterchef – Masterclass, Super Dancer, Indian Idol (Hindi TV series) season 15, Laughter Chefs – Unlimited Entertainment and Pati Patni Aur Panga – Jodiyon Ka Reality Check.While there is no official statement from the makers, viewers are already anticipating the return of Tejasswi in a new avatar in Naagin season 7. Additionally, if rumours are to be believed, she will have a potential collaboration with her boyfriend Karan Kundrra in Laughter Chefs 3.

Shehnaaz Gill

Flashes A Smile As Ikk Kudi Team Helps Her Stand Up After She Falls At Trailer Launch

Shehnaaz Gill's next Punjabi film, Ikk Kudi, promises to be both light-hearted and serious in its exploration of marriage, love and self-discovery. The makers released a trailer last evening with most of the cast members in attendance along with Shehnaaz. A video from the trailer launch event has now surfaced on the internet which features a heartfelt moment between Shehnaaz and the team.

In the clip, Shehnaaz was seen seated on a floor and her outfit made it difficult for her to get up. Soon, the team

assisted her by holding her hand. Shehnaaz looked grateful to them and kept flashing her smile. The actress was seen in a black and silver lehenga. The heavy silver jewellery added to the traditional appearance.

Sharing the trailer on social media, Shehnaaz wrote, "HAR IKK KUDI DI KAHAANI! Watch the trailer of #IkkKudi – a journey of love, trust, and finding yourself. From the director of Honsla Rakh, Kala Shah Kala & Saunkan Saunkane, comes another unforgettable story – IKK KUDI. Directed by @amarjitsaron. Movie Releasing on 31st October."

All About Ikk Kudi's Trailer

The trailer begins with advice on how important it is for a girl to select the appropriate life partner, a concept that is firmly ingrained in Indian culture. With that in mind, Shehnaaz's character sets out to locate her ideal partner. However, when a suitable husband is finally found for her, she insists on doing a thorough background check in his town to guarantee there are no secrets. This decision leads off a series of comedic events in which she must navigate awkward circumstances, nosy people and surprising revelations.

Ikk Kudi – Cast and Other Details

Shehnaaz Gill will make her production debut with the next Punjabi film, Ikk Kudi. Ikk Kudi, directed by Amarjit Singh Saron, promises a light-hearted but emotionally genuine story. Gurjazz, Juss, Udaybir Sandhu, Nirmal Rishi, Sukhi Chahal, Gurinder Makna, Gurdial Paras, Harby Sangha, Balwinder Bullet, Neha Dayal, Nikita Grover and Jass Dhillon co-star in the film with Shehnaz. The movie will be distributed to theatres.

Yami Gautam Gives Boss Lady Vibes In 3-Piece Suit, Promotes Qubool Song From Film Haq

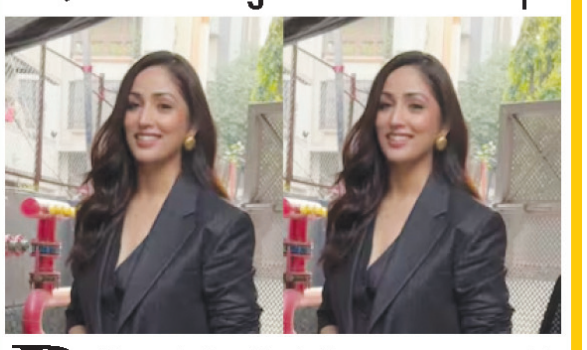

Bollywood diva Yami Gautam was spotted in Bandra last night after her meeting with Haq co-star Emraan Hashmi. The actress was seen interacting with the paps, promoting her upcoming film, and posing for the shutterbugs before she left in her car.While getting her pictures clicked, Yami wished the photographers Happy Diwali and engaged in a playful conversation. She further asked one of them if he had played Holi, but it turned out it was just lighting on his face. She also promoted her upcoming film Haq and told the paps, "Qubool gaana lagana chahiye," referring to the newly released track of the film.

Yami Gautam Masters Power Dressing in Three-Piece Suit

Yami Gautam channelled a boss lady look in a three-piece black pinstripe suit, which featured a pair of straight-fit trousers and a matching vest. She further elevated the suit by adding an elegant blazer on top and rolled her sleeves up for a relaxed look. To finish off her look, Yami opted for pointed-toe stiletto heels in the shade of black and added a pair of sunglasses.

Yami Gautam and Emraan Hashmi Team Up in Haq

Yami Gautam and Emraan Hashmi are all set to share the screen together in courtroom drama Haq. Directed by Suparn S. Varma, the film is inspired by the 1985 Supreme Court judgement in the Mohd. Ahmed Khan vs. Shah Bano Begum case. The film follows a woman's tireless fight for her rights after her husband abandons her. Alongside Emraan Hashmi and Yami Gautam, the film stars Sheeba Chaddha and Vartika Singh in prominent roles. Haq is all set to hit the theatres on November 7.

Yami Gautam's Career

Yami Gautam started her career in television when she was 20 years old and was seen in shows like Chand Ke Paar Chalo and Yeh Pyar Na Hoga Kam, among others. She made her Bollywood debut in Soojit Sircar's 2012 film Vicky Donor alongside Ayushmann Khurrana. Since then she has been seen in various popular films, including Total Siyappa, Badlapur, Sanam Re, Sarkar 3, Uri: The Surgical Strike, OMG 2 and Article 370, among others.

Aamir Khan's Daughter Ira And Her Husband Nupur Shikhare Take Hilarious Dig At Gen Z

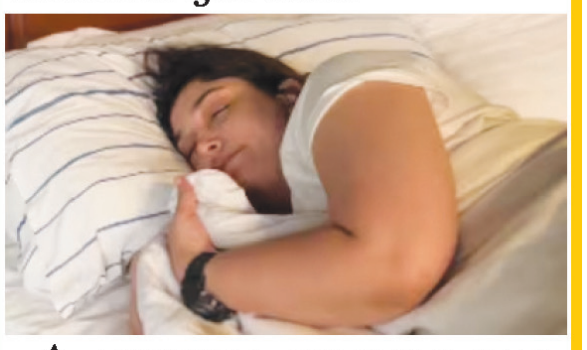

Aamir Khan's daughter, Ira Khan, tied the knot with fitness expert Nupur Shikhare on January 3, 2024. The star kid recently shared a hilarious reel with husband, playfully poking fun at Gen Z, which left everyone in splits. The duo reportedly met during the pandemic when Ira hired Nupur as her fitness trainer. What began as a workout routine soon blossomed into a love story, and the couple finally got married in 2024. Ira had made their relationship official on social media back in 2021.

Ira Khan And Nupur Shikhare's Hilarious Reel

Ira and Nupur shared a video on Instagram from their vacation, where Nupur can be seen playfully talking to a sleepy Ira. The video's caption read, "When you think using an emotional angle will get her out of bed…" Nupur says, "Hey, no, no, listen, don't sleep na…let's go kayaking." To this, Ira replies, "I'm sleepy, you go"Nupur then adds, "I don't want to go alone. What if I fall in the water? I'm scared."

Ira then takes a dig at him and says, "Fall and get up, you're resilient and all na, you're not Gen Z." This makes Shikhare speechless.Ira later posted the video on her story and wrote, "Look at me. Making fun of my own generation"The comments section of the post was filled with laughing emojis. One user wrote, "Gen Z are too soft." Another user commented, "joke of the year".

Ira Khan Shared Her Mental Health Update On Instagram

Ira posted a series of solo pictures on Instagram and wrote in the caption, "On 13th October, I had my last therapy session. After 3 times a week – For 8 years of psychoanalysis…I'm no longer in therapy."

Ira also revealed that she's still on medication and will be for "foreseeable future". Ira continued and shared that she and her therapist believed that Khan has started living life in a better way.

Ira concluded her post with, "As far as cured goes… I'm in remission from my depression and with my medication, I should be able to manage my future depressive episodes — and if I can't, I'll ask for help. This is NOT A THING and not what it's called but I like saying it – I GRADUATED THERAPY!! I PASSED."